राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 244
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 17 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संचालित सुलह व मध्यस्थता केन्द्र में पक्षकारों के मध्य सुलहवार्ता से दो वर्ष पुराना मामला किया गया
पेज 5 प्रेमी के साथ मिलकर महिला ने की पति की हत्या, फिर अंधेरा होते ही खेत में फेंका शव
पेज 7 हमें पूरे 50 ओवर बल्लेबाज़ी ना करने का ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा : झूलन

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर 15 मार्च, 2022 को हिमाचल प्रदेश के सुजानपुर (त्रिहरा) में राष्ट्रीय स्तर के होली मेले के उद्घाटन के अवसर पर।

भगवंत बने पंजाब के 17वें सीएम

मान ने पंजाबी में ईश्वर के नाम की शपथ ली

खटकड़ कलां(पंजाब)। पंजाब के नए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शहीद भगत सिंह के गांव खटकड़ कलां में पंजाबी में शपथ ग्रहण की। उन्हें गवर्नर बीएल पुरोहित ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मान ने पंजाबी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। इसके बाद भाषण देकर इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। भगवंत मान अब पंजाब के 17वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। हालांकि कार्यकाल के लिहाज से वह पंजाब के 25वें सीएम हैं। मान की शपथ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाई दी है और पंजाब के भविष्य के लिए मिलकर काम करने की बात कही है। शपथ ग्रहण के बाद मान ने कहा कि शहीदों को सिर्फ कुछ ही तारीख में क्यों याद किया जाता है?। हमें हर रोज उनके बताए रास्तों पर चलना चाहिए। उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं और वर्करों को कहा कि अहंकार बिल्कुल नहीं करना है। उन्होंने कहा कि मुझे इस तरह की खबर नहीं आनी चाहिए। मान ने केजरीवाल की तारीफ की और उनके लिए तालियां भी

बजवाई। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने आज राजभवन में डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर को पंजाब विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ दिलाई।

मान ने कहा कि वक्त और पब्लिक बहुत बड़ी चीज है। वह आदमी को अर्श से फर्श पर लाने में देरी नहीं करते। मान ने कहा कि बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, खेती, व्यापार, स्कूल, अस्पताल सबको ठीक करेंगे। उन्होंने कहा कि यहीं रहकर हम पंजाब का भला करेंगे। मान ने कहा कि हम जनता के जैसे हैं और जनता बनकर ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सिलेबस में पढ़ाया जाएगा कि लोगों ने बिना किसी लालच के 20 फरवरी 2022 को वोट डालनी शुरू की थी।

खराब मौसम से शपथ ग्रहण में देरी

भगवंत मान ने 12.30 बजे शपथ लेनी थी लेकिन 50 मिनट की देरी से स्टेज पर पहुंचे। अफसरों के मुताबिक खराब मौसम की वजह से उन्हें खटकड़ कलां पहुंचने में देरी हुई। इस दौरान अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया भी मंच पर बसंती पगड़ी पहने नजर आए। दिल्ली सरकार के मंत्री स्टेज पर नजर आए।

भगवंत मान के लिए खास खटकड़ कलां

भगवंत मान के जीवन में खटकड़ कलां बहुत अहम है। वह शहीद ए आजम भगत सिंह के जीवन से काफी प्रभावित है। कॉमेडियन के तौर पर कामयाबी पाने के बाद से ही वह यहां आते रहे हैं। 2011में उन्होंने पीपुल्स पार्टी ऑफ पंजाब से सियासी जीवन की शुरूआत की। इसकी घोषणा खटकड़ कलां से ही हुई थी। यहीं उन्होंने जीवन की पहला राजनीतिक भाषण दिया था। कॉमेडियन से लेकर पहली बार संगरूर सीट से सांसद चुने जाने पर भी वह यहां आए थे। नई गाड़ी खरीदने पर भी वह खटकड़ कलां में शीश झुकाने जरूर जाते हैं।

13 एकड़ में पंडाल, समारोह में 3 मंच बनाए

खटकड़ कलां में शपथ ग्रहण के लिए करीब 13 एकड़ में पंडाल लगाया गया। जिसमें 3 मंच बनाए गए। पहले मंच पर नए मुख्यमंत्री भगवंत मान और गवर्नर बीएल पुरोहित रहे। दूसरे पर सीएम अरविंद केजरीवाल और उनकी कैबिनेट बैठी।। तीसरे पर पंजाब के सभी 116 विधायकों के लिए कुर्सियां लगाई गईं। सुरक्षा के लिए करीब 10 हजार कर्मचारी तैनात किए गए। शपथ ग्रहण समारोह 100 एकड़ जगह में हुआ। जिसमें 40 एकड़ में पार्किंग की व्यवस्था की गई थी।

मान का शपथ ग्रहण समारोह शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां में होने की भी दिलचस्प वजह है। 2011 में यहीं से पंजाब के सफल कॉमेडियन रहे भगंवत मान ने सियासी जीवन शुरू हुआ था।

रेलवे में खाली हैं 2,98,428 पद, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले- भर्ती पर कोई रोक नहीं है

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में कुल 2,98,428 पद खाली हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ये जानकारी दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारतीय रेलवे में रिक्त पदों की कुल संख्या 2,98,428 है और रेलवे इन्हें भरने के लिए प्रयासरत है।

उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा, रेलवे ऑनलाइन भर्ती कर रहा है और भर्ती प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि अनुसूचित जातियों के लिए 20,944 रिक्त पद और अनुसूचित जनजातियों के लिए 10,930 पर खाली हैं।

उन्होंने कहा कि इन पदों समेत कुल 1,40,713 रिक्तियों पर इस समय लेवल-1 और लेवल-7 के लिए भर्ती की जा रही है। इस बीच रेल मंत्री ने रेलवे के निजीकरण को लेकर भी जवाब दिया। अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को स्पष्ट किया कि रेलवे के निजीकरण का कोई प्रश्न ही नहीं है और इस बारे में कही गई सारी बातें 'काल्पनिक' हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की दृष्टि में 'रणनीतिक क्षेत्र' के रूप में रेलवे की सामाजिक जवाबदेही है जिसे वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर ध्यान देते हुए पूरा किया जा रहा है। रेल मंत्री ने यह भी कहा कि भर्ती को लेकर छात्रों के साथ 'गलतफहमी' को रेलवे ने सहानुभूतिपूर्ण ढंग से सुलझा लिया है।

कश्मीर में लश्कर के 3 आतंकी ढेर

नौगाम में हुई मुठभेड़ में मारे गए, सरपंच की हत्या में शामिल थे

श्रीनगर। श्रीनगर के नौगाम इलाके में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में 3 आतंकी मारे गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक मारे गए तीनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे और इनके पास से कई खतरनाक विस्फोटक, हथियार और आपत्तिजनक सामान बरामद हुए हैं। सर्च ऑपरेशन अब भी जारी है।

सर्च ऑपरेशन के दौरान शूरू हुई मुठभेड़

जम्मू कश्मीर पुलिस ने ट्वीट कर इस मामले की जानकारी दी है। जोन पुलिस के द्धत्र विजय कुमार ने बताया

कि खानमोह के सरपंच समीर भट्ट की हत्या में शामिल आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 3 आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस के मुताबिक मारे गए आतंकियों में से एक 23 साल का शाकिब मुश्ताक खान श्रीनगर के खानमोह का रहने वाला था। जबकि बाकी दो आतंकी आदिल नबी तेली (23 साल) और उमेर नबी तेली (25 साल) पंपोर के रहने वाले हैं।

इससे पहले नौगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां चला दीं। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और मुठभेड़ में 3 आतंकियों को मार गिराया।

सरपंचों की हत्या के बाद से चल रहा है ऑपरेशन

कश्मीर में 2 सरपंचों की हत्या के बाद सुरक्षाबलों ने पुलवामा, गांदरबल समेत कई इलाकों में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू किया था। जिसके बाद से लगातार आतंकियों का एनकाउंटर जारी है। आईजी विजय कुमार ने कहा कि पुलवामा मुठभेड़ में जैश का एक कमांडर भी मारा गया था जो 2018 से पुलवामा-शोपियां इलाके में एक्टिव था और कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

गडकरी ने एफसीईवी टोयोटा मिराई का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उन्नत तकनीक से विकसित ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वाहन-एफसीईवी टोयोटा मिराई की बुधवार को यहां शुरुआत की। यह भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना है जिसका उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन और एफसीईवी प्रौद्योगिकी की अनूठी उपयोगिता के बारे में जागरुकता पैदा करके देश में एक ग्रीन हाइड्रोजन आधारित इकोसिस्टम बनाना है। हाइड्रोजन द्वारा संचालित फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हिकल सबसे अच्छे शून्य उत्सर्जन समाधानों में से एक है। यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है जिसमें पानी के अलावा कोई अन्य उत्सर्जन नहीं है।

नफरत फैलाकर फेसबुक और ट्विटर दे रहे चुनाव में दखल, रोक लगाए सरकार : सोनिया गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चुनाव में फेसबुक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों के प्रभाव को खत्म करने की मांग सरकार से की है। लोकसभा में सोनिया गांधी ने कहा कि मैं सरकार से मांग करती हूं कि वह चुनाव में फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया कंपनियों के दखल को खत्म करने के लिए कदम उठाए। उन्होंने कहा कि लोगों के दिमाग को नफरत से भरा जा रहा है। उन लोगों को भावुकता से भरी गलत जानकारियां दी जा रही हैं। फेसबुक जैसी कंपनियां ऐसी गलत चीजों से फायदा उठा रही हैं। सोनिया गांधी ने इस दौरान सोशल

मीडिया कंपनियों, सरकार और कॉरपोरेट के गठजोड़ की भी बात कही। सोनिया गांधी ने कहा कि यह बात कई बार कही गई है कि सोशल मीडिया कंपनियां सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर नहीं मुहैया कराती हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सत्ता प्रतिष्ठान के साथ मिलकर फेसबुक की ओर से सामाजिक सद्भाव को खत्म किया जा रहा है, वह बहुत गलत है। उन्होंने कहा कि इस तरह का गठजोड़ देश के लिए खतरनाक है। सोशल मीडिया कंपनियों पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इनकी ओर से लोकतंत्र को हैक किया जा रहा है। फेसबुक और ट्विटर जैसी कंपनियां कुछ नेताओं के नैरेटिव को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनावी राजनीति को लगातार सोशल मीडिया कंपनियों की ओर से प्रभावित किया जा रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में यूपी समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

हिजाब विवाद : कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले के बाद भी बवाल जारी, गुरुवार को बंद का आयोजन

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट की ओर से हिजाब विवाद को लेकर आए फैसले का विरोध भी शुरू हो गया है। कर्नाटक हाई कोर्ट के हिजाब को लेकर सुनाए गए फैसले से नाराज मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने गुरुवार को कर्नाटक बंद का आह्वान किया है। कर्नाटक के भटकल में बुधवार को मुस्लिम समुदायों ने अपनी दुकानों को बंद कर रखा था। शहर में दिनभर अधिकांश दुकानों का शटर गिरा रहा। भटकल से उडुपी से करीब 90 किमी दूर स्थित एक शहर है।

क्षेत्र के एक चर्चित डॉक्टर हनीफ शोबाब ने कहा, मुस्लिम समुदाय के

लोगों ने ने स्वेच्छा से एक दिन के लिए दुकानें बंद कर रखी है। हिजाब मामले पर कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि यह इस्लाम में जरूरी धार्मिक अभ्यास का हिस्सा नहीं है। हाई कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने यह फैसला सुनाया। इसके साथ-साथ कोर्ट ने हिजाब विवाद के दौरान हुई विरोध प्रदर्शन की त्वरित और प्रभावि जांच का भी समर्थन किया था।

हिजाब जरूरी धार्मिक पथा का हिस्सा नहीं

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिलाओं की ओर से हिजाब पहनना इस्लाम के तहत आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है और वद्यालय के यूनिफॉर्म का नर्धारण केवल एक उचित प्रतिबंध है, जिस पर छात्र-छात्राएं आपत्ति नहीं कर सकते। न्यायालय की पीठ ने यह भी कहा कि राज्य सरकार के पास इस संबंध में आदेश जारी करने का अधिकार है।

देश में पिछले 24 घंटे में तीन हजार 884 लोग कोविड मुक्त

देश में अब तक कुल 78.05 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किये जा चुके हैं

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों में लगातार हो रही गिरावट के बीच पिछले 24 घंटे में तीन हजार 884 लोग कोविड मुक्त हुए है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 180 करोड़ 60 लाख 93 हजार 107 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के दो हजार 876 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की

संख्या 32 हजार 811 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.08 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.38 प्रतिशत हो गयी है।

इसी अवधि में तीन हजार 884 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 50 हजार 055 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.72 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में सात लाख 52 हजार 818 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 78.05 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से 98 मरीजों की मृत्यु हुयी है और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामले 87 बढ़कर 8887 हो गये। वहीं,1034 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6447255 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 66958 हो गया है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 87 घटकर 6299 रह गए हैं।

इस दौरान राज्य में 290 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7721510 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 1,43,757 पहुंच गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले 79 घटकर 2381 रह गये है। इस दौरान 206 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3901636 हो गई है। वहीं राज्य में दो और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 40,024 हो गया है।

तमिलनाडु में इस दौरान सक्रिय मामले 92 घटकर 962 रह गये है, वहीं 169 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 3413087 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 38,024 है।

सरपंच हत्या

15 दिन में 3 सरपंचों की हत्या; हमले के डर से पुलिस सुरक्षा में दुबके सरपंच

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले आतंकियों का खौफ

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अगले 8 महीने के भीतर विधानसभा चुनाव कराने का ऐलान किया गया है। लेकिन पंच-सरपंचों की जान पर खतरा मंडरा रहा है।

इस महीने ही दक्षिण कश्मीर में आतंकियों ने तीन सरपंचों की हत्या कर दी। हालत ये हैं कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, बारामुला, बड़गाम, कुपवाड़ा, पुलवामा और श्रीनगर के पंच-सरपंच अपने परिवारों से दूर पुलिस की सुरक्षा में छिपने को मजबूर हैं।

जम्मू-कश्मीर पंचायत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन शफीक मीर का कहना है कि 2012 से अब तक कश्मीर में 24 पंच-

सरपंचों की हत्याएं हो चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर में जब भी चुनाव प्रक्रिया शुरू होने की कवायद होती है आतंकी पंच-सरपंचों को निशाना बनाने लगते हैं। पंचायतों के सदस्य चुनाव प्रक्रिया में आम वोटर्स को शामिल करने का काम करते हैं। मीर कहते हैं कि ये आतंकियों को मंजूर नहीं होता है। उनका कहना है कि सरकार की ओर से पंच-सरपंचों को बस सरकारी आवासों में ठहरा दिया जाता है।

घाटी में दहशत कम करने के कोई प्रयास नहीं किए गए हैं। एक अन्य सरपंच इलियास अहमद का कहना है कि वे कई महीने तक अपने परिवार से नहीं मिल पाए हैं। पुलिस सुरक्षा में आना-जाना पड़ता है। हाल की हत्याओं से दहशत बनी हुई है।

आतंकियों की दहशत फैलाने की साजिश

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद अगले आठ महीने में चुनाव होने हैं। सरपंच रहे अनीस गनी का कहना है कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में चुनावों पर सवाल उठ रहा है। इस बीच कश्मीर आईजीपी विजय कुमार ने दक्षिणी कश्मीर के जिलों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के आदेश दिए हैं।

एक कमरे में पांच से सात सरपंच रह रहे हैं

सरकारी आवास में रहने वाले पंच-सरपंचों का कहना है कि पांच से सात लोगों को एक कमरे में ठहराया गया है।

हालत ये हैं कि उन्हें बाल कटवाने और नमाज अदा करने के लिए भी पुलिस सुरक्षा का इंतजार करना पड़ता है। सरपंचों का कहना है कि आए दिन आतंकियों के हमलों की खबरों के कारण उनमें दहशत बढ़ रही है। आने वाले समय में हालात और गंभीर होने की आशंका है। पुलवामा जिले के लिट्टर के 55 साल के पंचायत सदस्य मोहम्मद मीर का कहना है कि वो काफी समय से बीमार हैं।

घर से दूर श्रीनगर में सरकारी आवास में रह रहे हैं। लेकिन डॉक्टर को दिखाने नहीं जा पा रहे हैं, क्योंकि उन्हें आतंकियों से अपनी जान को खतरा जान पड़ता है।

'वन रैंक वन पेंशन' पर केंद्र की नीति संवैधानिक मापदंडों के अनुरूप: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि 'वन रैंक, वन पेंशन' पर केंद्र सरकार की नीति संवैधानिक मापदंडों अनुरूप है।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ रक्षा बलों के लिए वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) से संबंधित केंद्र सरकार के सात नवंबर 2015 के फैसले की वैधता को बरकरार रखा।

पीठ ने हालांकि, केंद्र सरकार को 2015 के पत्राचार की शर्तों के अनुसार एक जुलाई 2019 से पुनः निर्धारण करने का निर्देश दिया, क्योंकि यह हर पांच साल में किया जाना था।

शीर्ष अदालत ने यह देखते हुए कि वन रैंक वन पेंशन सभी पेंशनभोगियों

पर समान रूप से लागू होता है (चाहे सेवानिवृत्ति की तारीख कुछ भी हो), ओआरओपी के सिद्धांत में कोई संवैधानिक दोष नहीं पाया।

पीठ ने अपने फैसले में कहा, चूंकि ओआरओपी की परिभाषा मनमाना नहीं है, इसलिए हमारे लिए यह निर्धारित करने की कवायद करना आवश्यक नहीं है कि योजना के वित्तीय निहितार्थ नगण्य हैं या बहुत अधिक।

पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ओआरओपी अपने आप में नीतिगत मामला है। यह नीति निर्माताओं के लिए कार्यान्वयन की शर्तों को निर्धारित करने के लिए खुला था। सरकार यह नीति निश्चित रूप से संवैधानिक मापदंडों पर न्यायिक समीक्षा के अधीन है, जो एक अलग मुद्दा है।

शीर्ष अदालत ने कहा, निस्संदेह, केंद्र सरकार के पास न्यूनतम, अधिकतम या औसत या औसत लेने सहित कई नीतिगत विकल्प थे। सरकार ने औसत को अपनाने का फैसला किया। औसत से नीचे के व्यक्तियों को औसत अंक तक लाया गया, जबकि औसत से ऊपर वाले लोगों को संरक्षित। ऐसा निर्णय नीति विकल्पों के दायरे में आता है।

शार्ट न्यूज

बडगाम में पेड़ से लटका मिला एक व्यक्ति का शव

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में बुधवार को एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान वारगाम बीरवाह निवासी 45 वर्षीय नजीर अहमद मलिक के रूप में की गयी है। उनका शव जिले के एक कब्रिस्तान में अखरोट के पेड़ से लटका मिला। उप जिला अस्पताल (एसडीएच) बीरवाह के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसडीएच के एक डॉक्टर ने बताया कि शव को कानूनी चिकित्सीय औपचारिकताओं के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेड्डी ने उच्च शिक्षा के लिए जारी किये 709 करोड़

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे 10.82 लाख विद्यार्थियों को फायदा पहुंचाते हुए जगनन्ना विद्या दीवेना के तहत अक्टूबर-दिसंबर 2021 की अवधि के लिए 709 करोड़ रुपये जारी किये। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि सिर्फ शिक्षा ही गरीबी को खत्म कर और बेहतर आजीविका उत्पन्न कर जीवनस्तर को सुधार सकती है। इसलिए उनकी सरकार के आने के बाद से विद्या दीवेना और वसती दीवेना योजनाओं के तहत 9,274 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। सरकार ने पिछली सरकार के 2017-18 और 2018-19 अवधि के बकाया 1,778 करोड़ रुपये भी जारी किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए और खासकर परिवार पर बोझ बने बिना उच्च शिक्षा हासिल करने के सपने को पूरा करने के लिए पूर्ण फीस माफी की योजना लाई गई थी। श्री रेड्डी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में किये जा रहे सुधारों के तहत द्विभाषी पुस्तकें लाई गई हैं, सीबीएसई पाठ्यक्रम के साथ अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोले गए हैं, और विद्यार्थियों को वर्दी व पुस्तकों सहित विद्या कनुका दी गई है। बच्चों को पौष्टिक मध्याह्न भोजन भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों से बच्चे सरकारी विद्यालयों का रुख कर रहे हैं जिसके कारण सरकारी विद्यालयों में दाखिले 6.5 लाख बढ़ गए हैं।

रैगिंग पर बनी फिल्म यूट्यूब पर होगी रिलीज़

भिवानी। शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की समस्या पर हरियाणा के एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर एसएस शीलवंत की निर्मित फिल्म रैगिंग हिट्स द हार्ट यूट्यूब पर कल होली के अवसर पर रिलीज़ की जाएगी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के विधि विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस एस शीलवंत ने बताया कि फिल्म की कहानी व गीत भी उन्होंने लिखी है। उन्होंने बताया कि अग्रोहा मेडिकल कॉलेज, सुपवा (रोहतक) समेत फरीदाबाद और जयपुर (राजस्थान) में पिछले सालों में रैगिंग की घटनाओं, जिनमें एक घटना में परिवार के इकलौते बेटे ने खुदकुशी कर ली थी, ने झकझोर दिया था जिसके बाद उन्होंने यह फिल्म बनाई है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग करीब 200 कलाकारों को लेकर हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर हुई।

मान के शपथ ग्रहण समारोह में फूंकी गई जनता की खून-पसीने की कमाई : चुघ

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आरोप लगाया है कि प्रदेश में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के शपथ समारोह पर जनता के खून-पसीने के करोड़ों रुपये फूंके गये। चुघ ने यहां जारी बयान में कहा कि शपथ ग्रहण समारोह कोई सादगीपूर्ण किया कार्यक्रम नहीं था बल्कि यह किसी राजा-महाराजा की ताज़पोशी की तरह किया गया। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि 150 एकड़ की फसल को बर्बाद कर दिया गया, जिसके लिए अब श्री मान उन किसानों को मुआवजा देने की बात कर रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री यह बताएं कि 150 एकड़ की फसल कितने लोगों का पेट भर सकती थी,उस नुकसान की भरपाई कौन और कैसे करेगा। चुघ ने कहा कि आप को प्रचंड बहुमत मिला है और उसे 'विघटनकारी' भूमिका नहीं निभाना चाहिए क्योंकि पंजाब एक संवेदनशील राज्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

शिअद ने कालका को निकाला, पार्टी की दिल्ली इकाई को भंग किया

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने आज दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका को पार्टी से निकालने और पार्टी की दिल्ली इकाई भंग करने की घोषणा की। कालका ने डीएसजीएमसी को शिरोमणि अकाली दल से अलग करने की घोषणा की थी। शिअद ने इसे पंथ को 'कमज़ोर करने की साज़िश' और 'मीरी-पीरी' सिद्धांत पर सीधा हमला करार दिया। शिअद के प्रोफेसर प्रेम सिंह चंदूमाजरा समेत चार वरिष्ठ नेताओं ने यहां संयुक्त प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नेता अवतार सिंह के नेतृत्व में एक पांच सदस्यीय तदर्थ कमेटी बनाई गई है, जो दिल्ली के सिक्खों की भावनाओं को टटोलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री कालका और उनके साथियों ने सिक्ख समुदाय से धोखा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह लोग डीएसजीएमसी में शिअद के निशान पर चुने गये थे और उन्हें डीएसजीएमसी अधिनियम 1971 के तहत समुदाय की सेवा करनी है। यदि वह निर्दलीय सदस्यों के रूप में कुछ करना चाहते हैं तो उन्हें इस्तीफा देकर फिर चुनाव लड़ना चाहिए।

दो बहनों की जलने से मौत

हिसार। हरियाणा में हिसार जिल के गांव मोहबतपुर में आज दो बहनों की घर में लगी आग में जलने से मौत हो गई, हालांकि घटना के बाद पिता के 'लापता' हो जाने के कारण और आग लगने की स्थितियां संदेहास्पद होने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग दुर्घटनावश लगी या लगाई गई थी। पुलिस ने बताया कि आग सुबह-सुबह छोटूराम के घर में लगी। ताऊ पवन और रिश्तेदारों के साथ वहां पहुंचे तो कमरे में आग लगी हुई थी और मोनिका (16) और रिंकू (14) आग की लपटों से घिरी हुई थीं। उन्हें बचाने का प्रयास विफल रहा। रिश्तेदारों और ग्रामीणों के अनुसार पेशे से किसान छोटूराम के चार बच्चे (तीन बेटियां व एक बेटा) थे। छोटूराम की पत्नी कल अपने मायके (राजस्थान के मंढाना गई थीं)। कल रात बच्चे मोनिका, रिंकू, खुशबू और शुभम कमरे में सोये थे और पिता बरामदे में। आग की घटना के बाद ताऊ पवन और अन्य के मौके पर पहुंचने पर छोटूराम घर में नहीं था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्हें डीजल की एक खाली बोतल मिली। पहले आशंका जताई गई थी कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है पर बाद में पता चला कि घटना के समय गांव में बिजली चली गई थी। बिजली निगम ने इसकी पुष्टि की है। उपाधीक्षक नारायण चंद ने मीडिया को बताया कि पुलिस हर कोण से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि छोटूराम लापता है और उसका फोन भी बंद आ रहा है। मामले की जांच जारी है।

कोटा में होली और शब-ए-बारात पर्व पर रहेंगे कड़े सुरक्षा प्रबंध

कोटा। राजस्थान के कोटा में 18 मार्च को एक ही दिन धुलेंडी और शब-ए-बारात का त्यौहार आ जाने से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए कड़ी चुनौती होगा जिसकी तैयारियों में पुलिस प्रशासन अभी से जुट गया है। पुलिस अधीक्षक (शहर) केसर सिंह शेखावत ने आज बताया कि कल होलिका दहन और शुक्रवार को धुलेंडी और शब-ए-बारात जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार आने के कारण कोटा शहर में सांप्रदायिक सौहार्द के साथ शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। इसके तहत कोटा शहर में 99 महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस पिकेट्स लगाए जाकर वहां पर पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। इन त्यौहारों के मद्देनजर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोटा में दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, छह पुलिस अधीक्षक 19 पुलिस निरीक्षक, 63 उप एंव सहायक निरीक्षक, 759 हेड कांस्टेबल और राजस्थान सशस्त्र पुलिस बल (आरएसी) के 120 जवानों और 350 होमगार्डों सहित कुल 1319 पुलिसकर्मियों का भारी जाब्ता तैनात किया गया है।

बाजार में 800 रुपये की मिलेगी 12 से 14 साल तक के बच्चों को लगने वाली कोरोना वैक्सीन कोरबेवैक्स

कोरबेवैक्स घरेलू वैक्सीन है जिसे बायोलॉजिकल ई ने बनाया है

एजेंसी

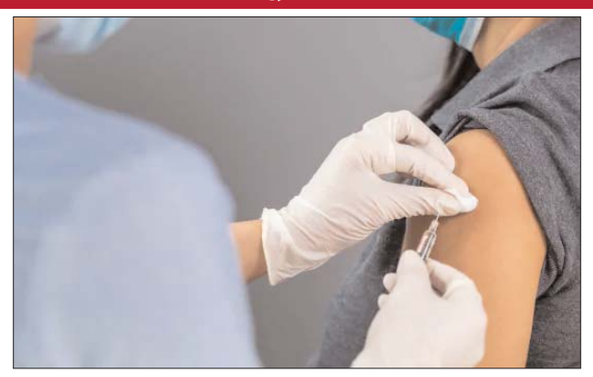

नई दिल्ली। 12 से 14 साल की उम्र के बच्चों को लगने वाली कोरोना वैक्सीन कोरबेवैक्स बाजार में 800 रुपये प्लस टैक्स के साथ मिलेगी। जबकि सरकार को यही वैक्सीन 145 रुपये में दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक सरकार को सबसे कम कीमत पर वैक्सीन मुहैया करवाई जा रही है। कोरबेवैक्स घरेलू वैक्सीन है जिसे बायोलॉजिकल ई ने बनाया है। देश के करीब पांच करोड़ बच्चों को ये वैक्सीन लगाई जाएगी जिनकी उम्र 12 से 14 साल के बीच है।

वैक्सीन को लेकर बायोलॉजिकल ई ने अपने बयान में कहा है कि वो वैश्विक स्तर पर बहुत कम कीमत पर वैक्सीन उपलब्ध करवा रहे हैं। कंपनी का कहना है कि रिसर्च, हाई क्रॉलिटी ऑपरेशन और बड़े पैमाने पर मैनुफैक्चरिंग के चलते उन्हें वैक्सीन की लागत कम पड़ रही है।

गौरतलब है कि सरकार ने मंगलवार को 12 से 14 साल तक की उम्र की बच्चों के लिए वैक्सीन को लेकर गाइडलाइंस जारी की थी। गाइडलाइंस के मुताबिक इस एज ग्रुप वाले बच्चों को सिर्फ कोरबेवैक्स वैक्सीन दी जाएगी। 12 से 14 साल तक की उम्र के बच्चों को 28 दिन के अंतर पर वैक्सीन की दोनों डोज दी जाएगी।

वैक्सीन सेंटर के अधिकारी के मुताबिक उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती बच्चे की उम्र को लेकर होगी कि वैक्सीन सेंटर पर आने वाला बच्चा 12 साल से बड़ा और 14 साल से छोटा हो। उन्होंने कहा कि सभी स्टाफ को इस बाबत ट्रेनिंग दे दी गई है। इस मुहीम में शिक्षा विभाग की भी मदद ली जा रही है।

वैक्सीन के लिए आवेदन करने वाले बच्चे के आधार कार्य या स्कूल आईडी की जांच की जा रही है ताकि उसकी सही उम्र सुनिश्चित की जा सके। वैक्सीन के लेकर एक छोटी सी समस्या भी है और वो ये कि इसकी एक वाइल में 20 डोज हैं। कोई डोज खराब ना हो इसके लिए एक टाइम पर वैक्सीन के लिए कम से कम 20 बच्चों का मौजूद होना जरूरी है।

एनएसयूआई ने टीएसपीएससी के कार्यालय को घेरने का किया प्रयास

हैदराबाद। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को शहर के नामपल्ली इलाके में स्थित तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के कार्यालय की घेराबंदी करने का प्रयास किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच काफी देर तक बहस हुई और बात धक्का-मुक्की तक पहुंच गयी, जिसके बाद इलाके में हल्का तनाव व्याप्त हो गया। इससे पहले बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता पास के गांधी भवन, टीपीसीसी मुख्यालय में इकट्ठा हुए। उन्होंने हाल ही में राज्य विधानसभा के पटल पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा किए गए वादे के अनुसार नौकरी अधिसूचना जारी करने की मांग करते हुए आयोग कार्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश की। जिसके बाद पुलिस ने एहतियाती कदम उठाए।

बारिश में क्षतिग्रस्त फसल की जांच के लिये तीन सदस्यीय कमेटी का गठन

चंडीगढ़। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि गोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांवों में भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई फसलों की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया जाएगा,जो विधायक जगबीर मलिक तथा निर्मल रानी के साथ मौके पर कल जाकर मुआयना करेगी। उन्होंने यह आश्वासन सदन में एक सदस्य के उठाए गए सवाल के जवाब में दिया। उन्होंने बताया कि गोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांवों गढ़ी हकीकत और रतनगढ़ का एक ही रेवेन्यू एस्टेट है, जिसकी रबी 2021-22 की प्राथमिक रिपोर्ट में कुल 600 एकड़ में फसल खराब होना बताया गया है। जलभराव के कारण 160 एकड़ में फसलों की बिजाई नहीं हो पाई। इसी प्रकार गांव बागडू में 400 एकड़ में फसल खराब हुई और 80 एकड़ में जलभराव के कारण फसलों की बिजाई नहीं हुई, गांव जाट माजरा में 160 एकड़ में फसल खराब हुई तथा 10 एकड़ में जलभराव के कारण बिजाई नहीं हो पाई तथा गांव हुल्लाहेड़ी में 80 एकड़ में फसलें खराब हुई व 10 एकड़ में जलभराव के कारण बिजाई नहीं हो पाई है।

हिजाब पर रोक के फैसले के बाद छात्राओं ने छोड़ी क्लास, एग्जाम भी नहीं दिए

बेंगलुरु। हिजाब को लेकर आए कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले का विरोध भी शुरू हो गया है। बुधवार को कर्नाटक के उडुपी में छह मुस्लिम छात्राओं बुधवार को कक्षाओं में नहीं गईं और उन्होंने परीक्षाएं नहीं दीं। हिजाब के मुद्दे पर कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुना दिया। कोर्ट ने कहा कि हिजाब एक आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है। इसके साथ-साथ कोर्ट ने कर्नाटक सरकार के उस आदेश को भी बरकार रखा है जिसमें कॉलेज परिसर में किसी भी उस कपड़े के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है जो शांति, सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ सकता है।

हाई कोर्ट के फैसले के बाद भी छात्राएं अपने स्टैंड पर अड़ी है कि वे बिना स्कार्फ के कॉलेज में प्रवेश नहीं करेगी और कानूनी रूप से केस लड़ेंगी। वे प्री-यूनिवर्सिटी कक्षाओं की प्रारंभिक परीक्षा के दौरान भी अनुपस्थित रहीं।

शिवमोगा के कमला नेहरू कॉलेज में 15 लड़कियां यह कहकर घर लौट गईं कि वे बिना हिजाब पहने कॉलेज में प्रवेश नहीं करेंगी।

इसी कॉलेज में पूर्व में हिजाब विवाद को लेकर समस्याएं हुई थीं। शिवमोगा में हाल में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई थी, जिससे तनाव पैदा हो गया था।

15 लड़कियां बुर्का और हिजाब पहनकर पहुंचीं, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने उनके प्रवेश पर रोक लगा दी, जिसके बाद छात्राओं ने कक्षाओं में नहीं जाने का फैसला किया। उनमें से एक ने संवाददाताओं से कहा कि हिजाब उनका धार्मिक अधिकार एवं पहचान है और वे इसके बिना कॉलेज में प्रवेश नहीं कर सकतीं।

एक अन्य छात्रा ने कहा, %आज अपना असाइनमेंट जमा करने का आखिरी दिन था, लेकिन हमें कक्षा के अंदर नहीं जाने दिया गया। हमने उनसे (कॉलेज के अधिकारियों से) अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन कॉलेज ने कहा कि अदालत के आदेश का पालन किया जाना चाहिए। यह प्रधानाध्यापक या शिक्षकों की गलती नहीं है। दरअसल हमें न्याय नहीं मिला।

इस बीच, उत्तर कन्नड़ जिले के मुस्लिम बहुल भटकल शहर में, व्यापारियों के एक वर्ग ने कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश पर अपना असंतोष जताने के लिए बंद का आयोजन किया। भटकल के बर्मा बाजार, मेन रोड, मदीना कॉलोनी और नवायत कॉलोनी में सड़कें वीरान नजर आईं।

यूक्रेन से लौटे सभी लोगों का पुनर्वास किया जाएगा : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन से लौटे सभी 391लोगों का पुनर्वास किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों को पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र पढ़ाई के दौरान उनकी स्थिति के अनुसार सरकारी या निजी अस्पतालों में पुनर्वास का आश्वासन भी दिया।

बनर्जी ने सरकारी और निजी अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में छात्रों से कहा,हम विशेष परिस्थितियों और मानवीय आधार पर यूक्रेन से लौटे सभी लोगों को राज्य में संचालित निजी या सरकारी अस्पतालों के सहयोग से पुनर्वास करने की पूरी कोशिश करेंगे।

यहां खुदीराम अनुसिलन इनडोर स्टेडियम में यूक्रेन से लौटे लोगों के साथ बातचीत करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की मंजूरी से विशेष परिस्थितियों में छात्रों की देखभाल करने का फैसला किया है।

उन्होंने सीएमओ सचिव पीबी सलीम को तत्काल कार्रवाई को लेकर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से अनुमोदन प्राप्त करेन के लिए राज्य सरकार के अनुरोध पत्र के साथ नयी दिल्ली जाने का निर्देश दिया, ताकि छात्रों को शैक्षणिक वर्ष न गंवाना पड़े।

उन्होंने कहा कि सभी छात्रों को उनके शैक्षणिक वर्ष के अनुसार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में या निजी मेडिकल कॉलेजों में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकारी कॉलेजों में छात्रों के जाने का खर्चा सरकार उठाएगी और निजी अस्पताल में सरकारी और निजी संस्थानों 50-50 फीसदी खर्चा वहन करेंगे।

बैठक में मौजूद निजी अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावों पर सहमति जताई है।

गौरतलब है कि कुल मिलाकर राज्य में यूक्रेन लौटे से 391लोगों में से ज्यादातर मेडिकल छात्र हैं, उनमें से 11 इंटर्न हैं और कुछ इंजीनियरिंग के छात्र हैं।

इसके अलावा सुश्री बनर्जी ने वापस लौटे छात्रों से राज्य सरकार द्वारा लांच किया गया 'स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड' लेने पेश की है। इस के तहत सरकार छात्रों को 15 साल के लिए साधारण ब्याज पर 10 लाख रुपये का लाख का ऋण दे रही है।

हिजाब पर कर्नाटक उच्च न्यायालय का फैसला सराहनीय : सुशील

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने आज कहा कि ड्रेस कोड वाले शिक्षण संस्थानों में छात्राओं के हिजाब पहनने के बजाय संस्थान के नियमों का पालन करने के मुद्दे पर कर्नाटक उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पूर्ण पीठ का निर्णय स्वागत योग्य है।

श्री मोदी ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि उच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि हिजाब पहनना इस्लाम का मूल हिस्सा नहीं है।

उन्होंने कहा कि ड्रेस कोड वाले शिक्षा संस्थानों से बाहर कहीं भी किसी के धार्मिक पहनावे पर कोई रोक नहीं है।

भाजपा सांसद ने कहा कि हिजाब से पहले भारत की धर्मनिरपेक्ष न्यायपालिका ने फौरी तीन तलाक और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के मुद्दे पर भी जो ऐतिहासिक फैसले सुनाये, वे मानवीय और प्रगतिशील थे। इन सभी फैसलों में इस्लाम की मूल भावना की रक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि अब उच्च न्यायालय के फैसले को कुबूल कर सभी वर्गों की छात्राएं यदि अपना सारा ध्यान पढाई पर लगाएं तो कर्नाटक और पूरे देश में अच्छा संदेश जाएगा ।

वित्तीय अनुशासन को पार नहीं किया है बजट : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि उनका बजट वित्तीय अनुशासन को पार नहीं किया है और यह अनुशासन के अंतर्गत है।

बोम्मई ने बुधवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि राज्य में 50 अंबेडकर छात्रावास बनाए जाएंगे। धारवाड़, मैसूर, कलबुर्गी और मैंगलोर में नए छात्रावास खोले जाएंगे। पड़ोसी जिलों के छात्रों को पढ़ने के लिए छात्रावास उपलब्ध कराए जाएंगे। हम आने वाले दिनों में चार जिलों में हाउसिंग कॉम्प्लेक्स भी बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। राज्य शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार काम कर रही है। प्रतिष्ठित संस्थान में शामिल होने के लिए आईआईटी परीक्षा देना होगा। उन्होंने कहा कि 100 सीटें होने पर 2-3 छात्रों को सीट मिल रही है।

हम सभी को कर्नाटक में एनआईटी और आईआईटी स्तर के कॉलेज बनाने के लिए आगे आना होगा। कर्नाटक में छह सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों का उन्नयन किया जा रहा है और उन्हें आईआईटी स्तर का बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों के भीतर कर्नाटक में आईआईटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज जनसंख्या बढ़ रही है। छात्रों की संख्या भी बढ़ रही है। इसलिए हम सात नए विश्वविद्यालय शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, हम एक विश्वविद्यालय शुरू करने के साथ प्रयोग कर रहे हैं जिसमें जिले या विश्वविद्यालय दोनों की भागीदारी शामिल है।

बोम्मई ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कोविड की परिस्थिति से भारी नुक्सान का सामना करना पड़ा जिसे धीरे-धीरे संभाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड के कारण से भी राज्य की आर्थिक वृद्धि अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही है। आशंका है कि जीएसटी में हमारा हिस्सा भी कम हो जाएगा। इस प्रकार हमने आर्थिक अनुशासन बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया है। पिछली बार की तुलना में इस बार बजट अधिक अनुकूल रहा। केंद्र से अनुदान भी मिलता है। हम कर संग्रह के लक्ष्य तक भी पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि हम आर्थिक झटके से बच गए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने आर्थिक अनुशासन बनाए रखा और आर्थिक झटके से बचने में सफल रही। केंद्र से मिली मदद से हम टैक्स वसूली के लक्ष्य तक पहुंच गए हैं।

अगर हमारे राज्य में हमारे बच्चों को नौकरी मिलेगी तो हमारा पैसा वहीं रहेगा। राज्य की जीडीपी में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए नई योजनाएं बनाई जा रही हैं।

राजे का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बारां। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे हाड़ौती के दौरे के दौरान बुधवार दोपहर को झालावाड़ से बारां पहुंची। बारां-झालवाड़ हाइवे पर भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश मीणा के नेतृत्व में राजे और सांसद दुष्यंत सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। राजे के स्वागत को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में स्वागत की होड़ मची रही। फूलमालाओं तथा गुलदस्तों से भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजे का स्वागत किया। राजे अपने सभी भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से सहजता से मिली। उन्होंने बारी बारी से सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की। राजे बारां में करीब 30 मिनट राजे रूकी। फिर किशनगंज, भंवरगढ़, शाहबाद ओर देवरी की लिए रवाना हुई। इस दौरान मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए श्रीमती राजे ने कहा कि बारां मेरा परिवार हैं। में यहाँ बार-बार आऊंगी। मार्च के अंतिम सप्हान्तर्गत विचार बन रहा है। अपने दौरे के दौरान पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने राज्य सरकार पर विकास कार्य रोकने का आरोप लगाया।

हिजाब विवाद : सीएफआई के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट पहुंची श्रीराम सेना

धारवाड़। दक्षिणपंथी हिंदू संगठन श्री राम सेना ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के हिजाब पर दिए फैसले को असंवैधानिक बताने वाले कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) के खिलाफ अदालती कार्रवाई की अवमानना की मांग करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

संगठन के प्रमुख प्रमोद मुथालिक ने यहां पत्रकारों को बताया, हमने अतिरिक्त महाधिवक्ता विद्यावती के पास एक आवेदन दायर किया है, जिसमें हिजाब के फैसले को असंवैधानिक बताने के लिए राज्य सीएफआई अध्यक्ष (सीएफआई) के नेता अताउल्लाह पुंजालकाटे के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग करने की अनुमति मांगी गई है।

उन्होंने कहा, %%हमें पूरा भरोसा है कि अताउल्लाह पर मुकदमा चलाने की हमें अनुमति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि सीएफआई प्रमुख ने कोर्ट के फैसले को भारतीय संविधान के खिलाफ करार दिया था।

इस मामले पर कल मुस्लिम छात्राओं द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन के बारे में श्री मुथालिक ने कहा कि यह अवैध है और कानून के तहत इसकी इजाजत नहीं है।

उन्होंने कहा, इसलिए, हम राज्य सरकार से इन लड़कियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की अपील करते हैं। उनके द्वारा कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय के समक्ष आवेदन करने से की बात से हमें कोई आपत्ति नहीं है।

17 मार्च को अमीर-ए-शरीयत द्वारा बुलाए गए कर्नाटक बंद पर अपनी बात रखते हुए श्री मुथालिक ने कहा कि अगर कोई पक्ष असंतुष्ट है, तो वह हमेशा से अदालत के फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है, लेकिन बंद का आह्वान या विरोध नहीं कर सकता है क्योंकि यह अदालत की अवमानना है।

गौरतलब है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम छात्राओं की ओर से दायर उन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें शिक्षण अवधि के दौरान शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की गई थी। न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा हिजाब पहनना इस्लाम के तहत आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है और विद्यालय के यूनिफॉर्म का निर्धारण केवल एक उचित प्रतिबंध है, जिस पर छात्र-छात्राएं आपत्ति नहीं कर सकते। न्यायालय की पीठ ने यह भी कहा कि राज्य सरकार के पास इस संबंध में आदेश जारी करने का अधिकार है।

80 हजार में युवती को बेचने के आरोप में 8 गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के रूद्रपुर में पुलिस की मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) ने चंद रुपयों की खातिर एक महिला को बेचे जाने के मामले का खुलासा करते हुए तीन महिलाओं समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। कुछ लोग फरार होने में कामयाब हो गये हैं। उधमसिंह नगर पुलिस के अनुसार एएचटीयू प्रभारी बसंती आर्य को काशीपुर व बाजपुर क्षेत्र में मानव तस्करी खासकर युवतियों की खरीद फरोख्त की गोपनीय सूचना मिली थी। इसके बाद एएचटीयू की एक इकाई को इस मामले में सक्रिय कर दिया गया। एएचटीयू को मंगलवार को 80 हजार रुपयों की खातिर एक युवती को हरियाणा के कुछ लोगों के हाथों बेचे जाने की सूचना मिली। बताया गया कि कुछ महिला व पुरूष दलाल इस प्रकरण में शामिल हैं। बाजपुर रेलवे स्टेशन पर खरीद फरोख्त चल रही है। एएचटीयू की प्रभारी बसंती आर्य की अगुवाई में टांडा बाजपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम की ने मौके पर दबिश दी। टीम ने खरीद फरोख्त में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें तीन महिलायें भी शामिल हैं। दो आरोपी फरार होने में कामयाब रहे।

जिन आरोपियों को पकड़ा गया है उनमें लक्ष्मी पत्नी मलकीत सिंह निवासी तिकुनिया, लखीमपुर खीरी, उप्र हाल निवासी प्रीत विहार, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर, जमुना उर्फ सुनीता पत्नी चंद्रपाल सिंह निवासी रतनपुरा, बाजपुर, कुंवरपाल पुत्र कृपाल निवासी ग्राम विद्यानंद कालोनी, थाना चांदनी बाग, जिला पानीपत, हरियाणा, नरेश पुत्र राजेन्द्र, दिनेश पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम पुरखास, थाना गन्नौर, जिला सोनीपत, गुरवचन सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी शिवपुरी, थाना केलाखेड़ा, उधमसिंह नगर, राजबाला पत्नी स्व0 गजेन्द्र निवासी ग्राम मिलकमऊ, काजीपुरा, सिविल लाइन, मुरादाबाद, राजा सिंह उर्फ राजू पुत्र पूरन सिंह निवासी बगवाड़ा मंडी, रूद्रपुर शामिल हैं।

शार्ट न्यूज

थाना फेस थ्री पुलिस ने एक गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार, कब्जे से 10 किलो 250 ग्राम गांजा सहित एक स्विफ्ट कार बरामद

नोयडा। थाना फेस थ्री पुलिस ने बुधवार को चेकिंग के दौरान एक गांजा तस्कर धर्मवीर पुत्र अशोक निवासी ग्राम सैदपुर थाना मानसी जिला खगडिया बिहाल वर्तमान पता ग्राम जलपुरा थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के गढ़ी गोल चक्कर एफएनजी रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 10 किलो 250 ग्राम गांजा(कीमत लगभग डेढ़ लाख रूपये), तस्करी में प्रयुक्त बिना नम्बर प्लेट की एक स्विफ्ट कार,दो मोबाइल फोन और 250 रूपये नगद बरामद किये है। अभियुक्त शातिर किस्म का गांजा तस्कर है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना इकोटेक थ्री पुलिस ने कम्पनी में चोरी करने वाले गार्ड को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी किया माल बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना इकोटेक थ्री पुलिस ने मंगलवार को कम्पनी में चोरी करने वाले गार्ड अरुण सोलंकी पुत्र प्रताप सिंह सोलंकी निवासी श्रृंगारनगर अरूणा नगर कोतवाली एटा जिला एटा को कम्पनी-314 उधोग केन्द्र-2 से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक वैन्डिग का फ्लंच, एक मीटर डाई, 2 सैरिंग के बुश, एक डाई बैश, 2 वैन्डिंग मशीन पंच, 2 लोवर डाई, एक एम्बुशिंग डाई और एक वैन्डिग मशीन डाई लोहे की बरामद की है। अभियुक्त द्वारा कम्पनी मे गार्ड के रूप में कार्य करते हुए एक अन्य गार्ड लकी कुमार पुत्र अनिल कुमार के सहयोग से कम्पनी के अन्दर से डाई और अन्य पार्टस उठाकर बाहर फेंककर कम्पनी से सामान चोरी किया जा रहा था। पुलिस द्वारा दूसरे गार्ड की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

सूरजपुर पुलिस ने चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल के साथ दो अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान बुधवार को दो अभियुक्तों मनवीर पुत्र उदयवीर निवासी खालीसपुर, थाना इस्लामनगर जनपद बदायूँ वर्तमान पता एल्फा-2 थाना बीटा टु गौतमबुद्धनगर, हरवीर पुत्र शिशुपाल निवासी ग्राम समस्तपुर थाना जरीफनगर जनपद बदायूं वर्तमान पता थाना बीटा टु गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के दुर्गा गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने एक फर्जी नम्बर प्लेट लगी चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है।अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना सेक्टर 113 पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़

नोयडा। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने मंगलवार को बदमाशों से हुई मुठभेड़ के उपरांत अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र चरण सिंह निवासी ग्राम चंदनपुर थाना सहसवान बदायूं एफएनजी रोड के सामने पुस्ता रोड के पास से जबकि दूसरे अभियुक्त ब्रह्मपाल निवासी ग्राम बक्सर थाना सहसवान बदायूं को कोबिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त सुनील पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो तमंचे मय दो कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका और एक चोरी का ई रिक्शा बरामद किया है। अभियुक्तों द्वारा अपने दो अन्य के साथ मिलकर 3 मार्च 2022 को शराब के ठेके के पास से ई-रिक्शा चुराया गया था। उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध जनपद बदायूं में लूट व चोरी के कई मुकदमें दर्ज है। अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास की जा रही है।अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं महिला एवं बाल अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की जा रही है गहन कार्यवाही

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में अभियोजन अधिकारी जेपी भाटी की प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप मुकदमा अपराध संख्या 403/2015 धारा 363, 366, 376 भादवि व 3/4 पॉक्सो अधिनियम थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर में 16 मार्च 2022 को न्यायालय एडीजे/ स्पेशल पोक्सो-2 द्वारा अभियुक्त सुनील उर्फ मुन्नू पुत्र शीतल निवासी ग्राम ओती थाना ललौली जिला फतेहपुर को न्यायालय एडीजे/स्पेशल पोक्सो-2 मनोज कुमार द्वारा 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 23,000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया अर्थदण्ड जमा न करने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।वादी द्वारा 2 जुलाई 2015 को वादी की नाबालिग पुत्री उम्र 14 वर्ष को थाना सूरजपुर क्षेत्र के साइट बी अधौगिक क्षेत्र से बहला फुसलाकर ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने संबंधी शिकायत पंजीकृत कराई गई थी। उक्त संबंध में अभियुक्त को गौतमबुद्धनगर पुलिस की प्रभावी पैरवी के कारण सजा दिलाई गई है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा लगातार अभियुक्तों को सजा दिलायी जा रही है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की आगे भी प्रभावी कार्यवाही जारी रहेगी।

ऑनलाइन बुकिंग कराते ही मिलेगा सूरजकुंड मेले का डिजिटल मैप

फरीदाबाद। अंतरार्ष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में आने वाले दर्शकों को ऑनलाइन टिकट बुकिंग करवाते ही मेला परिसर का डिजिटल मैप तुरंत मोबाइल पर मिलेगा। साथ ही मोबाइल एप के जरिए ही दर्शक मेले के लिए पार्किंग की बुकिंग भी करा सकेंगे। मेले में टिकट काउंटर पर भीड़भाड़ को कम करने और दर्शकों की सहूलियत के लिए मेला प्राधिकरण की ओर से ये सुविधा दी जाएगी। योजना के मुताबिक दर्शकों को मेले के लिए टिकट और पार्किंग सुविधा ऑनलाइन बुक कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गौरतलब है कि इस बार मेला प्राधिकरण की ओर से टिकट बुकिंग के लिए पेटीएम की सेवाएं ली जाएंगी। इसके तहत दर्शक घर बैठे मेले के लिए टिकट और पार्किंग बुकिंग करा सकेंगे। वहीं इस एप के जरिए ही दर्शक मेला परिसर का डिजिटल रूट मैप पा सकेंगे। इसकी मदद से परिसर तक आने वाले रास्तों और जाम सहित वैकल्पिक मार्गों की जानकारी भी मिल सकेगी। वहीं कार के साथ ही बस, रेल, फ्लाइट जैसे परिवहन के जरिए मेला परिसर तक पहुंचने की जानकारी भी पा सकेंगे।

शहर के चौराहों पर लगे चार सीसीटीवी कैमरों की बैटरी चोरी

फरीदाबाद। शहर के चार चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे और ट्रैफिक लाइट की बैटरी और बाकी उपकरण चोरी हो गए। पुलिस ने चोरी के मामले दर्ज कर लिए हैं। पुलिस के मुताबिक, स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर के सेक्टर-23 में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यालय के सामने चौक, सेक्टर-25-55 सोहना टी-प्वाइंट और सेक्टर-55 टी-प्वाइंट पर ट्रैफिक लाइट लगाई गई हैं। यहां सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। चोर 14 दिसंबर सन 2021 को केबिनेट बॉक्स को जोड़कर नेटवर्क स्वीच, पोर्ट, बैटरी, यूपीएस और सर्वो आदि सामान चोरी कर ले गए। इसी तरह चोर सेक्टर-17 थाना इलाके में लेबर चौक पर लगी ट्रैफिक लाइट और सीसीटीवी कैमरों से नेटवर्क स्वीच, पोर्ट, बैटरी, यूपीएस और सर्वो आदि सामान चोरी कर ले गए। सेक्टर-17 और मुजेसर थाना पुलिस ने फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड के चीफ डेटा ऑफिसर भूपेश शर्मा की शिकायत पर चोरी के मामले दर्ज कर लिए हैं।

रंग-बिरंगे फूलों की होली से महकेगा मंदिर का प्रांगण

द्वारका इस्कॉन मंदिर में 18 मार्च को होली महोत्सव

नई दिल्ली। अपनी मीठी, मधुर, भीनी-भीनी गंध से मन को सुवासित करने वाले फूलों की जब बारिश होती है, तो तन और मन दोनों इस रस-राग का पान करते हैं, प्रेम के मोहपाश में बँध जाते हैं और हमें अनंत, असीम आनंद की अनुभूति होती है। ऐसा ही एक महा उत्सव 18 मार्च को होली के दिन यानी गौर पूर्णिमा को श्री श्री रुक्मिणी द्वाराकाधीश इस्कॉन मंदिर सेक्टर-13 में आयोजित किया जा रहा है। जैसे भँवरा फूलों के रस का पान कर तृप्त होता है वैसे ही भक्ति का रस पान करने के लिए भक्तगण भी पूरी तैयारी में हैं। इसके लिए भगवान का शाम 5.30 बजे 108 दिव्य द्रव्यों यानी दूध, दही, घी आदि से महा अभिषेक किया जाएगा। फिर शाम 6 बजे गेंदा, गुलाब, चंपा, चमेली आदि विभिन्न किस्म के 108 तरह के फूलों से पुष्प अभिषेक किया जाएगा। यह अभिषेक ड्रोन के माध्यम से भी किया जाएगा, जिसका सभी भरपूर आनंद ले सकेंगे। फिर उन्हीं फूलों से भक्तगणों द्वारा आपस में भी होली खेली जाएगी।

होली खेलने के लिए मंदिर में एक विशेष पांडाल लगाया जाएगा और शाम 5 बजे जब भगवान के श्रीविग्रह को वहाँ अभिषेक के लिए लाया जाएगा तो उनके ऊपर ड्रोन से फूलों की वर्षा की जाएगी। भक्तगण भी उनके ऊपर फूलों की बारिश कर सकेंगे। भगवान को यूँ भी फूल बेहद प्रिय हैं। श्रीमती राधारानी के श्रृंगार में भी इनका बेहद महत्व रहा है। हमें भी ऐसे ही उत्कृष्ट भावों के साथ उनके साथ होली

खेल कर जीवन के आनंद के लिए आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

इस दिन यहाँ पूरे दिन हरि नाम संकीर्तन किया जाएगा। ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकित श्री गौरमणि माताजी अपने विविध लयात्मक सुरों से बद्ध संकीर्तन का आनंद प्रदान करेंगी। ऐसे मधुर माहौल के बीच चैतन्य महाप्रभु, जो कलियुग में स्वयं श्रीकृष्ण के पीत वर्ण यानी गोल्डन अवतार हैं, उनके दिव्य महा-अभिषेक और पुष्प-अभिषेक के बाद 1008 भोग अर्पित किए जाएँगे। तत्पश्चात सभी विघ्नों के नाश के लिए एवं सौभाग्य प्रदान करने वाली महा-आरती की जाएगी। महा-अभिषेक व महा-आरती आप ऑनलाइन भी बुक करा सकते हैं। शाम 4 बजे से ही भगवान के आशीर्वाद स्वरूप महाप्रसाद का वितरण होगा। इसके अतिरिक्त मंदिर में आयोजित फूड स्टॉल्स पर भक्तगणों द्वारा होली के पसंदीदा व्यंजनों का लुत्फ भी लिया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त शाम 4 बजे से ही बच्चों की अनेक क्रीड़ात्मक गतिविधियाँ भी सक्रिय रहेंगी, जिससे वह रंगों व पानी के दुष्प्रभाव से बच सकेंगे। गोपाल फन स्कूल (जीएफएस) के बच्चे इन मोहक क्रीड़ाओं में भाग लेंगे। इस्कॉन यूथ फोरम (आईवाईएफ) के प्रहरी आपके मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहेंगे। आप भी आइए, ऐसे ही मिलकर फूलों की अनूठी होली मनाएँ और फूलों के पवित्र रंगों की तरह अपने हृदय को भी निर्मल बनाएँ, ताकि इसमें हरि का नाम शुद्धता के साथ निवास कर सकें और आपको भक्ति की राह की ओर प्रेरित करे।

आज के दौर में जहाँ मानव स्वास्थ्य पर संकट मँडराया हुआ है, ऐसे में लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति बेहद सजग हो गए हैं और होना भी चाहिए, ताकि रसायनयुक्त मिलावटी रंगों के संक्रमण से त्वचा को सुरक्षित किया जा सके। ऐसे में फूलों की होली एक सबसे सरल, सात्विक व मनोरंजक उपाय है, जिसे हर कोई बच्चे से लेकर प्रिय वृद्धजन भी इसका आनंद ले सकते हैं। इस होली उत्सव का उद्देश्य भगवान की अपने भक्तों पर कृपा बरसाना है, ताकि उनका जीवन फूलों की खुशबू की तरह सुवासित रहे।

ट्रिनिटी इंस्टिट्यूट ऑर्गनाईज्ड ट्रांसडक्शन (फ्रेशर्स पार्टी) 2022

नई दिल्ली। ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज ने 15 मार्च को रैडिसन ब्लू, द्वारका मे ट्रांसडक्शन फ्रेशर्स डे शीर्षक सत्र 2021-24/26 के लिए लगभग 600 नए प्रवेशित छात्रों का स्वागत करने के लिए अपना सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया है। इस आयोजन का उद्देश्य कॉलेज में विभिन्न पाठ्यक्रमों में भर्ती हुए फ्रेशर्स का गर्मजोशी से स्वागत करना था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री शंकर चौधरी, आईपीएस एवं डीसीपी, द्वारका जिला उपस्थित थे। इसके अलावा समारोह के विशिष्ट अतिथि पंजाबी पॉप सिंगर श्री शंकर साहनी थे।

सुश्री रीमा टंडन ने विशिष्ट अतिथि श्री शंकर चौधरी, डीसीपी, द्वारका को एक पौधा देकर सम्मानित किया और डॉ. आर के टंडन ने एक स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर के विशिष्ट अतिथि श्री शंकर साहनी को डॉ. आर.के. टंडन, अध्यक्ष, टिप्स ने स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया और सुश्री रीमा टंडन ने विशिष्ट अतिथि सुश्री अर्जंलि साहनी को एक पौधा देकर सम्मानित किया। इसके बाद गणमान्य लोग दीप प्रज्वलन के लिए रवाना हुए। सम्मान समारोह के बाद, डॉ. आर के टंडन, अध्यक्ष, टिप्स, ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने दयालु शब्दों से आशीर्वाद दिया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत किया और श्री शंकर चौधरी, डीसीपी की सराहना की जिस तरह से वे जनता की सुरक्षा के कार्यभार को संभाल रहे हैं। उन्होंने श्री शंकर साहनी और विशिष्ट अतिथि श्री मनीष मधकुर का भी स्वागत किया।

उन्होंने छात्रों को सबोधित करते हुए छात्रों को समय प्रबधंन, ज्ञान और आत्म नि यत्रं ण पर ध्यान देनेके लि ए कहा। उन्होंने स्कूली शिक्षा सेकॉलेज शिक्षा में परि वर्तनर्त के बारेमेंबात की। उन्होंनेछात्रों सेदो कार्यक्षर्य ेत्रों के माध्यम से आत्म सुधार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा बदुधि और आध्यात्मि क वि कास। उन्होंने पश्चिमी दिल्ली में स्थित शाखाओं वाली साई फि नकॉर्प (एक वि श्वसनीय गोल्ड लोन कंपनी) और सेक्टर-9, द्वारका मेंस्थि त रॉयल रेजीडेंसी (ए प्लेस ऑफ परफेक्ट स्टे) के प्रायोजक को भी धन्यवाद दिया।

तत्पश्चात, विशिष्ट अतिथि श्री शंकर चौधरी ने छात्रों को हार्दिक शभुकामनाएं और उन्हें टिप्स परिवार का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी और शिक्षा क्षेत्र मेंउनके योगदान के लिए अध्यक्ष की प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ अपराध दर पर ध्यान केंद्रित कि या और महि लाओंद्वारा गमु नाम शिकायत दर्ज करने के लिए बनाए गए व्हाट्सएप नंबर के बारे में चर्चा की।

विशिष्ट अतिथि श्री शंकर साहनी ने भी कॉलेज की उपलब्धियों की प्रशंसा की। इसके बाद उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में से स्टेज पर धमाल मचा दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ हुई, उसके बाद फ्रेशर पेजेंट प्रति योगिता, मिस्टर एंड मिस फ्रेशर्स 2022 और उसके बाद वर्ष 2022 के लिए मोस्ट प्रॉमिसिंग टैलेंट प्रतियोगिता हुई।

प्रतियोगिता में दोनों पालियों के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम को और अधिक रंगीन बनाने के लिए टिप्स के छात्रों ने प्रतियोगिता के राउंड के बीच अपनी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। एलीसियन सोसाइटी ने ट्रिनिटी का लोक गीत प्रस्तुत किया और अपने प्रदर्शन से मंच को हिला दिया। उसके बाद, टिप्स के नृत्य समाज, ज़ोर्क्स द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शनों से मंच को हिला दिया। यह अवसर मनोरंजन के मामले में उच्च था क्योंकि एक के बाद एक घटना घटती रही। अतं में ञ्रद्वश्चह्य की फैशन सोसायटी, Flamboyance ने अपने प्रदर्शनर्श सेमचं को रोशन कि या। यह छात्रों के लिए एक लभुावनी क्षण था जब बीएएएलबी से अशं और बीसीए से द्रष्टि और बीबीए से अमन और बीएजेएमसी से रितिका को क्रमश ् पहली और दूसरी पाली के लिए मिस्टर और मिस फ्रेशर का खिताब दिया गया। वही उन्माद तब दोहराया गया जब बीएजेएमसी के हर्षित चावला को वर्ष 2022-2023 की सबसे होनहार प्रतिभा का पुरस्कार दिया गया। संस्थान के पर्व छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किए गए। श्री अरुणांश शौकीन को स्टार्टअप/ उद्योग/ सस्थंा की श्रेणी में सम्मानित किया गया।

सुश्री मानवी खिलानी को एक फ्रीलांसर के रूप में उत्कृष्टता के लि ए सम्मानित किया गया।

सुश्री जिज्ञासा को निजी/ सार्वजर्वनिक/सरकारी क्षेत्रों में योगदान के लिए उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। सुश्री पूजा शर्मा को सार्वजनिक/ सामाजिक जीवन में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. बरखा बहल, निदेशक, टीआईपीएस द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, इसके बाद दोपहर का भोजन और डीजे हुआ।

थाना बीटा टु पुलिस ने जनता के लोगों की मदद से हत्या करने का प्रयास करने वाले एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने मंगलवार को जनता के लोगों की मदद से हत्या करने का प्रयास करने वाले एक अभियुक्त अरूण शर्मा उर्फ भोला पुत्र प्रेम निवासी ग्राम लखनावली थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर को घटनास्थल ऐच्छर मार्केट शुभम इलेक्ट्रोनिक्स की दुकान से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा मय एक खोखा कारतूस व एक मिस कारतूस बरामद किया है।गौरतलब है कि 15 मार्च 22 को समय 9.30 बजे रात्रि को वादी शिवम पुत्र जयप्रकाश ऐच्छर(रिश्ते में अभियुक्त का पूर्व साला) मार्केट में दुकान शुभम इलैक्ट्रोनिक्स पर बैठा था। तभी अभियुक्त अरूण शर्मा उर्फ भोला दुकान पर आया और तंमचे से वादी के ऊपर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया जिसमें वादी बाल-बाल बच गया। इसके बाद अभियुक्त भोला ने तुरन्त तमंचे को फिर से लोड कर लिया और पुनः फायर किया लेकिन फायर मिस हो गया।

इसी बीच में मार्केट के काफी लोग व दुकानदार इकट्ठा हो गये जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। उक्त सूचना पाकर पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची जिस पर पुलिस द्वारा जनता के सहयोग से अभियुक्त को ऐच्छर मार्केट शुभम इलैक्ट्रोनिक्स की दुकान से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त का कुछ दिन पूर्व ही वादी शिवम की बहन से तलाक हुआ था जिसका कारण वादी अपने साले शिवम को मानता था।गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस ने एक गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नोयडा। थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस ने बुधवार को एक गांजा तस्कर नितिश जोशी उर्फ गोलू पुत्र रमेश चन्द जोशी निवासी ग्राम छानीसेरा थाना गरूड जनपद बागेश्वर उत्तराखंड वर्तमान पता ग्राम सदरपुर सेक्टर-45 थाना सेक्टर-39 नोएडा को थाना क्षेत्र के ग्राम वाजिदपुर टी पाइंट के पास से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 1 किलो 100 ग्राम गांजा और एक चाकू बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म का गांजा तस्कर है।

जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दिल्ली में टैक्स फ्री हो 'द कश्मीर फाइल्स' : प्रवेश वाही

नई दिल्ली। श्रीमान अरविंद केजरीवाल जी मुख्यमंत्री राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली विषय फिल्म कश्मीर फाइल को दिल्ली में कर मुक्त करने हेतु, महोदय जैसा की आपको विदित है कि दिल्ली व आसपास के क्षेत्र में लाखों कश्मीरी विस्थापित निवास करते हैं सन 1948 में पाकिस्तान द्वारा कबायली आतंकियों को भेजकर व फिर 1990 के मध्य व उपरांत वहां फैले आतंकवाद के पश्चात हजारों

परिवार में लाखों लोगों को दर्दनाक कष्ट सहते हुए अपने पैतृक निवास कश्मीर को छोड़ दिल्ली व देश के अन्य क्षेत्रों में अपने ही देश में विस्थापित का जीवन जीना पड़ा मान्यवर जी कश्मीर के लोगों के दर्द को बयान करने वाली एक फिल्म कश्मीर फाइल देश के अनेक हिस्सों में टैक्स फ्री की गई है ,आप निश्चित रूप से वहां से विस्थापितों व ?

जन समुदाय की भावनाओं से ना सिर्फ अवगत होंगे वरन् आपकी संवेदनाएं भी रही होंगी। महोदय निश्चित रूप से यह चलचित्र (फिल्म) यथार्थ को दिखाने में पत्थर दिलों को भी पिलाने में सफल जान पड़ रही है ! मान्यवर मैं स्वयं 1948 में कश्मीर (उड़ी) क्षेत्र से निर्वाचित हो आए परिवार का एक हिस्सा हूं। ,मान्यवर आपसे बहुत विनम्र निवेदन है कि लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए दिल्ली में इस फिल्म को टैक्स फ्री (कर मुक्त) करने का आदेश जारी करें।

सूरजपुर पुलिस ने पांच शराब तस्करों को किया गिरफ्तार, कब्जे से द्वारा 92 पेटी अंग्रेजी शराब सहित एक पिकअप गाड़ी बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने बुधवार को अवैध शराब की तस्करी करने वाले पाँच शराब तस्करों बाबूलाल पुत्र हरनाम निवासी दौलतराम कॉलोनी दादरी थाना दादरी गौतमबुद्धनगर, मोनिश पुत्र रईस निवासी दौलतराम कॉलोनी दादरी थाना दादरी गौतमबुद्धनगर, रईस पुत्र हसमत अली निवासी दौलतराम कॉलोनी दादरी थाना दादरी गौतमबुद्धनगर,कपिल पुत्र जसवीर निवासी ग्राम फजलगढ़ थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद, मुर्तजा खान पुत्र सिदूखान निवासी ग्राम जैतवारपुर पियावली थाना जारचा गौतमबुद्धनगर

को थाना क्षेत्र के रहीश बॉडी मेकर की दुकान के सामने लॉटस पार्क दादरी रोड से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 92 पेटी अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का (कीमत लगभग 5 लाख रुपये)और तस्करी में प्रयुक्त फर्जी नम्बर प्लेट लगी एक बुलेरो पिकअप गाड़ी बरामद है।अभियुक्तों द्वारा हरियाणा मार्का अवैध शराब को बुलेरो पिकअप गाड़ी का प्रयोग कर हरियाणा से लाकर कस्बा सूरजपुर व आसपास के क्षेत्रों में अधिक दामों पर बेचा जा रहा था। अभियुक्तों द्वारा पुलिस व आबकारी विभाग से बचने के लिए गाड़ी में अन्दर लकड़ी के बडे बॉक्स में पेटियां रखकर ऊपर से तीन लेयर पॉलीथीन से पैक करके उसके ऊपर से लकड़ी रखकर स्टील के तारों से कसकर हरियाणा से उत्तर प्रदेश में लेकर आते थे। अभियुक्तगण शातिर किस्म के शराब तस्कर हैं।

जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मोबाइल सिम की केवाईसी का झांसा देकर 1.34 लाख निकाले

फरीदाबाद। साइबर ठग ने मोबाइल सिमकार्ड की केवाईसी (पहचान प्रमाणित) के नाम पर मोबाइल हैक कर बैंक खाते से एक लाख 34हजार 865 रुपये निकाल लिए। साइबर थाना पुलिस ने मंगलवार को धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-28 निवासी सुधीर कुमार बंसल के मोबाइल पर सन् 2021 के सितंबर माह में मोबाइल सिमकार्ड की केवाईसी करवाने के लिए मोबाइल पर एसएमएस आ रहे थे। 18 सितंबर सन् 2021 को राहुल शर्मा नाम के युवक का फोन आया। उसने कहा कि वह एयरटेल कंपनी से बोल रहा है। आपके मोबाइल सिमकार्ड की केवाईसी होनी है। केवाईसी के लिए उसे 10 रुपये भेज दो। जब उसने 10 रुपये डाले तो ट्रांजेक्शन फेल हो गई। युवक ने उनसे नेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान करने के लिए कहा। जब उन्होंने नेट बैंकिंग का प्रयोग न करने की बात कही। इसके बाद उनके पांच बैंक खातों से 59,325 रुपये और दो क्रेडिट कार्ड से 75,540 रुपये निकाल लिए। इस दौरान आरोपी ने उनके बैंक और क्रेडिट कार्ड से एक लाख 34 हजार 865 रुपये निकाल लिए।

ढाबा संचालक से 50 हजार की रंगदारी मांगी, सामान लूटा

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ढाबा संचालक से 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगी गई। रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपी ढाबे से सामान लूटकर मौके से फरार हो गए।

सदर थाना पुलिस ने ढाबा संचालक की शिकायत पर दो नामजद सहित चार आरोपियों के खिलाफ रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है। अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। डीएसपी सतेंद्र कुमार के अनुसार दिल्ली के लाडपुर निवासी पुष्पेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसने गांव बामनीखेडा के नजदीक राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसंत नाम से ढाबा खोला हुआ है। ढाबे पर खाना, चाय व कोल्ड ड्रिंक की व्यवस्था है।

बीती 12 मार्च को रात करीब साढे नौ बजे चार युवक ढाबे पर आए और रंगदारी के तौर पर 50 हजार रुपये मांगें। युवकों ने कहा कि यदि ढाबा चलाना है कि हर महीने 50 हजार रुपये देने होंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संचालित सुलह व मध्यस्थता केन्द्र में पक्षकारों के मध्य सुलहवार्ता से दो वर्ष पुराना मामला किया गया निस्तारित

ग्रेटर नोएडा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर में संचालित परामर्श एवं सुलह समझौता केन्द्र में कामर्शियल प्री-लिटीगेशन वाद संख्या 503/2021किरन सिंह बनाम रीता धींगरा के पक्षकारों के मध्य प्राधिकरण में कार्यरत मध्यस्थ अधिवक्ता चरन सिंह भाटी तथा जयहिंद कुमार सिंह सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के प्रयास से पक्षकारों के मध्य मुकदमा दायर करने से पूर्व प्री-लिटीगेशन स्तर पर ही करीब दो करोड़ रुपये के विवाद

को अन्तिम रुप से समझौता के माध्यम से निस्तारित करा दिया गया। उपर्युक्त प्री-लिटीगेशन मामले में आवेदिका की तरफ से उपस्थित किरन सिंह व उनकी अधिवक्ता रविन्द्र कुमार भाटी तथा विपक्षी की तरफ से उपस्थित रीता धींगरा के मध्य आपसी वार्ता से उपर्युक्त मामला समझौता से निस्तारित हुआ। उपर्युक्त मामले के दोनों पक्षकार अत्यन्त ही प्रसन्न होकर कहा कि उनके मध्य बहुत ही सहज वार्ता से प्राधिकरण के प्रयास से मामले का निस्तारण हो गया।

समस्त पक्षकार होली के पूर्व सुलह होने से अत्यंत प्रसन्नचित्त होकर अपने घर गए।उपर्युक्त जानकारी जयहिंद कुमार सिंह सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर द्वारा दी गयी।

संपादकीय

होली का त्यौहार समाज में आपसी सामंजस्य को बढ़ावा देता है

भारत भूमि के संस्कार वास्तव में एक ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। जो समाज में ऐक्य भाव की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। इस भाव को समाप्त करने के लिए हमारे त्यौहार हर वर्ष पथ प्रदर्शक बनकर आते हैं, लेकिन विसंगति यह है कि हम इन त्यौहारों को भूलते जा रहे हैं। त्यौहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि हम अपनी जड़ों से या तो कट चुके हैं या फिर कटने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जो व्यक्ति या समाज अपनी जड़ों से कट जाता है वह निश्चित ही पतन की ओर ही जाता है।

भारत के प्रमुख त्यौहारों में शामिल होली को पूरा भारत देश मनाता है। होली के त्यौहार का सांस्कृतिक आधार देखा जाए तो यह वर्ष में हुए परस्पर मनमुटाव को समाप्त करने का एक माध्यम है। भारत की संस्कृति अत्यंत श्रेष्ठ भी इसीलिए ही कही जाती है कि यहां आपसी सामंजस्य का बोध है। यहां के सभी त्यौहार आपसी सामंजस्य को बढ़ावा देने वाले होते हैं। इसी प्रकार रंगों का पर्व होली का त्यौहार भी सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार से होली के अवसर पर सभी रंग आपस में घुल मिल जाते हैं, उसी प्रकार से व्यक्तियों के मिलने की भी कल्पना की गई है। इस त्यौहार पर दुश्मनों के भी भाव बदल जाते हैं, और सारे देश में दोस्ती का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है। वर्तमान में होली के बारे में हम कहते हैं कि पहले जैसी होली अब नहीं होती। यह सत्य है कि कि इसमें परिवर्तन आया है, लेकिन क्या हमने सोचा कि ऐसा परिवर्तन आने के पीछे कारण क्या हैं। वास्तव में इसके लिए हम ही दोषी हैं। पांच दिन के इस त्यौहार की मस्ती को हमने समेट कर रख दिया है और मात्र एक या दो घंटे में पूरा त्यौहार मना लिया जाता है। ऐसे में मात्र एक घंटे में होली का वह भाई चारा वाला स्वरूप कैसे दिखाई देगा।

होली के इस पावन पर्व पर हमारे समाज के कई लोग दुश्मनी मिटाना तो दूर, दुश्मनी पालने की कवायद करते हुए दिखाई देते हैं। पिछले कई वर्षों से देश के कई भागों में होली के अवसर पर लड़ाई झगड़े होते हुए भी दिखाई देने लगे हैं। इससे सवाल यह उठता है कि क्या हम होली को वास्तविक अर्थों में मनाने का मन बना पा रहे हैं। अगर नहीं तो तो हमें यह कहने का भी अधिकार भी नहीं है कि होली का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर होली के पावन पर्व का निष्कर्ष निकाला जाए तो यही परिलक्षित होता हुआ दिखाई देता है कि जिसके मन में विकार होता है, उसे समाप्त करने का होली का त्यौहार सबसे अच्छा अवसर है, अगर हमने अपने अंदर पैदा हुए विकास को समाप्त करने का प्रयास नहीं किया तो भगवान उस विकार को समाप्त करने का काम कर देंगे। हम जानते हैं कि भगवान नरसिंह ने राक्षस हिरण्यकश्यप को इसलिए मार दिया कि उसके अंदर कई प्रकार के विकास समाहित हो गए थे। भगवान के भक्त प्रह्लाद ने कई बार चेताया भी, लेकिन उसने अपने अंदर के अहम को समाप्त नहीं किया।

रंगों का पर्व होली हिन्दुओं का पवित्र त्यौहार है। यह मौज-मस्ती व मनोरंजन का त्योहार है। सभी हिंदू जन इसे बड़े ही उत्साह व सौहार्दपूर्वक मनाते हैं। यह त्योहार लोगों में प्रेम और भाईचारे की भावना उत्पन्न करता है। जिस प्रकार बसंत के मौसम में रंग बिखरते हैं, उसी प्रकार से होली के अवसर पर भी रंग बिखरते हुए दिखाई देते हैं। रंगों का अर्थ है, मन में बसंत की बहार का उल्लास। अगर होली के अवसर पर हमारे मन में उल्लास नहीं है तो फिर होली के मायने ही क्या हैं? इसलिए होली पर मन की प्रफुल्लता बहुल जरूरी है। प्राकृतिक रूप से फाल्गुन की पूर्णिमा ही नहीं अपितु पूरा फाल्गुन मास होली के रंगों से सराबोर हो जाता है। होली का त्योहार ज्यों-ज्यों निकट आता जाता है त्यों-त्यों हम नए उत्साह से ओत-प्रोत होने लगते हैं।

आओ होली पर्व उत्सव से प्रेरणा लें!!

वैश्विक स्तरपर त्योहारों के प्रतीक भारत में आदि अनादि काल, हजारों वर्षों से सभी त्यौहारों को बड़े ही आत्मीयता, उत्साह सौहार्द से मनाने की प्रथा रही है जो आज भी उसी लगन, उत्सव, आनंद से शुरू है!!

साथियों बात अगर हम 17-18 मार्च 2022 दो दिवसीय होलीका पर्व उत्सव की करेंतो हर भारतीय त्योहार की तरह होली मनाने का भी अपना एक कारण है जिसको जानना आधुनिक युवाओं के लिए ख़ास महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नामक राक्षस राजा का पुत्र प्रहलाद, भगवान विष्णु का परम भक्त था जो उसके राक्षस पिता को पसंद नहीं था और भक्ति से विमुक्ति करने उसने अपनी बहन होलिका को यह जिम्मेदारी सौंपी, जिसे वरदान प्राप्त था कि अग्नि भी उसकी देह को जला नहीं सकती।

इसलिए होलिका ने भगत प्रह्लाद को मारने उसे गोद में लेकर अग्नि में प्रवेश हो गई परंतु वह खुद जल गई पर भगत प्रल्हाद का बाल भी बांका नहीं हुआ दूसरी ओर रंग वाली होली पर्व उत्सव राधा-कृष्ण के पावन प्रेम के प्रतीक के रूप में भी मनाई जाती है इसके अलावा मीडिया में इसे मनाने को लेकर अनेक पर्यावरणीय योग उपचार, स्वास्थ्य संबंधी वैज्ञानिक कारण भी बताए गए हैं।

साथियों बात अगर हम उपरोक्त पौराणिक और वैज्ञानिक कारणों को मानकर होली मनाने के उद्देश्य समझने की करें तो बुराई में चाहे कितनी भी ताकत हो किंतु अच्छाई की तपिश में खाक हो जाती है। इसलिए हम पिछले दो साल के कोरोनाकाल के दुखदाई क्षणों से उबर रहें हैं तो होलिका दहन के साथ हम अपनी नकारात्मकता और बुराइयों को दहन कर भाईचारे को मजबूत रंगों में रंगे!!

आओ सब मिलकर होली के रंग में सराबोर हो आपसी सौहार्द, भाईचारा, प्रेम सामाजिक समरसता का संकल्प लेकर एक नए मज़बूत भारत में प्रवेश कर अपने विज़न 2047 और 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने की ओर आगे क़दम बढ़ाएं।

साथियों बात अगर हम होली पर्व उत्सव से प्रेरणा की करें तो, अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक, असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक यह त्यौहार हमें बताता है कि अधर्म, असत्य कितना भी बलशाही क्यों न हो, हमारी ताकत, संकल्प, जुनून, जांबाज़ी, ज़ज़्बे की ताकत उसे ध्वस्त कर देगी। यह ताकत हमें आपसी भाईचारे, सद्भाव, सौहार्द और मानवीय सामाजिक समरसता से ही मिलेगी जिसकी प्रेरणा हमें होली पर्व महोत्सव से लेने की जरूरत है। यह त्यौहार हमें भीतरी विकारों को त्यागने वह नष्ट करने की प्रेरणा सदियों से देता आया है और इस होलिका दहन पर हम सभी के विकारों का इस पवित्र अग्नि के साथ समूल नाश करें।

साथियों बात अगर हम होलिका दहन के बाद रंगोत्सव की करें तो यह हमेशा परंपरा के साथ वैदिक रीति-रिवाज के अनुसार प्रतिवर्ष प्रकृति के कण-कण की भीनी भीनी सुगंध में महकाने वाले वसंत ऋतु फाल्गुन पूर्णिमा की संध्याकाल में होलिका दहन किया जाता है यह अवसर हमें अपने चारित्रिक अवगुणों, दुर्गुणों को भस्मीभूत करने का आध्यात्मिक संदेश देता है।

हमारे मानवीय मूल्यों की निरंतर अभिवृद्धि होती रहे यह हमें इस दिवस पर संकल्प लेना है तथा देश की संस्कृति में सराबोर होने आपसी सौहार्द के रंग में, रंगों की मस्ती में मस्त होने भाईचारे, प्रेम, भाव को प्रोत्साहित करनेमें अपना अमूल्य योगदान दें।

साथिया बात अगर हम होली पर्व उत्सव को वर्तमान आधुनिक परिपेक्ष में दूषित करने से बचाने की करें तो, होली का त्यौहार भारतीय त्यौहारों में एक महत्व रखता है ,खासकर के पूर्वोत्तर क्षेत्र में। होली का त्यौहार यूं तो आज पूरे विश्व में मनाया जाता है।भारतीय त्योहारों को मनाने के पीछे उसका उद्देश्य छिपा रहता है। यह त्यौहार प्रकृति तथा व्यक्ति के जीवन पर आधारित होता है इसको मनाने के पीछे वैज्ञानिक तर्क भी कार्य करते हैं।

होली के त्यौहार को भारत के विद्वान तथा बुद्धिजीवी लोग तो जानते हैं ,किंतु कुछ असामाजिक तत्व इसकी मर्यादा को भंग करते हैं। मर्यादा से तात्पर्य यह है कि इसके उद्देश्य को क्षति पहुंचाते हैं। यह त्यौहार खुशियां मनाने का है, एक दूसरे के सुख में शामिल होने का है, अपने दुखों को भूल जाने का है।

श्रीकृष्ण भक्ति के शिखर हैं चैतन्य महाप्रभु

ललित गर्ग

चैतन्य महाप्रभु श्रीकृष्ण के प्रेमावतार यानी श्री राधाजी के अवतार माने जाते हैं, वे भारतीय संत परम्परा में श्रीकृष्ण भक्ति रस संस्कृति के एक महान् संत हैं। उन्होंने मध्यकाल में एक देवदूत की भांति भारत की धरा पर जन्म लेकर वैष्णव संत केशव भारती से संन्यास ग्रहण कर शोषित, पीड़ित मानव-समुदाय को प्रेमपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाई। वे कवि, समाज सुधारक एवं क्रांतिकारी प्रचारक थे। वैष्णव धर्म के परम प्रचारक एवं भक्तिकाल के प्रमुख कवियों में से एक थे। उन्होंने जात-पांत के बंधन को तोड़ने और सम्पूर्ण मानव जाति को एक सूत्र में पिरोने के लिये हरिनाम 'संकीर्तन' आन्दोलन शुरू किया। वे जन सागर में उतरे एवं फिर जन सागर उनकी ओर उमड़ पड़ा। एक महान् आध्यात्मिक आन्दोलनकारी संत के रूप में उनकी विशेषता थी वे धर्म समभाव, करुणा, एकता, प्रेम, भक्ति, शांति एवं अहिंसा की भावना को जन-जन के हृदय में सम्प्रेषित एवं संचारित किया। वे नगर-नगर, गांव-गांव घूम कर भक्ति एवं संकीर्तन का महत्व समझाते हुए लोगों का हृदय- परिवर्तन करते रहे। उनके इस भक्ति-आन्दोलन ने धर्म, जाति, सम्प्रदाय या देश के भेदभाव से दूर असंख्य लोगों को संकीर्तन रस की अनुभूति करायी और उनका जीवन सुख, शांति, सौहार्द एवं प्रेम से ओतप्रोत हो, ऐसा अपूर्व वातावरण निर्मित किया। भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में वे सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत थे।

चैतन्य महाप्रभु का जन्म संवत 1407 में फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को सिंह लगन में होलिका दहन के दिन भारत के बंग प्रदेश के नवद्वीप नामक गांव में हुआ। वे बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा संपन्न थे। उन्होंने जीवन में अनेक जन-कल्याणकारी कार्य किये। विशेषकर विधवाओं के कल्याण एवं जीवन उद्धार के लिये उन्होंने एक विशिष्ट उपक्रम किया। बंगाल एवं देश की विधवाओं को वृंदावन आकर प्रभु भक्ति के रास्ते पर आने को प्रेरित किया था। उन्हीं की देन है कि वृंदावन को करीब 500 वर्ष से विधवाओं के आश्रय स्थल के तौर पर जाना जाता है। कान्हा के चरणों में जीवन की अंतिम सांसें गुजारने की इच्छा लेकर देशभर से यहां जो विधवाएं आती हैं, उनमें ज्यादातर करीब 90 फीसद बंगाली हैं। अधिकतर अनपढ़ और बांग्लाभाषी। महाप्रभु ने बंगाल की विधवाओं की दयनीय दशा और सामाजिक तिरस्कार को देखते हुए उनके शेष जीवन को प्रभु भक्ति की ओर मोड़ा और इसके बाद ही उनके वृंदावन आने की परंपरा शुरू हो गई।

चैतन्य महाप्रभु को भगवान श्रीकृष्ण का ही रूप माना जाता है तथा इस संबंध में एक प्रसंग भी आता है कि एक दिन श्री जगन्नाथजी के घर एक ब्राह्मण अतिथि के रूप में आए। जब वह भोजन करने के लिए बैठे और उन्होंने अपने इष्टदेव का ध्यान करते हुए नेत्र बंद किए तो बालक निमाई ने झट

से आकर भोजन का एक ग्रास उठाकर खा लिया। जिस पर माता-पिता को पुत्र पर बड़ा क्रोध आया और उन्होंने निमाई को घर से बाहर भेज दिया और अतिथि के लिए निरंतर दो बार फिर भोजन परोसा परंतु निमाई ने हर बार भोजन का ग्रास खा लिया और तब उन्होंने गोपाल वेश में दर्शन देकर अपने माता-पिता और अतिथि को प्रसन्न किया।

चैतन्य महाप्रभु भक्ति रस संस्कृति के प्रेरक हैं। समस्त प्राणी जगत प्रेम से भर जाए, श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन हो जाए और उनकी आध्यात्मिकता सरस हो उठे, ऐसी विलक्षण एवं अद्भुत है श्री राधा-कृष्ण के सम्मिलित रूप अवतार की संकीर्तन रसधार एवं श्री चैतन्य की जीवनशैली। इसी के माध्यम से उन्होंने प्रेम एवं भक्ति को सर्वोत्तम पुरुषार्थ घोषित कर मानव धर्म की श्रेष्ठता को प्रतिपादित किया। उनकी शिक्षाएं श्रीकृष्ण की ही शिक्षाओं का मूर्त रूप है। उन्होंने मानव कल्याण के लिये कहा, 'प्रेम धर्म नहीं जीवन का सार तत्व हैं।' यो तो उनके जीवन से जुड़े अनेक चमत्कार हैं। लेकिन एक दिन महाप्रभु ने भक्तों को यह समझाने के लिये कि संसार में क्या सार है और क्या निस्सार है, एक आम की गुठली जमीन में रौप दी। थोड़ी ही देर में उसमें अंकुर फूटा। अंकुर बढ़ कर एक छोटा-सा वृक्ष बन गया। देखते-देखते वह वृक्ष बढ़ा और उसमें पके दो सुन्दर आम दिखे। फिर एक ही क्षण में वह वृक्ष अदृश्य हो गया और वहां फल यानी आम रह गए। महाप्रभु ने अपने भक्तों को समझाया कि देखो, जिस प्रकार वृक्ष अभी था, अब वह नहीं रहा और केवल फल ही शेष रहे हैं, उसी प्रकार संसार असार है। महाप्रभु ऐसी ही विलक्षण और प्रेरक घटनाओं से अपने भक्तों को आध्यात्मिक ज्ञान देते थे।

चैतन्य महाप्रभु ने भजन गायकी की अनोखी शैली प्रचलित कर उन्होंने तब की राजनैतिक अस्थिरता से अशांत जनमानस को सूफियाना संदेश दिया था। लेकिन वे कभी भी कहीं टिक कर नहीं रहे, बल्कि लगातार देशाटन करते हुए हिंदू-मुस्लिम एकता के साथ ईश्वर-प्रेम और भक्ति की वकालत करते रहे। जात-पांत, ऊंच-नीच की मानसिकता की उन्होंने भर्त्सना की, लेकिन जो सबसे बड़ा काम उन्होंने किया, वह था वृन्दावन को नये सिरे से भक्ति आकाश में स्थापित करना। सच बात तो यह है कि तब लगभग विलुप्त हो चुके वृंदावन को चैतन्य महाप्रभु ने ही नये सिरे से बसाया। अगर उनके चरण वहां न पड़े होते तो श्रीकृष्ण-कन्हाई की यह लीला भूमि, किल्लोल-भूमि केवल एक मिथक बन कर ही रह जाती।

चैतन्य महाप्रभु और उनके भक्त भजन-संकीर्तन में ऐसे लीन और भाव-विभोर हो जाते थे कि उनके नेत्रों से अविरल अश्रुधारा बहने लगती थी। प्रेम, आस्था और रूदन का यह अलौकिक दृश्य हर किसी को स्तब्ध कर देता था। श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति एवं समर्पण ने चैतन्य महाप्रभु की प्रतिष्ठा को और भी बढ़ा दिया। उड़ीसा के सूर्यवंशी सम्राट गजपति महाराज प्रताप रुद्रदेव तो उनको अवतार तक मानकर उनके चरणों में गिर गये जबकि बंगाल के एक शासक का मंत्री रूपगोस्वामी तो अपना पद त्यागकर उनके शरणागत हो गया था। गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के आदि-आचार्य माने जाने वाले चैतन्य महाप्रभु ने अनेक ग्रंथों की रचना की, लेकिन आज आठ श्लोक वाले शिक्षाष्टक के सिवा कुछ नहीं है। शिक्षाष्टक में वे कहते हैं कि श्रीकृष्ण ही एकमात्र देव हैं। वे मूर्तिमान सौन्दर्य, प्रेमपरक हैं। उनकी तीन शक्तियाँ परम ब्रह्म, माया और विलास हैं। इस श्लोक का सार है कि प्रेम तभी मिलता है जब भक्त तृण से भी अधिक नम्र होकर, वृक्ष से भी अधिक सहनशील होकर, स्वयं निराभिमानी होकर, दूसरों को मान देकर, शुद्ध मन से नित्य 'हरि नाम' का कीर्तन करे और ईश्वर से 'जीवों के प्रति प्रेम' के अलावा अन्य किसी वस्तु की कामना न करे। उन्होंने मानव द्वारा स्वयं को ईश्वर मानने की भूल को भी सुधारने का प्रयत्न किया। वे नारद की भक्ति से प्रभावित थे और उन्हीं की तरह कृष्ण-कृष्ण जपते थे। लेकिन गौरांग पर बहुत ग्रंथ लिखे गए, जिनमें प्रमुख है श्रीकृष्णदास कविराज गोस्वामी का चैतन्य चरितामृत, श्रीवृंदावन दास ठाकुर का चैतन्य भागवत, लोचनदास ठाकुर का चैतन्य मंगल, चैतन्य चरितामृत, श्री चैतन्य भागवत, श्री चैतन्य मंगल, अमिय निमाई चरित और चैतन्य शतक आदि।

चैतन्य महाप्रभु ईश्वर को एक मानते हैं। उन्होंने नवद्वीप से अपने छह प्रमुख अनुयायियों को वृंदावन भेजकर वहां सप्त देवालयों की स्थापना करायी। उनके प्रमुख अनुयायियों में गोपाल भट्ट गोस्वामी बहुत कम उम्र में ही उनसे जुड़ गये थे। रघुनाथ भट्ट गोस्वामी, रूप गोस्वामी, सनातन गोस्वामी, जीव गोस्वामी, रघुनाथ दास गोस्वामी आदि उनके करीबी भक्त थे। इन लोगों ने ही वृंदावन में सप्त देवालयों की स्थापना की। मौजूदा समय में इन्हें गोविंददेव मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, मदन मोहन मंदिर, राधा रमण मंदिर, राधा दामोदर मंदिर, राधा श्यामसुंदर मंदिर और गोकुलानंद मंदिर आदि कहा जाता है। इन्हें सप्तदेवालय के नाम से ही पहचाना जाता है। वृंदावन में आज श्रीकृष्ण भक्ति एवं अध्यात्म की गंगा प्रवहमान है, उसका श्रेय महाप्रभु को ही जाता है।

चैतन्य मत का मूल आधार प्रेम और लीला है। गोलोक में श्रीकृष्ण की लीला शाश्वत है। प्रेम उनकी मूल शक्ति है और वही आनन्द का कारण भी है। यही प्रेम भक्त के चित्त में स्थित होकर महाभाव बन जाता है। यह महाभाव ही राधा की उपासना के साथ ही श्रीकृष्ण की प्राप्ति का मार्ग भी है। उनकी प्रेम, भक्ति और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेगी।

ब्रेक फेल गाड़ी की तरह दौड़ रही कांग्रेस ना जाने कहाँ जाकर टकरायेगी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पांच राज्यों के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में वही हुआ, जो पहले भी हुआ करता था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि यदि पार्टी कहे तो हम तीनों (माँ, बेटा और बेटी) इस्तीफा देने को तैयार हैं। पांच घंटे तक चली इस बैठक में एक भी कांग्रेसी की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह नेतृत्व-परिवर्तन की बात खुलकर कहता। जो जी-23 समूह कहलाता है, जिस समूह ने कांग्रेस के पुनरोद्धार के लिए आवाज बुलंद की थी, उसके कई मुखर सदस्य भी इस बैठक में मौजूद थे लेकिन जी-23 अब जी-हुजूर-23 ही सिद्ध हुए।

उनमें से एक आदमी की भी हिम्मत नहीं पड़ी कि वह कांग्रेस के नए नेतृत्व की बात छेड़ता। सोनिया गांधी का रवैया तो प्रशंसनीय है ही और उनके बेटे राहुल गांधी को मैं दाद देता हूं कि उन्होंने कांग्रेस-अध्यक्ष पद छोड़ दिया

लेकिन मुझे कांग्रेसियों पर तरस आता है कि उनमें से एक भी नेता ऐसा नहीं निकला, जो खम ठोककर मैदान में कूद जाता। वह कैसे कूदे? पिछले 50-55 साल में कांग्रेस कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रह गई है। वह पोलिटिकल पार्टी की जगह प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। उसमें कई अत्यंत सुयोग्य, प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता अब भी हैं लेकिन वे नेशनल कांग्रेस (एनसी) याने 'नौकर-चाकर कांग्रेस' बन गए हैं। मालिक कुर्सी खाली करने को तैयार हैं लेकिन नौकरों की हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वे उस पर बैठ जाएं। उन्हें दरी पर बैठे रहने की लत पड़ गई है। यदि कांग्रेस का नेतृत्व लंगड़ा हो चुका है तो उसके कार्यकर्ता लकवाग्रस्त हो चुके हैं। कांग्रेस की यह बीमारी हमारे लोकतंत्र की महामारी बन गई है। देश की लगभग सभी पार्टियां इस महामारी की शिकार हो चुकी हैं।

भारतीय मतदाताओं के 50 प्रतिशत से भी ज्यादा वोट प्रांतीय पार्टियों को जाते हैं। ये सब पार्टियां पारिवारिक बन गई हैं। कांग्रेस चाहे तो आज भी देश के लोकतंत्र में जान फूंक सकती है। देश का एक भी जिला ऐसा नहीं है, जिसमें कांग्रेस विद्यमान न हो। देश की विधानसभाओं में आज भाजपा के यदि 1373 सदस्य हैं तो कांग्रेस के 692 सदस्य हैं। लेकिन पिछले साढ़े छह साल में कांग्रेस 49 चुनावों में से 39 चुनाव हार चुकी है। उसके पास नेता और नीति, दोनों का अभाव है।

मोदी सरकार की नीतियों की उल्टी-सीधी आलोचना ही उसका एक मात्र धंधा रह गया है। उसके पास भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनाने का कोई वैकल्पिक नक्शा भी नहीं है।

कांग्रेस अब पचमढ़ी की तरह नया 'चिंतन-शिविर' करने वाली है। उसे अब चिंतन शिविर नहीं, चिंता शिविर करने की जरुरत है। यदि कांग्रेस का ब्रेक फेल हो गया तो भारतीय लोकतंत्र की गाड़ी कहां जाकर टकराएगी, कुछ नहीं कहा जा सकता।

होली की सच्ची समझ - आनंदश्री

विकार और झूठी मान्यताओ से मुक्ति त्योहार

होली डे (दिवस) आ रहा है। यह हर साल आता है। समय समय पर झूठी मान्यता झूठे विकार का जन्म हमारे अंदर होता है। होलिका दहन में वह सब राख ही जाता है और बचता है तो सत्य। सच्चे हीरे की तरह वह तपकर और निखरता है।

एक कविता कहती है -

झुक झुक कर खड़ा हुआ हूँ मैं
अब झुकने का खौफ़ नही
अपने हाथों रचा स्वयं तुमसे मिटने का के खौफ़ नही
तुम हालातों की भट्टी में जब जब मुझको झोंकोगे
तब तप कर हीरा बनूँगा में, तुम मुझको कब तक रोकोगे..

भक्त प्रह्लाद के साथ ऐसा ही हुआ। उसे रोका गया। विकारो के बीच सत्य पनप रहा था। उसकी बुआ होलिका ने उसे साथ मे लेकर अग्नि में बैठी। होलिका झूठ, गलत मान्यता, विकार का प्रतीक थी। प्रह्लाद सत्य का। अग्नि में होलिका के अहंकार ने उसे जला दिया और उसी वक्त प्रहलाद तप कर और निखर गया। होली (पवित्र) डे यह प्रतीक है अपने झूठे मान्यता, विकार और नकारात्मक सोच को विसर्जित करने का। स्वयम को सत्य के साथ जोड़ कर नया बनाने का। सत्य को जाने, समझे और जिये। सत्य को ही हमेशा अग्नि परीक्षा देनी होती है। होलिका दहन पर अपने विकार को नष्ट करे। समय समय पर सफाई जरूरी है। विचारो को नए रंग,नए उमंग के लिए साफ करें। नए रंग के लिए तैयार रहें..

कांशी राम की मेहनत पर पानी फेरती मायावती

निर्मल रानी

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पिछले दिनों संपन्न हुए चुनावों में जहाँ भारतीय पार्टी अपनी सीटों में 2017 की तुलना में 57 सीटें कम आने के बावजूद सत्ता में वापस आ गयी वहीँ समाजवादी पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते व अपने मत प्रतिशत में भी इज़ाफ़ा करते हुये 2017 के मुक़ाबले लगभग 64 सीटें अधिक हासिल कर कुल 111 सीटों पर विजयी होने के बावजूद सत्ता के जादुई आंकड़े से काफ़ी दूर रही। परन्तु इन चुनावों में सबसे अधिक नुक़सान बहुजन समाज पार्टी को उठाना पड़ा जिसे 2017 के मुक़ाबले 18 सीटें और गंवाकर राज्य की मात्र एक सीट पर ही जीत हासिल हुई। और उस एकमात्र विजयी प्रत्याशी उमाशंकर सिंह के विषय में भी यही बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने निजी जनाधार व लोकप्रियता के चलते यह जीत हासिल की है न की मायावती के समर्थन अथवा बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी के नाते। उत्तर प्रदेश में बलिया ज़िले के अंतर्गत रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से विजयी बसपा से निर्वाचित एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह इससे पूर्व भी 2012 व 2017 में यहाँ से विधायक रह चुके हैं। क्षेत्र में समाजसेवी के साथ साथ उनकी रोबिन हुड जैसी छवि बनी हुई है। यही उनकी जीत का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

सवाल यह है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्य मंत्री रहने वाली मायावती के नेतृत्व में ऐसी क्या कमी रह गयी कि जो मायावती अपनी पार्टी के जनाधार की बदौलत देश के प्रधानमंत्री बनने तक के सपने संजोने लगी थीं आज उनकी वही बसपा मृत प्राय सा राजनैतिक दल क्यों प्रतीत होने लगा है ?ग़ौर तलब है कि 1984 में कांशीराम ने देश में 85 प्रतिशत बहुजनों के मतों के बल पर 15 प्रतिशत सवर्णों द्वारा देश पर राज करने जैसी फ़िलॉसफ़ी को सामने रखकर बसपा का जनाधार पूरे देश विशेषकर उत्तर प्रदेश में बढ़ाया था। और 85 बनाम 15 प्रतिशत के इसी फ़ार्मूले ने उनकी पार्टी को आसमान पर पहुंचा दिया था। कांशीराम जीवन भर अपनी इसी सामाजिक गणित के प्रति कटिबद्ध रहे और सत्ता के लिये उन्होंने अपने इस सामाजिक अंकगणित की कभी बलि नहीं चढ़ाई। कांशी राम ने 2001 में सार्वजनिक तौर पर घोषणा कर कुमारी मायावती को अपना उत्तराधिकारी तो ज़रूर बनाया परन्तु 2006 में कांशी राम के देहांत के बाद मायावती ने न केवल बसपा संगठन पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लिया बल्कि मात्र सत्ता के लिये मनमाने तरीक़े से कई बार पार्टी की नीतियों व सिद्धांतों से भी समझौता किया। यहाँ तक कि वे कई बार अपने मुख्य नारों को यू टर्न देते हुये अपनी पार्टी की मूल विचारधारा से समझौता करती भी नज़र आईं।

बहुजन समाज के साथ साथ मायावती ने सर्वजन समाज की बात भी करनी शुरू कर दी। दलित समाज के मतों पर अपना एकाधिकार समझने के बाद मायावती ने ब्राह्मण सम्मेलन करने शुरू कर दिये। भरी सभा में वह जिसे गलियां देते व अपमानित करते फिरती थीं उसी समाज को आकर्षित करने के

लिये उन्होंने पार्टी व कांशी राम के सिद्धांतों की बलि चढ़ा दी। और इसी भ्रमित करने वाली राजनीति का नतीजा यह निकला कि ताज़ातरीन विधानसभा चुनावों में मायावती की हालत % न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम-न इधर के हुए न उधर के हुए % जैसी हो गयी। न ही उन्हें 85 प्रतिशत समाज वाले पारंपरिक वोट मिले न ही 15 प्रतिशत समाज के वह मत हासिल हुए जो पहले भी कभी नहीं मिला करते थे।परन्तु मायावती ने अपनी इस ऐतिहासिक हार का ठीकरा दलितों या ब्राह्मणों पर नहीं बल्कि मुसलमानों के सिर पर फोड़ा।जबकि मायावती ने मुस्लिम मतों के लिये ब्राह्मण सम्मेलनों की तरह न तो कोई मुस्लिम सम्मलेन आयोजित किये न ही वे कभी मुसलमानों के दुःख दर्द की साथी बनती दिखाई दीं। इसके बावजूद उनका गुस्सा राज्य के मुस्लिम मतदाताओं पर फूटना उनकी राजनैतिक अदूरदर्शिता के साथ साथ किसी प्रायोजित व नियोजित साज़िश का भी षड्यंत्र नज़र आता है।

वैसे भी मायावती की तानाशाही व अहंकारपूर्ण कार्यशैली ने भी पार्टी को भारी नुक़सान पहुँचाया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भले ही स्वप्रशंसा करने, अपनी पीठ थपथपाने तथा स्वयं को महामानव प्रदर्शित करने वाले नेता के रूप में जाना जाता हो परन्तु मायावती भी मोदी से किसी क़ीमत पर कम नहीं हैं। वे लिखित वक्तव्य भी इसी लिये पढ़ती हैं ताकि उनके मुंह से अनाप शनाप न निकल जाये। याद कीजिये जब मायावती ने स्वयं को दलितों की ज़िंदा देवी होने का दावा करते हुये अपने समर्थकों से उनपर ही चढ़ावा चढ़ाने का आह्वान किया था। उत्तर प्रदेश के अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल में मायावती ने गौतम बुद्ध, रविदास, नारायण गुरु, ज्योतिराव फुले, साहूजी महाराज, पेरियार रामासामी, भीमराव अम्बेडकर, बसपा संस्थापक कांशीराम के अतिरिक्त स्वयं की भी अनेक मूर्तियों का निर्माण कराया। उनका अपने जीवन काल में ही मूर्तियां स्थापित करने जैसा नया चलन काफ़ी विवादित भी हुआ था। मायावती ने अपनी पार्टी के चुनाव निशान हाथी की भी नोएडा से लेकर लखनऊ तक अनेक विशाल मूर्तियां बनवा डालीं। मायावती जब भी सार्वजनिक रूप से %प्रकट % होती हैं तो हमेशा एक बड़े सोहफ़े पर अकेले ही बैठी नज़र आती हैं। कोई नेता उनके साथ या बराबर बैठने का साहस नहीं कर सकता। इस तरह का अहंकारपूर्ण प्रदर्शन तो कभी इंदिरा गाँधी जैसी विश्व की महान नेता ने नभी हीं किया। गत दिनों जब मायावती अपनी पार्टी की ऐतिहासिक हार के बाद मीडिया के समक्ष आईं और मुसलमानों को कोसने लगीं उसके बाद चूँकि वे व उनकी पार्टी विवादों में घिर गयी थी और उनके पास इस मुस्लिम विरोधी वक्तव्य देने का कोई स्पष्टीकरण नहीं था इसीलिये उन्होंने अपने पार्टी प्रवक्ताओं को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने या टी वी डिवेट में जाने से मना कर दिया। इस बार के चुनाव में भी उनकी भूमिका भारतीय जनता पार्टी को लाभ पहुँचाने वाली ही रही। चुनावी विश्लेषकों के अनुसार गत दिनों उत्तर प्रदेश में संपन्न हुये चुनावों में मायावती की बसपा तथा असदुद्दीन ओवैसी की ए आई एम आई एम, इन दोनों ही दलों ने सत्ता विरोधी मतों को विभाजित कर भाजपा की ही मदद की है।और शायद मायावती की इसी भ्रमपूर्ण राजनीति के चलते अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि यह बसपा का पतन काल है। और यदि यह सच है सवाल यह है कि क्या मायावती की राजनैतिक कार्यशैली व उनके फ़ैसले कांशीराम की मेहनत पर पानी फेर देंगे ?

इस्तीफों का दौर !

शुरू हो गया फिर से ।
इस्तीफों का दौर ।।
बात ये दिलचस्प और ।
करने वाली गौर ।।
मची अफरातफरी ।
हम ही जिम्मेदार ।।
मेरे चलते पार्टी ।
आज फंसी मझधार ।।
कार्यक्रम है बन रहा ।
हो रहा विचार ।।
छोड़ रहे हैं पद को ।
ना हो तिरस्कार ।।
रहे इमानदार हैं ।
रखना ज़रा भरोसा ।।
मिला जो आदेश ।
वही तो परोसा ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

देवरिया में भाजपा विधायक के वायरल वीडियो मामले में चार गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया सदर से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी का भलुअनी थाना प्रभारी को आरोपी को गिरफ्तार न करने पर फटकार लगने का वीडियो वायरल होने के मामले में पुलिस ने चार लोगों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बरौली निवासी भाजपा कार्यकर्ता रोशन गोंड को उसके मोबाइल फोन पर फरवरी में महेश यादव नामक व्यक्ति ने जानमाल की धमकी दी थी। इस मामले में भलुअनी पुलिस ने 23 फरवरी को एनसीआर की कार्रवाई की थी तथा आरोपी के खिलाफ गुण्डा एक्ट की कार्रवाई की थी। इस मामले में मंगलवार शाम जावेद अंसारी, दिनेश यादव, जमी अहमद और जमाल को शांतिभंग की आशंका में धारा 151 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से बिफरे सदर विधायक मणि का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसमें भाजपा विधायक ने थानाध्यक्ष को फोन कर आरोपित को गिरफ्तार करने की बात कहते हुए फटकार लगाई थी। कानून के जानकार बताते हैं कि एनसीआर की कार्रवाई में पुलिस सीधे आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकती है। एनसीआर के मामले में पुलिस मामले की जांच करने के बाद आरोप पत्र सम्बंधित न्यायालय में भेजती है और न्यायालय उस आरोप पत्र के आधार पर आरोपी को पहले सम्मन उसके बाद बी डब्लू और आरोपी को न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर एनवीडब्लू के तहत वारंट जारी कर आरोपी को गिरफ्तार कराती है।

फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में अक्षय प्रताप को होगी 22 मार्च को सजा

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के एक मामले में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपालजी को दोषी करार दिया है और सजा के लिये 22 मार्च की तारीख नियत की है। जिले में एमपी,एमएलए की कोर्ट के न्यायाधीश बलराम दास जायसवाल ने फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल को दोष सिद्ध पाया है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अक्षय प्रताप सिंह कोर्ट में मौजूद नही थे उनकी हाजिरी माफी के लिये प्रार्थना पत्र दिया गया था। अब कोर्ट ने सजा सुनाने के लिये 22 मार्च की तारीख तय की है। गौरतलब है छह सितंबर 1997 को अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ नगर कोतवाली में एसआई डी पी शुक्ला ने एक एफआईआर दर्ज करायी थी। इस मामले में एसआई अशर्फी लाल ने रिपोर्ट दी थी और एसआई दूध नाथ ने संस्तुति की थी। एफआईआर में कहा गया था कि प्रतापगढ़ जिले के बेंती व अमेठी जिले के जामो के निवासी अक्षय प्रताप सिंह ने प्रताप गढ़ शहर में रोडवेज बस अड्डे के पते पर शस्त्र लाइसेंस लिया है। प्रतापगढ़ जिले से निर्वाचित एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह ने मौजूदा एमएलसी के चुनाव में अपना नामांकन किया है।

गोरखपुर में योगी की अगुवाई में इस बार खास होगा होली का जुलूस

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के दूसरे संस्करण की औपचारिक शुरूआत करने से पहले कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर साल की तरह अपने गृहनगर गोरखपुर में रंगों के त्योहार को पूरे विधि विधान से मनायेंगे। योगी तीन दिवसीय दौरे में बुधवार देर शाम गोरखपुर पहुंचेंगे और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ स्थानीय पदाधिकारियों और करीबी लोगों से मेल मुलाकात करेंगे। वह गुरूवार यानी 17 मार्च को होलिका दहन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 19 मार्च को होली के पर्व पर निकलवे वाले पारम्परिक जूलूस का नेतृत्व करेंगे। होली जूलूस 19 मार्च को स्थानीय घंटाघर से सुबह साढ़े आठ बजे प्रस्थान करेगा जो शहर के विभिन्न इलाकों से होते हुए लगभग आठ घंटे की यात्रा तय करने के बाद शिवावतारी बाबा गोरखनाथ के मंदिर पर समाप्त होगा। गोरखपुर में इस बार होली विशेष है इसलिए प्रशासन ने भी विशेष तैयारी कर रखी है। इस मौके पर व्यवस्था में लगे जिम्मेदार अधिकारियों के अवकाश भी रद्द कर दिये गये है। नगर निगम और बिजली विभाग ने रूट के मार्गों पर लटकते हुए तारों एवं टूटी फूटी सडकों के मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि होली के बाद योगी सरकार के दूसरे संस्करण का शपथ ग्रहण समारोह लखनऊ में भव्य तरीके से मनाये जाने की योजना है जिसकी तारीख का ऐलान जल्द ही किये जाने की संभावना है।

यूपी के सरकारी दफ्तरों में होली की दो दिन की छुट्टी

लखनऊ। रंगो के त्योहार होली के मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दो दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सामान्य प्रशासन अनुभाग के प्रमुख सचिव जितेन्द्र कुमार ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि 18 और 19 मार्च को सरकारी दफ्तरों में होली का अवकाश रहेगा। प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक अवकाश की सूची में 18 मार्च को होली का अवकाश घोषित किया था। चूंकि प्रदेश में इस साल होली का त्योहार 18 और 19 मार्च को मनाया जाना है, इसलिये सरकारी कार्यालयों में दो दिन होली की छुट्टी रहेगी। शुक्रवार और शनिवार को होली का अवकाश घोषित होने के बाद अब राज्य में स्कूल,दफ्तर और बैंक तीन दिन बंद रहेंगे और सोमवार यानी 21 मार्च को बैंक और राज्य सरकार के दफ्तरों के ताले खुलेंगे।

डायग्नोस्टिक सेन्टर ने फर्जी रिपोर्ट देकर मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़

गाजीपुर। स्वास्थ्य सम्बन्धित उलझनों को लेकर परेशान मरीज की परेशानियां उस समय और बढ़ जाती है जब मात्र कुछ पैसों की लालच में पैथोलॉजिकल जांच केन्द्र गलत रिपोर्ट देकर मरीज और उसके परिजनों की जांच सांसत में डाल देते हैं। ऐसा ही एक मामला शहर के आर.पी. डायग्नोस्टिक सेंटर से देखने को मिला। युवती की किडनी में पथरी की रिपोर्ट देकर आर पी. डायग्नोस्टिक सेंटर ने मरीज के परिजनों को दहशत में डाल दिया। इतना ही नहीं बल्कि उन्होंने स्टोन (पथरी) की साइज 4.4 एमएम बताते हुए तत्काल आपरेशन कराने की मुफ्त सलाह भी दे दी। परेशान परिवार ने जब इसकी जानकारी अपने परिचितों से की तो उन्होंने किसी और सेन्टर पर जांच कराने की बात कही। यह घटना जिले के मिरदादपुर की पूजा यादव पत्नी राजकुमार यादव के साथ घटी थी। राजकुमार ने अपनी पत्नी का विशेश्वरगंज स्थित आरपी डायग्नोस्टिक सेंटर पर अल्ट्रासाउंड कराया तो रिपोर्ट में किडनी में पथरी होने की बात कही गयी। अल्ट्रा साउंड करने वाले ने राजकुमार यादव को तत्काल आपरेशन कराने की भी सलाह दे दी। यह जानकर परिवार वालों की नींद उड़ गई। आपसी सलाह मशविरे के बाद परिवार वाले पूजा को लेकर दूसरे डायग्नोस्टिक सेंटर पर पहुंचे और वहां जांच करायी तो वहा की रिपोर्ट में पथरी नहीं निकली। इससे एक ही मरीज की दो रिपोर्ट आने से परिवार वाले हैरत में पड़ गये। परिवार से छनकर यह मामला मीडिया तक जा पहुंचा। मीडिया ने आर पी. डायग्नोस्टिक सेंटर की पड़ताल की। सूत्रों द्वारा पता चला कि अल्ट्रासाउंड कर रिपोर्ट तैयार करने वाले डिग्री धारक अशोक कुमार एमबीबीएस हैं, जबकि अंदर अल्ट्रासाउंड वहीं का कर्मचारी कमलेश यादव कर रहा है जो इसके लिए योग्य ही नहीं है। मजे की बात यह है कि जब सेंटर मैनेजमेंट को यह बात मीडिया में पहुंचने की जानकारी मिली तो उन्होंने फर्जी दी गयी रिपोर्ट के मामले को दबाना चाहा। जब मीडिया द्वारा मैनेजमेंट को बोला गया कि आप अपने रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अशोक कुमार से मिलवा दीजिए तो मैनेजमेंट बगलें झांकने लगा और मीडिया की टीम को रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अशोक कुमार से नहीं मिलने दिया। वहां से खबर मिली कि इस सेंटर पर रेडियोलॉजिस्ट डॉ अशोक कुमार के जगह वहीं का कर्मचारी कमलेश यादव ही रेडियोलॉजिस्ट अल्ट्रासाउंड कर रहा है। मीडिया टीम को शायद इसीलिए रेडियोलॉजिस्ट से नहीं मिल पाया गया। इसकी शिकायत के लिए जब मीडिया द्वारा सीएमओ को फोन मिलाया गया तो उनका फोन नहीं उठा। लोगों का कहना है कि चंद पैसों के लिए डायग्नोस्टिक सेंटर वाले फर्जी रिपोर्ट देकर मरीजों के जिंदगी के साथ खिलवाड़ ही नहीं करते बल्कि उस डॉक्टर का जेब भरते हैं जो मरीज को उनके यहां जांच के लिए भेंजता है। फर्जी रिपोर्ट देनेवाले ऐसे डायग्नोस्टिक सेन्टर पर जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई के जाने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में यह लोग फर्जी रिपोर्ट देकर मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न कर सकें।

‘4टी’ नीति के जरिये पाया कोरोना पर काबू : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कोरोना के खिलाफ ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और टीकाकरण यानी ‘4टी’ नीति के ईमानदारी से क्रियान्वयन की बदौलत राज्य में कोविड पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सका है।

कोरोना से बचाव के लिए 12-14 आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के मौके पर श्री योगी ने लखनऊ के सिविल हॉस्पिटल पहुंचकर टीका लगवाने आए बच्चों से भेंट की और उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के खिलाफ भारत पूरी मजबूती से लड़ रहा है। दुनिया ने भारत के कोविड प्रबंधन की न केवल मुक्त कंठ से प्रशंसा की है बल्कि अपनाया भी है।

उन्होने कहा कि प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 1000 से भी कम रह गई है। टेस्ट, ट्रेस, और टीका में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। तीसरी लहर कब शुरू हुई और कब समाप्त हो गई, पता ही न चला और अब जबकि विशेषज्ञ चौथी लहर की आशंका जता रहे हैं, तब भी प्रदेश पूरी मजबूती के साथ लड़ाई के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 29 करोड़ 54 लाख वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। 103 फीसदी से अधिक वयस्क लोगों ने पहली खुराक प्राप्त कर ली है, जबकि 82 प्रतिशत लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है। इसी प्रकार, प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र फ्रंट लाइन वर्कर, पुलिसकर्मी, गंभीर रोग से ग्रस्त लोगों में से 97 फीसद लोगों को टीका लग चुका है। जबकि 15-17 आयु वर्ग में एक करोड़ 29 लाख 22 हजार से अधिक यानी 92 प्रतिशत किशोरों ने टीके की पहली खुराक ले ली है और 65 लाख 50 हजार यानी 47 फीसदी किशोर टीके की डबल डोज के सुरक्षा कवर में हैं। उन्होने कहा कि 12-14 आयु वर्ग के लगभग 84 लाख 64 हजार बच्चों का टीकाकरण होना है, जिसके लिए पर्याप्त वैक्सीन उपलब्ध है। ‘सबको टीका-मुफ्त टीका’ का संकल्प पूरा होगा।

पिकअप को तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, पिता-बेटी की मौत, 21 लोग घायल

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बुधवार को दो वाहनों की टक्कर में एक व्यक्ति और उसकी नाबालिग बेटी की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य लोग घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार पंजाब के होशियारपुर जिले से संभल के भुलावाई और बदायूं के हुसैनपुर गांव के 25 मजदूर पिकअप गाड़ी में सवार होकर होली मनाने के लिए अपने घर लौट रहे थे।

प्रयागराज : राशन वितरण को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि मृतक आश्रित सेवा नियमावली राशन वितरण के मामले में लागू नहीं होगी। कोर्ट ने आवश्यक वस्तु अधिनियम में अविवाहित पुत्री को परिवार में शामिल करने को संवैधानिक करार देते हुए कहा कि यह मनमानापूर्ण एवं विवाहित पुत्री से विभेदकारी नहीं है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी एवं न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने कुसुमलता की विशेष अपील को खारिज करते हुए दिया है। खंडपीठ ने अविवाहित पुत्री को परिवार में शामिल करने को वैध करार देने के एकल पीठ के फैसले को सही माना और मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। खंडपीठ ने कहा कि कंट्रोल आर्डर 2016 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकार लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को राशन वितरित कराती है। सस्ते गल्ले के दुकानदार सरकार के एजेंट होते हैं। स्थानीय निवासी को ही एजेंट रखा जाता है।

याची विवाहित पुत्री है और दूसरे गांव की रहने वाली है इसलिए वह मृतक आश्रित कोटे में राशन की दुकान का लाइसेंस पाने के योग्य नहीं है।

पूर्व सांसद धनंजय का प्रार्थना पत्र कोर्ट ने किया निरस्त

जौनपुर। अपहरण, रंगदारी तथा धमकी देने के आरोपी पूर्व सांसद धनंजय सिंह व उनके सहयोगी संतोष विक्रम का माफीनामा अपर सत्र न्यायाधीश छह एमपी एमएलए कोर्ट शरद त्रिपाठी ने निरस्त कर दिया। दोनों के खिलाफ आरोप बनाने के लिए कोर्ट ने दो अप्रैल तिथि नियत की है। शासकीय अधिवक्ता अरुण पांडेय व सतीश रघुवंशी ने आरोप माफी प्रार्थना पत्र का विरोध किया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुजफ्फरनगर निवासी व नमामि गंगे के प्रोजेक्ट अभिनव सिघंल ने 10 मई को लाइन बाजार थाने में अपहरण रंगदारी व अन्य धाराओं में धनंजय व

उनके साथी विक्रम पर प्राथमिकी दर्ज कराया था। आरोप था कि संतोष विक्रम दो साथियों के साथ वादी का अपहरण कर पूर्व सांसद के आवास पर ले गए वहां धनंजय सिंह पिस्टल लेकर आए और गालियां देते हुए वादी को कम गुणवत्ता वाली सामग्री की आपूर्ति करने के लिए दबाव बनाया। इन्कार करने पर धमकी देते हुए रंगदारी मांगा। एफआइआर दर्ज हुई। पूर्व सांसद गिरफ्तार हुए। बाद में जमानत हुई।

पिछली तारीख पर धनंजय व संतोष विक्रम ने प्रार्थना पत्र दिया कि वादी पर दबाव डालकर एफआइआर दर्ज कराई गई। पुलिस ने विवेचना कर क्लीन चिट भी दिया। बाद में क्षेत्राधिकारी ने पुनः विवेचना का आदेश पारित किया और उच्च अधिकारियों के दबाव में बिना किसी पक्ष के आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। वादी ने पुलिस को दिए गए बयान तथा धारा 164 के बयान में घटना का समर्थन नहीं किया। आरोपितों ने साक्ष्य के अभाव में खुद को आरोप माफी किए जाने की कोर्ट से मांग की। शासकीय अधिवक्ता अरुण पांडेय व सतीश रघुवंशी ने लिखित आपत्ति दाखिल किया कि वादी की लिखित तहरीर पर एफ आई आर दर्ज हुई। सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर,वाट्सएप मैसेज,गवाहों के बयान व अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर आरोपियों के खिलाफ अपहरण रंगदारी व अन्य धाराओं का अपराध साबित हैं। आरोपितों ने कई बार वादी को फोन किया। अज्ञात लोगों द्वारा दबाव डलवा कर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया गया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आरोपितों का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर झांसी प्रशासन उतरा सड़क पर

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी में आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करने बुधवार को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी सड़क पर उतरे।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवहरि मीणा द्वारा क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी निरीक्षक थाना नवाबाद, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली मय पुलिस बल, जोनल रिजर्व पुलिस बल व पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस बल, क्यूआरटी के साथ फ्लैग मार्च किया गया। अधिकारियों ने आगामी रंगों के

त्योहार होली और शब-ए-बारात के लिए लोगों को बधाई दी साथ ही सभी से त्योहार हर्षोल्लास लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान आम लोगों से बातचीत भी गयी । जिले में घनी आबादी वाले तथा संवेदनशील क्षेत्रों की ड्रोन कैमरे से लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस द्वारा अभियान चलाकर सार्वजनिक तथा खुले में शराब पीने वाले व्यक्तियों की ‘ब्रीथ एनालाइजर’ से जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय पुलिस व यातायात निरीक्षक द्वारा हाइवे, प्रमुख तिराहों, अंतर्प्रांतीय एवं अंतर्जनपदीय बॉर्डर्स पर बैरियर लगाकर तथा ब्रीथ ‘एनालाइज़र’ के माध्यम से तीन सवारी वाहन तथा बाइक से स्टंट करने वाले नवयुवकों की निगरानी की जा रही है तथा दोषी मिलने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।

चेकिंग के दौरान नाबालिग लड़के या लड़कियों द्वारा बाइक चलाते हुए मिलने पर उनके अभिभावकों को तलब कर उन्हें सुपुर्द करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान पुलिस के अधिकारी अभिभावकों को नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं देने के बारे में समझाने का भी काम कर रहे हैं।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण 30 फीसदी पूरा

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण तीस फीसदी तक पूरा हो चुका है। इसके साथ ही तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं के लिये बेहद खास इंतजाम किये जा रहे हैं।

सर्किट हाउस में सम्पन्न हुए राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के बाद श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय ने बुधवार को बताया कि राम का मंदिर निर्माण तीस फीसदी तक पूरा हो चुका है, इसके साथ ही यहां तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिये बेहद खास इंतजाम किये जा रहे हैं। उन्होने बताया कि ट्रस्ट दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत राम मंदिर परिसर में अगर दो लाख श्रद्धालु भी एक साथ दर्शन के लिये पहुंचते हैं तो उनको किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। परिसर में 50 हजार श्रद्धालुओं को सामान रखने की सुविधा दी जायेगी, जिससे श्रद्धालुओं का सामान को वहां पर रखकर रामलला का दर्शन पूजन

कर सकें। राम मंदिर परिसर में अग्निशमन वाहन खड़े होने की सुविधा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री राय ने बताया कि परिसर में आग लगने की दशा में अग्निशमन दस्ता कैसे पहुंचेगा, इस पर भी विचार किया जा रहा है। राम मंदिर परिसर में टायलेट व प्रशासन की भी सुविधा पर विशेष ध्यान दिया गया है। यही नहीं जो श्रद्धालु रामलला के दर्शन को पहुंचेंगे, उनके आराम की सुविधा का भी ध्यान रखा जा रहा है। इस मौके पर राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन निपेन्द्र मिश्र समेत श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य एवं टाटा कंसल्टेंसी व एलएनटी के एक्सपर्ट भी मौजूद रहे।

विधायक ने लगाई थी दारोगा को फटकार, वीडियो वायरल होने के बाद चार गिरफ्तार

एजेंसी

देवरिया। यूपी के देवरिया सदर से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी का भलुअनी थाना प्रभारी को आरोपी को गिरफ्तार न करने पर फटकार लगने का वीडियो वायरल होने के मामले में पुलिस ने चार लोगों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बरौली निवासी भाजपा कार्यकर्ता रोशन गोंड को उसके मोबाइल फोन पर फरवरी में महेश यादव नामक व्यक्ति ने जानमाल की धमकी दी थी।

इस मामले में भलुअनी पुलिस ने 23 फरवरी को एनसीआर की कार्रवाई की थी तथा आरोपी के खिलाफ गुण्डा एक्ट की कार्रवाई की थी।

इस मामले में मंगलवार शाम जावेद अंसारी, दिनेश यादव, जमी अहमद और जमाल को शांतिभंग की आशंका में धारा 151 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से बिफरे सदर विधायक मणि का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था जिसमें भाजपा विधायक ने थानाध्यक्ष को फोन कर आरोपित को गिरफ्तार करने की बात कहते हुए फटकार लगाई थी।

कानून के जानकार बताते हैं कि एनसीआर की कार्रवाई में पुलिस सीधे आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकती है।

ऊर्जा निगमों के ईआरपी में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की मांग

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के अध्यक्ष वीपी सिंह ने ऊर्जा निगमों के प्रबंधन पर इंटरप्राइजेस रिर्सोस प्लानिंग (ईआरपी) में अरबों रूपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुये मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग मुख्यमंत्री से की है।

उप्र ऊर्जा निगमों के अभियन्ताओं एवं जूनियर इंजीनियरों ने इस संवेदनशील मामले को लेकर मंगलवार से प्रदेश स्तर पर अपना आंदोलन भी शुरू कर दिया है।

अभियंता संघ ने चेतावनी दी है कि अरबों रूपये के भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए यदि लोकतांत्रिक आन्दोलन का दमन किया गया तो परिणाम गम्भीर होंगे।

श्री सिंह ने बुधवार को यहां पत्रकारो से बातचीत में कहा कि यूपी पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने 29 दिसम्बर 2018 को एसेन्चर सोल्यूशन प्रा लिमिटेड को 244.49 करोड़ रूपये, उप्र राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि द्वारा 21 सितम्बर 2019 को लार्सन एवं एलएण्डटी इन्फोटेक लि को 122 करोड़ रूपये, एक जनवरी 2021 को ओडिसी कम्प्यूटर्स को 38.49 करोड़ रूपये एवं उप्र पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि द्वारा 04 दिसम्बर .2020 को एसेन्चर सोल्यूशन प्रा लि को 52.98 करोड़ रूपये का आदेश देकर भुगतान देना शुरू कर दिया गया है।

इसे जोड़ने पर कुल धनराशि 457.97 करोड़ रूपये होती है जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी जोड़ने पर कुल खर्च 511.52 करोड़ रूपये बनता है, जबकि ऊर्जा निगमों के प्रबन्धन ने मात्र 244 करोड़ रूपये का ही हवाला दिया है जो कि पूरी तरह असत्य है क्योंकि उक्त सभी आदेशों की प्रतिलिपि संगठनों के पास है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक आदेशों में लगभग 511.52 करोड़ रूपये ईआरपी लागू करने के आदेश दिए गए है, यही नहीं ईआरपी की पूरी प्रणाली लागू होने तक खर्च लगभग 700 करोड़ रूपये तक पहुंच जायेगा। सिंह ने कहा कि किस स्तर का घालमेल किया गया है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि देश के अधिक कर्मचारी एवं सबसे अधिक विद्युत उपभोक्ता वाले प्रदेश महाराष्ट्र में विद्युत वितरण कम्पनी ने मात्र 25 करोड़ रूपये में ईआरपी प्रणाली के कार्य का आदेश दिया है। उसकी तुलना में यूपी में 20 गुना से अधिक की धनराशि खर्च की गयी जो कि सरासर भ्रष्टाचार है।

सिंह ने कहा कि अपनी सफाई में प्रबंधन ने जो प्रेस नोट जारी किया है वह मात्र झूठ का पुलिन्दा है। उनका कहना था कि यदि एस्मा लगाकर पुलिस की मदद से आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गई तो संगठन जेल भरो आंदोलन चलाने को मजबूर होगा।

उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेन्स नीति की खुलेआम धज्जियां उड़ाने वाले अरबों रूपये के इस घोटाले की सीबीआई से उच्च स्तरीय जांच कराकर घोटाले के दोषी शीर्ष प्रबन्धन पर कठोर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

प्रेमी के साथ मिलकर महिला ने की पति की हत्या, फिर अंधेरा होते ही खेत में फेंका शव

अमेठी। अमेठी जिले के थाना क्षेत्र के पूरे फह्लू पांडेय मजरे महोना पूरब निवासी युवक का शव बीते मंगलवार की रात खेत में पाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में मृतक के भाई ने अपनी भाभी पर किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ मिलकर हत्याकांड को अंजाम देने का आरोप लगाया है। घटना की रिपोर्ट दर्जकर पुलिस मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पूरे फह्लू निवासी 42 वर्षीय राकेश पांडेय पुत्र रामप्रकाश का शव मंगलवार की रात लगभग दस बजे गांव के बाहर सरसों के खेत में पाया गया। मृतक के सिर और गले पर धारदार हथियार से किए गए हमले के निशान थे। घटना की सूचना मृतक के भाई अजय पांडेय ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर मृतक की पत्नी सावित्री पर किसी व्यक्ति के साथ मिलकर राकेश की हत्या कर शव को खेत में फेंकने का आरोप लगाया।

इस्तेमाल हो चुके खाद्य तेल के निस्तारण पर आयुक्त से अदालत ने मांगा जवाब

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक बार प्रयोग में लाये जा चुके खाद्य तेल को एकत्र कर उसके निस्तारण की प्रक्रिया निर्धारित करने के मामले में उत्तर प्रदेश के आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन से जवाब तलब किया है।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव की पीठ ने प्रयोग में लाये जा चुके कुकिंग ऑयल की निस्तारण प्रक्रिया की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान मंगलवार को प्रदेश के खाद्य सुरक्षा आयुक्त से इस मामले में निजी हलफनामा पेश करने को कहा है। याचिकाकर्ता ने अदालत से प्रयोग किये जा चुके कुकिंग ऑयल को एकत्र कर इसके इस्तेमाल की मानकीकृत प्रक्रिया के निर्धारण एवं पालन के लिये राज्य स्तरीय समिति का गठन की मांग की है।

गौरतलब है कि खाद्य तेलों को एक बार इस्तेमाल किये जाने के बाद इनकी रासायनिक बनावट में इस प्रकार का बदलाव हो जाता है, जिसेसे इसमें कैंसर का कारक बनने वाले तत्व शामिल हो जाते हैं। इसलिये एक बार इस्तेमाल हो चुके खाद्य तेलों का दोबारा प्रयोग नहीं करने की हिदायद दी जाती है।

अदालत ने कहा कि इस याचिका में जनस्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषय को उठाया गया है, लिहाजा अदालत ने राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त को एक बार इस्तेमाल हो चुके खाद्य तेलों के उचित निस्तारण के मानक एवं प्रक्रिया बताने को कहा है। गौरतलब है कि एक बार इस्तेमाल हो चुके खाद्य तेलों के पुनर्प्रयोग का सर्वाधिक खतरा होटल, रेस्तरां एवं खाद्य श्रृंखला से जुड़े अन्य स्थानों पर सबसे ज्यादा होता है।

अदालत ने उदगम्य सेवा समिति सोसाइटी द्वारा पेश जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। याचिकाकर्ता पक्ष के वकील अनघ मिश्रा ने अदालत को बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) खाद्य तेलों का एक बार प्रयोग होने के बाद इसके उपयुक्त निस्तारण एवं एकत्रीकरण के बारे में पहले भी कई बार दिशानिर्देश जारी कर चुका है। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वारा प्रयोग में लाये जा चुके कुकिंग ऑयल के निस्तारण एवं एकत्रीकरण हेतु अब तक कोई मानक एवं प्रक्रिया निर्धारित नहीं की गयी है। इस वजह से प्रदेशवासियों की सेहत के लिये लगातार खतरा बढ़ता जा रहा है।

याचिका में बताया गया कि इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष कई बार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया किंतु इस पर अब तक कोई उपयुक्त कार्रवाई नहीं हो पाने के कारण याचिकाकर्ता को अदालत का रुख करना पड़ा। याचिकाकर्ता ने इस्तेमाल किये जा चुके खाद्य तेलों के प्रयोग को दोबारा खाद्य श्रृंखला में शामिल किये जाने से रोकने के लिये राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त को उपयुक्त मानक बनाने का निर्देश देने की अदालत से मांग की है।

पीस कमेटी की बैठक में, फीडबैक जानकारी अधिकारियों ने ली

गाजीपुर । होली एवं शबेबरात का त्यौहार सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए पीस कमेटी की बैठक राइफल क्लब सभागार मे जिलाधिकारी एम0पी0 सिंह की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक के प्रारम्भ में जिलाधिकारी एम0पी0 सिंह ने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों से आये पीस कमेटी के सदस्यों से थानों में आयोजित की गयी पीस कमेटी के बैठक की फीडबैक की जानकारी क्रमवार सभी लोगों से प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी ने सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल जिला प्रशासन को अवगत कराये। समस्त पीस कमेटी के सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्र के अन्तर्गत शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का त्यौहार मनाये जाने की जानकारी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा बैठक के दौरान दी गयी। सभी सदस्यों द्वारा बताया गया कि इस जनपद में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही है फिर भी होली के त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने में हम सभी लोग अपने स्तर से किसी भी समस्या को आने नही देगें जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा इस बात की पुष्टि की गयी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी एम0पी0 सिंह ने उपस्थित समस्त उपजिलाधिकारियों/क्षेत्राधिकारियों ने बैठक में उपस्थित पीस कमेटी के सदस्यों को निर्देश दिया कि होली का त्यौहार शान्तिपूर्ण/सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के लिए अपने स्तर से समस्त तैयारियां पूर्ण रखेंगे। कोई भी समस्या किसी भी दशा में उत्पन्न नही होना चाहिए।

शार्ट न्यूज

सोना चाँदी की चमक पड़ी फीकी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं पर बने दबाव के कारण आज घरेलू स्तर पर भी सोना और चाँदी की चमक फीकी रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.05 प्रतिशत टूटकर 1916.89 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 0.49 प्रतिशत गिरकर 1919 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी हाजिर 0.05 प्रतिशत उतरकर 14.85 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 176 रुपये टूटकर 51398 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 170 रुपये उतरकर 51352 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी 335 रुपये गिरकर 67990 रुपये प्रति किलोग्राम और चाँदी मिनी 289 रुपये गिरकर 68178 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

साउथ एल्म इन्वेस्टमेंट्स द्वारा माइक्रो लाइफ साइंसेज के अधिग्रहण को मंजूरी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने साउथ एल्म इन्वेस्टमेंट्स बी.वी. द्वारा माइक्रो लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी दी है। प्रस्तावित संयोजन साउथ एल्म इन्वेस्टमेंट्स बीवी द्वारा माइक्रो लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में छोटी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण से संबंधित है। एसईआई, नीदरलैंड के कानून के तहत निगमित एक निवेश होल्डिंग कंपनी है। एसईआई के शेयरधारक कुछ निजी इक्विटी फंड हैं, जिन्हें वारबर्ग पिंकस एलएलसी द्वारा प्रबंधित किया जाता है। माइक्रो लाइफ साइंसेज भारत में निगमित एक कंपनी है, जो सहायक कंपनियों के साथ भारत में व्यवसाय करती है।

फ्यूचर जेनरेलाई इंडिया इंश्योरंस में हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की अनुमति

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने जेनरेलाई पार्टिसिपेशंस नीदरलैंड्स एन.वी. को फ्यूचर जेनरेलाई इंडिया इंश्योरंस कंपनी में इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की अनुमति प्रदान कर दी है। जेनरेलाई पार्टिसिपेशंस नीदरलैंड्स एन.वी. अस्सीक्यूरेज़ियोनी जेनरेलाई एसपीए (जेनरेलाई ग्रुप) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह जेनरेलाई ग्रुप की कंपनियों की मालिक कंपनी है। जेनरेलाई ग्रुप वैश्विक बीमा प्रदाता कंपनी है तथा एफजीआईआईसी के जरिये भारत में सामान्य बीमा उद्योग क्षेत्र में काम करती है। फ्यूचर जेनरेलाई इंडिया इंश्योरंस कंपनी सामान्य बीमा कंपनी है तथा भारत में गैर-जीवन बीमा या सामान्य बीमा सेवायें प्रदान करती है। प्रस्तावित समायोजन जीपीएन द्वारा एफजीआईआईसी के शेयरों के अधिग्रहण से सम्बंधित है। जीपीएन इस कंपनी की मौजूदा शेयरधारक है। जीपीएन ने फ्यूचर एंटरप्राइसेस के पास एफजीआईआईसी की इक्विटी शेयर पूंजी का लभग 25 प्रतिशत हिस्सा लेने का प्रस्ताव किया है, जिसके आधार पर एफजीआईआईसी में जीपीएन की कुल (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) हिस्सेदारी 49 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 74 प्रतिशत हो जायेगी।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स के साथ समझौता

नयी दिल्ली। सीमेंट कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने सीमेंट-विनिर्माण कार्यों में बायोमास ऊर्जा के रूप में कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने के लिए के पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (पीआरईएसपीएल) के साथ समझौता किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स भारत की सबसे बड़ी बायोमास एकत्रीकरण और घनीकरण कंपनी है। समझौता के अनुसार, पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स कृषि अपशिष्ट की एक स्थायी आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करेगी, जिसका उपयोग जेएसडब्ल्यू सीमेंट की विनिर्माण इकाइयों में बायोमास ऊर्जा के रूप में किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के लिए पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स के साथ समझौता, न्यूनतम संभव कार्बन फुटप्रिंट के साथ टिकाऊ सीमेंट उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन (जीसीसीए) के सदस्य के रूप में क्लाइमेट एम्बिशन 2050 के तहत जेएसडब्ल्यू सीमेंट 2050 तक कार्बन न्यूट्रल कंक्रीट देने के लिए प्रतिबद्ध है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक एचडीएफसी बैंक ने 21 हजार कर्मियों की भर्ती

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 21,503 स्थायी कर्मचारियों की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक यह संख्या 26,000 को पार करने का अनुमान है। पिछले वित्तीय वर्ष में बैंक ने 12,931 लोगों को जोड़ा था। स्टाफ की वृद्धि, फ्यूचर - रेडी योजना में उल्लिखित बैंक की रणनीति का हिस्सा है, जिसे 2021 में अनावरण किया गया था। योजना के अनुसार, 13,000 से अधिक लोगों को काम पर रखना बैंक के चार व्यापक वितरण चैनलों का परिणाम है। शेष भर्तियां क्रेडिट कार्ड जैसे व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों के साथ ही खुदरा संपत्ति, वाणिज्यिक बैंकिंग (बिजनेस बैंकिंग) और सरकारी तथा संस्थागत व्यवसाय में हुयी है।

रुपया 41 पैसे उछला

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर पर बने दबाव के साथ ही घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में रही 1.85 फीसद की तेजी से विदेशी मुद्रा प्रवाह में बढोतरी होने की उम्मीद तथा अमेरिकी मुद्रा की मांग सुस्त पड़ने के कारण आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 41 पैसे की मजबूती लेकर 76.21 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र में रुपया 76.62 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 22 पैसे की मजबूती लेकर 76.40 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 76.44 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा लेकिन इसके बाद शेयर बाजार में हुयी लिवाली से मिले समर्थन के बल पर यह 76.19 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 41 पैसे की मजबूती लेकर 76.21 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

रेवफिन ने जुटाई 100 करोड़ की पूंजी

नयी दिल्ली। डिजिटल ई-मोबिलिटी उपभोक्ता ऋण प्लेटफॉर्म रेवफिन ने 100 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उसने वित्तीय दायरे से बाहर और वंचित समूहों की जरूरतों को पूरा करने वाला प्लेटफॉर्म है। नॉर्दर्न आर्क, लिक्विलोन्स, ब्रिटिश परोपकारी संस्था शेल फाउंडेशन और अन्य के नेतृत्व में संपन्न हुए इस फंडिंग राउंड से रेवफिन को असम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पंजाब जैसे नए राज्यों में ई-रिक्शा के लिए वित्त मुहैया कराए जाने के व्यवसायों का विस्तार करने में मदद मिलेगी।दिल्ली स्थित कंपनी की योजना उत्तर प्रदेश , बिहार, उत्तराखंड और झारखंड में अपनी मौजूदा बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की है। यह फंड देश में गैर-बैंकिंग और कम सेवा वाले लोगों के बीच ईवी समाधानों को अपनाने में तेजी लाएगा। जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल ई-कॉमर्स डिलीवरी के लिए दोपहिया वाहनों के वित्तपोषण और पट्टे पर देने के मामले में किया जाएगा।

अमेज़न का होली शॉपिंग स्टोर

नयी दिल्ली। होली के मद्देनजर ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन ने अपना होली शॉपिंग स्टोर शुरू किया है जहां हर्बल गुलाल और पिचकारी से लेकर पूजा की आवश्यक चीजें और सुरक्षात्मक गियर तक उपलब्ध कराया गया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ग्राहक अमेजन शॉपिंग ऐप पर अलेक्जा का उपयोग कर होली स्टोर तक पहुंचने के लिए वॉइस नेवीगेशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यूजर्स ऐप पर माइक आइकन को टैप कर सकते हैं और अलेक्सा की मदद से होली शॉपिंग स्टोर पर पहुंच सकते हैं।

होली से पहले गुलजार हुआ बाजार, निवेशकों ने कमाये 4.56 लाख करोड़

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा लिवाली के बल पर आज शेयर बाजार में तूफानी तेजी दर्ज की गयी जिससे सेंसेक्स और निफ्टी में 1.85 प्रतिशत से अधिक की तेजी रही और इससे निवेशकों ने 4.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1039.80 अंकों की बढ़त के साथ 56816.65 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 312.35 अंक उछलकर 16975.35 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 1.80 प्रतिशत बढ़कर 23572.74 अंक पर और स्मॉलकैप 1.47 प्रतिशत चढ़कर 27383.82 अंक पर रहा।

इस तेजी से बीएसई का बाजार पूंजीकरण पिछले दिवस के 25166630.06 करोड़ रुपये की तुलना में 456878.40 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 25623508.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस तरह से निवेशकों ने 4.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

बीएसई में शामिल सभी समूहों में तेजी रही जिसमें रियल्टी में सबसे अधिक 3.66 प्रतिशत और हेल्थकेयर में सबसे कम 0.72 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई में कुल 3534 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2265 हरे निशान में और 1168 लाल निशान में रही जबकि 101 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर लगभग सभी बड़े सूचकांक हरे निशान में रहे जिसमें हांगकांग का हैंगसेंग 9.08 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 3ः48 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 3.26 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.64 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 1.22 प्रतिशत शामिल है।

बीएसई का सेंसेक्स 778 अंकों की बढ़त के साथ 56555.33 अंक पर खुला।

सत्र के दौरान यह 56389.26 अंक के निचले स्तर तक उतरा लेकिन वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों से हुयी लिवाली के बल पर यह 56860.89 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस के 55776.85 अंक की तुलना में 1.86 प्रतिशत अर्थात 1039.80 अंक बढ़कर 56816.65 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा और पावरग्रिड को छोड़कर शेष 28 कंपनियों में तेजी रही।

एनएसई का निफ्टी 213 अंकों की तेजी लेकर 16876.65 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 16987.90 अंक के उच्चतम और 16837.85 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 16663 अंक की तुलना में 312.35 अंक अर्थात 1.87 प्रतिशत चढ़कर 16975.35 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल कंपनियों में से 47 हरे निशान में और तीन लाल निशान में रही।

पेट्रोल, डीजल के दाम 132 वें दिन भी स्थिर

एजेंसी

नयी दिल्ली। रूस यूक्रेन संकट से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार चल रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू स्तर पर आज लगातार 132वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल रूस यूक्रेन संकट के बाद ही शुरू हो गया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत मंगलवार के मुकाबले आज 2.90 प्रतिशत बढ़कर 102.81 डॉलर प्रति बैरल पर थी।

केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच और 10 रुपये घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी।

इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपये सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं।

केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयार्क में ब्रेंट क्रूड में 2.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कीमत 102.81 डॉलर प्रति बैरल पर थी, जबकि अमेरिकी क्रूड 1.94 प्रतिशत बढ़कर 98.31 डॉलर प्रति बैरल पर था।

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	95.41	86.67
कोलकाता	104.67	89.79
मुंबई	109.98	94.14
चेन्नई	101.40	91.43

मारूति सुजुकी ने की सीसीपी की शुरूआत

एजेंसी

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने ग्राहकों की सुविधा के लिएए कस्टमर कॉन्वीनियंस पैकेज(सीसीपी) की शुरूआत करने की घोषणा की है जिसमें ग्राहकों की गाड़ियों के इंजन हाइड्रॉलिक लॉक और फ्यूल अडल्ट्रेशन के कारण होने वाली आकस्मिक खराबी को कवर किया जायेगा। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने यहां यह जानकारी देते हुये कहा हमारा ये लगातार प्रयास रहा है कि ग्राहकों को एक सुविधाजनक और आनंददायक कार केऑनरशिप का अनुभव प्रदान किया जाय। ग्राहकों के बारे में हमारे शोध में पता चला कि आज का ग्राहक अपनी कार के साथ कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता है और वह किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहने में विश्वास रखता है।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं वो अपनी कार की देखभाल के लिए कार के उत्पादक कंपनी से भरोसे और सर्विस में सुविधा की अपेक्षा रखता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये सीसीपी नाम से एक नये उत्पाद की शुरूआती की गयी है जो प्रीमियर वारंटी अवधि के लिए है।

इसका लाभ ग्राहक कंपनी के देश में भरे ऑथराइज्ड वर्कशॉप पर उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें तीन तरह के पैकेज हैं जिसमें सीसीपी हाईड्रो, सीसीपी फ्यूल और सीसीपी प्लस शामिल है।

मूंगफली तेल और सरसों तेल में उबाल,चावल गरम

नयी दिल्ली। रूस - यूक्रेन संकट का तत्काल समाधान होता नहीं दिखने के कारण वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों में तेजी के बीच आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल और सरसों तेल में उबाल रहा। इस दौरान चना दाल में तेजी को छोड़कर शेष सभी दालों में टिकाव देखा गया। चावल में 50 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। गुड़ और चीनी में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 587 रिंगिट उबलकर 7093 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा चार सेंट की तेजी के साथ 74.72 सेंट प्रति पौंड बोला गया

स्थानीय स्तर मूंगफली तेल में 366 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों तेल 367 रुपये प्रति क्विंटल उबल गया। इस दौरान वनस्पति, सोया रिफाइंड, पॉम ऑयल और सूरजमुखी तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार टिकाव रहा।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में चना दाल 50 रुपये गरम हो गयी। उड़द दाल, अरहर दाल, मसूर दाल और मूंग दाल में टिकाव रहा।

अनाज : अनाज मंडी में चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल उबल गया। इस दौरान गेहूं के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे

दाल-दलहन : चना 4750-4850,दाल चना 5850-5950, मसूर काली 8800-8900, मूंग दाल 8750-8850, उड़द दाल 9350-9350, अरहर दाल 8100-8200 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2350-2450 रुपये और चावल 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 3720-3820, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 3100-3200 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19780 रुपये, मूंगफली तेल 20073 रुपये, सूरजमुखी तेल 18754 रुपये, सोया रिफाइंड 17948 रुपये, पाम ऑयल 16489 रुपये।

जनरेशन इंडिया ने क्लाउड में करियर के लिए एडब्लूएस के साथ किया सहयोग

एजेंसी

नयी दिल्ली। जनरेशन इंडिया ने एमेज़ॉन इंटरनेट सर्विसेज़ प्राईवेट लिमिटेड (एआईएसपीएल) के साथ सहयोग की आज घोषणा की, जिसके तहत भारत के 10 शहरों में एडब्लूएस रि.स्टार्ट प्रोग्राम द्वारा निशुल्क क्लाउड कंप्यूटिंग कौशल विकास एवं नौकरी का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

एडब्लूएस रि.स्टार्ट 12 हफ्तों का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें क्लाउड के मूलभूत तत्वों, एडब्लूएस कोर सर्विसेज़, एवं प्रैक्टिकल करियर स्किल (जैसे इंटरव्यू एवं रेज़्यूमे राईटिंग) की शिक्षा दी जाती है, ताकि बेरोजगारी एवं अल्प रोजगार के शिकार लोगों को एंट्री-लेवल पर क्लाउड में करियर बनाने के लिए तैयार किया जा सके। जनरेशन इंडिया के साथ एडब्लूएस रि.स्टार्ट प्रोग्राम का पहला बैच इसी माह शुरू हुआ था।

टेक उद्योग को टेक टेलेंट की जरूरत है, लेकिन इन कार्यों के लिए प्रशिक्षित लोगों की कमी है। जनरेशन इंडिया और एडब्लूएस नई प्रतिभाओं की एक समावेशी, विस्तृत पाईपलाईन का निर्माण करने के लिए काम कर रहे हैं, जिनके पास क्लाउड टेक्नॉलॉजी का कौशल हो। इसके लिए वो बेरोजगारी और अल्प रोजगार के शिकार लोगों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं, जो अन्य तरीके से यह करियर प्राप्त नहीं कर सकते।

यह कार्यक्रम लोगों को परिदृश्यों पर आधारित क्रियाकलापों, प्रयोगशालाओं में प्रयोग और कोर्सवर्क द्वारा टेक्नॉलॉजी में नए करियर के लिए तैयार करता है। विद्यार्थियों को लिनक्स, पायथन, नेटवर्किंग, सिक्योरिटी और रिलेशनल डेटाबेस की शिक्षा दी जाती है। इस कार्यक्रम में एडब्लूएस सर्टिफाईड क्लाउड प्रैक्टिशनर एग्ज़ाम का खर्च शामिल होता है, जिससे लर्नर्स को अपने क्लाउड के कौशल के लिए उद्योग में मान्यताप्राप्त सर्टिफिकेट मिलता है। जनरेशन इंडिया के सहयोग से एडब्लूएस रि.स्टार्ट प्रोग्राम लोगों को ऑपरेशंस, साईट रिलायबिलिटी, एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट में करियर बनाने में मदद करता है। एडब्लूएस रि.स्टार्ट प्रोग्राम 2025 तक दुनिया में 2.9 करोड़ लोगों को क्लाउड कंप्यूटिंग में निपुण बनाने के लिए एमेज़ॉन द्वारा निशुल्क क्लाउड कंप्यूटिंग प्रशिक्षण दिए जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

पुणे हवाई-अड्डा भवन के विस्तार का आधे से अधिक काम पूरा, अगले वर्ष अगस्त तक होगा तैयार

नयी दिल्ली। पुणे हवाई अड्डे पर नये टर्मिनल भवन के निर्माण का आधा काम हो चुका है और यह अगले वर्ष अगस्त तक तैयार हो जाएगा।

यह जानकारी नागर विमानन मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी। विज्ञप्ति के मुताबिक उन्नत क्षमता और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ नया टर्मिनल भवन वर्तमान भवन के साथ जुड़ा होगा। इससे वहां व्यस्त समय में भीड़भाड़ कम होगी।

नया टर्मिनल 5,00,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला होगा। बयान के मुताबिक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की 475 करोड़ रुपये की इस विस्तार परियोजना का 55 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है और नए भवन का निर्माण अगस्त 2023 तक पूरा होने की संभावना है।

पुणे का हवाई अड्डा भवन अभी 22,300 वर्गमीटर का है। इसमें वार्षिक 70 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता है। नया एकीकृत भवन बन जाने से पुणे हवाई अड्डे का निर्मित क्षेत्र 7,50,000 वर्ग फुट हो जाएगा और वहां सालाना 1.6 करोड़ यात्रियों की आवाजाही को सुगमता के साथ संभाला जा सकेगा। बयान के मुताबिक विस्तार परियोजना पूरी हो जाने पर पुणे हवाई अड्डे पर 10 यात्री बोर्डिंग ब्रिज, 72 जांच काउंटर और इन-लाइन बैगेज हैंडलिंग सिस्टम के प्रावधान के साथ शानदार नया एकीकृत टर्मिनल भवन केंद्रीय रूप से वातानुकूलित होगा।

यह चार सितारा गृह रेटिंग के साथ एक ऊर्जा कुशल इमारत होगी। यात्रियों के जलपान तथा खुदरा दुकानों के लिए 36000 वर्ग फुट जगह की व्यवस्था होगी। टर्मिनल भवन का 360 मीटर से अधिक लंबा बरामदा पुणे और महाराष्ट्र की समृद्ध सामाजिक, ऐतिहासिक, कलात्मक और अमूर्त संस्कृति की कहानी कहने वाली एक भव्य शहरी भित्तिचित्र गैलरी के रूप में होगा। इसका सामने का उद्यान पुणे के सबसे पहचानने योग्य स्थलों में से एक - शनिवार वाड़ा गार्डन से प्रेरित है। बयान के मुताबिक पार्किंग की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रु. 120 करोड़ की लागत से पार्किंग भी निर्माणाधीन है, जिसके जुलाई 2022 तक चालू होने की संभावना है। मल्टी-लेवल कार पार्किंग में 1024 कारों की पार्किंग की क्षमता होगी।

महिलाओं के छोटे मझोले उद्यमों को कर्ज की कमी को ऋण लेने में कठिनाई: फिनटेक सर्वे

नयी दिल्ली। महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बाजारों से पूंजी जुटाने में मुश्किल होती है और उन्हें 158 अरब डॉलर के कर्ज की कमी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को जारी एक निजी फर्म की सर्वेक्षण-रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। भारत में बीते कुछ वर्षों में महिला उद्यमियों की संख्या बढ़ी है, इसके बावजूद सर्वेक्षण में पता चला है कि वे कर्ज के लिए मुख्य तौर पर अनौपचारिक स्त्रोतों पर निर्भर हैं। गुरुग्राम स्थित फिनटेक फर्म इंडिफी टेक्नोलॉजीज द्वारा जारी महिलाओं के नेतृत्व वाली एमएसएमई इकाइयों की आवश्यकता शीर्षक सर्वेक्षण रपट में कहा गया है, ' भारत में एक दशक में महिलाओं के नेतृत्व वाली एमएसएमई इकाइयों की संख्या 2.15 लाख से बढ़कर 1.23 करोड़ हो गयी है। उन्हें 158 अरब डॉलर के कर्ज की कमी हो रही है और इनमें से बड़ी संख्या में इकाइयां अपनी वित्तीय अवश्यकताओं के लिए अनौपचारिक स्त्रोतों पर निर्भर हैं।'

टोरेंट पावर खरीदेगी डीएनएच विद्युत वितरण निगम की 51 फीसदी हिस्सेदारी

मुंबई। टोरेंट पावर ने बुधवार को कहा कि उसने केंद्र शासित दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव में बिजली वितरण के लिए बनायी गयी सरकारी कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। कंपनी ने कहा है कि उसने दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव प्रशासन के साथ उसकी विशेष प्रयोजन कंपनी डीएनएच विद्युत वितरण निगम में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने का करार किया है। कंपनी ने विज्ञप्ति जारी कर कहा, टोरेंट पावर ने केंद्र शासित दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव (धारक इकाई) और दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव के प्रशासन के साथ विद्युत वितरण निगम(एसपीवी) में 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक शेयर खरीद समझौता (एसपीए) और शेयरधारकों के समझौता (एसएचए) किया है। कंपनी ने कहा है कि इस अधिग्रहण से विद्युत वितरण कारोबार में टोरेंट की स्थिति मजबूत होगी। कंपनी अभी तीन राज्यों के 12 शहरों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बिजली वितरण करती है।

गौतम अडानी के नाम बड़ी उपलब्धि, एक साल में सबसे अधिक बढ़ी संपत्ति, हर सप्ताह रु 6,000 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी की संपत्ति में पिछले एक साल में बेतहाशा बढ़ोतरी देखी गई है। गौतम अडानी की संपत्ति में सालभर में 49 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। बुधवार को जारी 2022 हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, अडानी समूह के चेयरमैन ने पिछले एक साल में हर हफ्ते करीबन 6,000 करोड़ रुपये कमाए हैं।

अंबानी से ज्यादा अडानी की बढ़ी संपत्ति

हुरुन इंडिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अडानी समूह के चेयरमैन की संपत्ति में पिछले एक साल में 153 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गौतम अडानी 2022 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में सबसे अमीर उद्योगपति बन गए हैं। वहीं, 2022 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में 103 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी टॉप 10 में प्रवेश करने वाले एकमात्र भारतीय हैं। पिछले एक साल में अंबानी की संपत्ति में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

पांच गुना बढ़ गई संपत्ति

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गौतम अडानी एम3एम हुरुन ग्लोबल लिस्ट 2022 में सबसे बड़े पायदान पर हैं और पिछले साल उनकी संपत्ति में 49 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडानी ग्रीन की लिस्टिंग के बाद, गौतम अडानी की संपत्ति 2020 में 17 बिलियन डॉलर से लगभग पांच गुना बढ़कर 81 बिलियन डॉलर हो गई। बता दें कि हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2022 में नायका की संस्थापक फाल्गुनी नायर ने भी अपनी जगह बनाई हैं, नायर की संपत्ति में कुल 7.6 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं, साइरस पूनावाला समूह के साइरस एस पूनावाला की संपत्ति 41ब बढ़कर 26 बिलियन डॉलर हो गई। पूनावाला ने पिछले 10 वर्षों में 500 से अधिक रैंक हासिल की है।

दुनियाभर के अरबपतियों की संपत्ति में 4प्रतिशत का इजाफा

इस लिस्ट के मुताबिक, अडानी दुनिया में सबसे ज्यादा संपत्ति हासिल करने वालों में से एक बनकर उभरे हैं। 49 बिलियन डॉलर के संपत्ति वृद्धि के साथ, गौतम अडानी ने 2022 एम3एम हुरुनग्लोबल रिच लिस्ट में ग्लोबली टॉप स्थान पर कब्जा कर लिया है।

शार्ट न्यूज

बाबर और रिजवान के शतकों से पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट कराया ड्रा

कराची। कप्तान बाबर आजम (196) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 104) के शानदार शतकों से पाकिस्तान ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच को पांचवें और अंतिम दिन बुधवार को ड्रा करा लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को जीत के लिए 505 रन का विशाल लक्ष्य दिया था। पाकिस्तान ने अंतिम दिन दो विकेट पर 192 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसे जीत के लिए 314 रन चाहिए थे। आजम ने 425 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 196 रन की शानदार पारी खेली और रिजवान के साथ पांचवें विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने बाबर को 392 के स्कोर पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत की उम्मीद जगाई लेकिन रिजवान ने 177 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 104 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और मैच ड्रा करा दिया। इससे पहले अब्दुल्लाह शफीक ने 71 और बाबर ने 102 रन से आगे खेलना शुरू किया था। शफीक 96 रन बनाकर पेट कमिंस की गेंद पर आउट हुए। पाकिस्तान ने मैच ड्रा होने तक सात विकेट खोकर 443 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन लियोन ने 112 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए जबकि कमिंस ने 75 रन पर दो विकेट लिए।

रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए : डब्लयूटीए अध्यक्ष

फ्लोरिडा। महिला टेनिस संघ (डब्लयूटीए) के अध्यक्ष स्टीव साइमन ने कहा है कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को उनके सरकार के फैसले के चलते बैन नहीं किया जाएगा। रूसी सेना के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को देश राष्ट्रीय ध्वज और देश के नाम के साथ प्रतिस्पर्धा करने की इजाजत नहीं दी जा रही है। साइमन के हवाले से बीबीसी ने कहा, आप नहीं जानते कि भविष्य में क्या हो, लेकिन मैं आपसे कह सकता हूं कि हम उनके राजनेताओं द्वारा लिए गए फैसलों के कारण अपने टूर के लिए खिलाड़ियों पर प्रतिबन्ध नहीं लगाएंगे। गौरतलब है कि अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल निकायों जैसे बैडमिंटन, वेट लिफ्टिंग, शूटिंग आदि ने रूस और बेलरूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। उन्होंने कहा, ऐसे में हमारा यह कदम काफी महत्वपूर्ण होगा, लेकिन हम नहीं जानते कि यह कहां जा रहा है। मेरा मानना है कि इन एथलीटों को फासीवादी नेतृत्व द्वारा ले गए फैसलों के कारण सजा नहीं देनी चाहिए। यह सच में भयानक और निदंनीय है। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर ऐसा होता है, तो यह फिर से रूस और रूसी नागरिकों को समग्र बनाने की रणनीति का हिस्सा है, उनकी सरकार ने जो निर्णय लिया है, उसके लिए उन्हें परिणाम ने भुगतना पड़े। साइमन ने कहा,मुझे उम्मीद है कि हम रूस पर लगे प्रतिबंधों जारी रखेंगे। हम शांति पाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ये लोग निर्दोष हैं और उनकी सरकार द्वारा लिए गए फैसलों के परिणामस्वरूप इन्हें अलग-थलग करना, मुझे नहीं लगता कि यह उचित है। गौरतलब है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के परिणामस्वरूप अक्टूबर में होने वाले डब्लयूटीए और एटीपी टूर्नामेंट स्थगित कर दिए गए हैं। इसके अलावा रूस और बेलारूस में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ (आईटीएफ) के सभी टूर्नामेंटों को रद्द कर दिया गया है।

नाइट और मिताली ने झूलन को दी बधाई

माउंट मौंगानुई। इंग्लैंड की कप्तान हेदर नाइट और भारतीय कप्तान मिताली राज ने तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को 250 विकेट लेने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने पर बधाई दी है। इंग्लैंड ने हालांकि इस मुकाबले में भारत को चार विकेट से पराजित किया और अपनी पहली जीत दर्ज की। विजयी कप्तान हेदर नाइट, शायद हमने थोड़े ज़्यादा विकेट खोए लेकिन शुरुआत के बाद आज की जीत अच्छी रही। हमने पिछले दो-तीन मैचों के रुझान को बदलना चाहा और गेंदबाज़ों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विकेट थोड़ी धीमी थी और मैं सिर्फ़ आख़िर तक खेलना चाहती थी। झूलन को बहुत बधाई 250 विकेट लेने के लिए। मिताली राज ने कहा, मुझे लगा हमने ऊपरी क्रम में कोई साझेदारियां नहीं बनाई। मुझे लगता है 200 बनते तो हम दबाव बना सकते थे। फ़ील्डिंग में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। अगले गेम में इस टूर्नामेंट की सबसे शक्तिशाली टीम है और हमें बहुत अच्छा खेलना पड़ेगा। झूलन जैसी महान खिलाड़ी के साथ खेलने में बहुत मज़ा आता है।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी में पंजाब टीम के लिए चयन ट्रायल अब 23 मार्च को

जालंधर। 12वीं हॉकी इंडिया नेशनल सीनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के लिए पंजाब हॉकी टीम का चयन ट्रायल अब 23 मार्च को जालंधर में होगा। हॉकी इंडिया द्वारा नियुक्त हॉकी पंजाब की तदर्थ समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने बुधवार को कहा कि 12वीं हॉकी इंडिया नेशनल (सीनियर पुरुष) हॉकी चैंपियनशिप में 6 से 17 अप्रैल तक भोपाल (मध्य प्रदेश)में भाग लेने वाली सीनियर हॉकी टीम के लिए चयन ट्रायल अब 19 मार्च के बजाए 23 मार्च को सुबह 10:00 बजे पी.ए.पी. एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, जालंधर में अयोजित होंगे। ओलंपियन शम्मी ने कहा कि 12वीं हॉकी इंडिया नेशनल (जूनियर पुरुष) हॉकी चैंपियनशिप 18 से 29 मई तक कोविलपट्टी (तमिलनाडु) में होगी, जिसमें भाग लेने के लिए पंजाब जूनियर टीम के लिए चयन ट्रायल जो 19 मार्च को रखे गए थे, वह अखिल भारतीय अंतर यूनिवर्सिटी हाकी चैंपियनशिप के चलते रद्द कर दिये गए हैं। चयन ट्रायल की नई तारीखों की घोषणा बाद की जायेगी। इस बीच हॉकी इंडिया ने ओलंपियन हरदीप सिंह नीटा को चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया है।

जेसन होल्डर बने नंबर एक आलराउंडर

दुबई। वेस्ट इंडीज के जैसन होल्डर टेस्ट क्रिकेट रैंकिंग में ऑलराउंडरों की सूची में एक बार फिर से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। कुछ दिन पहले ही इस स्थान पर रवींद्र जडेजा थे, जिन्होंने मोहाली टेस्ट में 175 रनों की पारी खेली थी और नौ विकेट लिए थे। होल्डर ने हाल ही में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ खेले गए टेस्ट में बढ़िया प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस दौरान तीन विकेट लिए थे और 45 और 37 रनों की पारी खेली थी। एंटीगा में खेला गया वह टेस्ट ड्रॉ रहा था। होल्डर के 393 और जडेजा के 385 अंक हैं। रविचंद्रन अश्विन 341 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

झारखंड पहुंचा रणजी ट्रॉफ़ी के अंतिम आठ में

कोलकाता। पहली पारी में बड़ी बढ़त लेकर झारखंड ने इस सीज़न में रणजी ट्रॉफ़ी के क्वार्टर-फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। नागालैंड का संघर्ष मैच के अंतिम दिन समाप्त हुआ जब आधे दिन के खेल के बाद कोलकाता में दोनों टीमों के कप्तानों ने हाथ मिलाया। झारखंड ने दूसरी पारी में नागालैंड पर 1008 रनों की विशालकाय बढ़त हासिल की जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में विश्व रिकॉर्ड है। झारखंड के पास जीतने का मौक़ा था जब अंतिम दिन के खेल की शुरुआत में उनके पास 723 रनों की बढ़त थी। हालांकि उन्होंने तीन सत्रों में 10 विकेट झटकने की बजाय बल्लेबाज़ी जारी रखने का निर्णय लिया। सलामी बल्लेबाज़ उत्कर्ष सिंह के साथ-साथ मध्य क्रम में अनुकूल रॉय और कुमार कुशाग्र ने 53 ओवरों के खेल में 285 रन ठोक दिए। पहली पारी में अर्धशतक बनाने वाले रॉय ने 164 गेंदों पर 159 रनों की आतिशी पारी खेली। उन्होंने 14 चौके और सात छक्के लगाए और कुशाग्र के साथ 163 रन जोड़े। 266 रन बनाने वाले कुशाग्र ने दूसरी पारी में 89 रन बनाकर प्लेयर ऑफ़ द मैच का ख़िताब अपने नाम किया। उत्कर्ष 73 रन बनाकर श्रीकांत मुढे की गेंद पर कैच आउट हुए। जब तक दूसरी पारी में 58 ओवर समाप्त हुए, कुशाग्र सेट थे और रॉय ने अपना पचासा पूरा कर लिया था। इसके बाद दोनों बल्लेबाज़ों ने चार ओवरों में 41 रन जोड़े। रॉय ने छक्का लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने स्पिनरों के ख़िलाफ़ अपना आक्रमण जारी रखा और लगातार अंतराल पर बड़े शॉट लगाए।

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट खिलाड़ियों का बंगलादेश टेस्ट सीरीज के बजाय आईपीएल खेलने का मन

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के बंगलादेश के खिलाफ 18 मार्च से शुरू हो रही दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए कमजोर टीम उतारने की संभावना है, क्योंकि उनके सभी पहली पसंद के टेस्ट खिलाड़ी आईपीएल में जाने का विकल्प चुन रहे हैं।

क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक बंगलादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के बजाय आईपीएल को तवज्जो देने का खिलाड़ियों का फैसला सर्वसम्मत है। दक्षिण अफ्रीकी टेस्ट कप्तान डीन एल्गर ने इसे टेस्ट वफादारी का लिटमस टेस्ट करार दिया था। दरअसल क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने पिछले दिनों अपने खिलाड़ियों को आईपीएल और बंगलादेश के खिलाफ उनकी टेस्ट प्रतिबद्धताओं में से किसी एक को चुनने की अनुमति दी थी।

समझा जाता है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच एक समझौता हुआ, जिसके मुताबिक सीएसए ने अपने खिलाड़ियों को आईपीएल में भाग लेने के लिए एनओसी दी है और एक ही समय में बंगलादेश सीरीज के मैच नहीं रखे हैं। दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड के एक सूत्र ने क्रिकइंफो को बताया, बीसीसीआई के साथ मूल समझौता यह था कि हम अपने खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए रिलीज करेंगे, लेकिन आईपीएल विंडो बड़ी हो गई है और हमारा समझौता वही है।

इसका मतलब है कि दक्षिण अफ्रीका बंगलादेश के खिलाफ अपने पूरे फ्रंट-लाइन तेज गेंदबाजी आक्रमण के बिना उतरेगा। कैगिसो रबादा और लुंगी एनगिदी को क्रमशः पंजाब किंग्स और

दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा है, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यान्सन, जो पिछले साल के अंत में भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की घरेलू श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे, सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलेंगे।

इस बीच एनरिक नॉर्त्जे भी चोट के कारण निश्चित रूप से बंगलादेश टेस्ट सीरीज से बाहर हैं और उनकी आईपीएल उपलब्धता पर भी संदेह बना हुआ है। नॉर्त्जे ने आखिरी बार पिछले साल जुलाई में कैरेबियाई दौरे पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला था और कहा जाता है कि वह लंबे समय से पीठ और कूल्हे की समस्या से पीड़ित हैं। नॉर्त्जे, जो दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं, का फ्रेंचाइजी के चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा मूल्यांकन किया जाना है।

दक्षिण अफ्रीका के पहली पसंद के तेज गेंदबाजों की गैर मौजूदगी का मतलब है कि लुथो सिपमला और लिजाद विलियम्स, केशव महाराज के साथ, विचाराधीन तेज गेंदबाजी अटैक का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। सिपमला अब तक केवल तीन टेस्ट खेले हैं। वह पिछले महीने क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड पर दक्षिण अफ्रीका की शानदार जीत का हिस्सा थे। इस बीच विलियम्स अभी टेस्ट क्रिकेट में अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्होंने एक वनडे और छह टी-20 मैच खेले हैं।

समझा जाता है कि चयनकर्ता एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर का भी रुख करेंगे। इसका मतलब है कि जॉर्ज लिंडे पर विचार किया जा सकता है। लिंडे ने हालांकि हाल ही में ब्रिटेन में अपनी काउंटी प्रतिबद्धताओं के कारण श्रृंखला से बाहर होने की बात कही थी, लेकिन अब उन्होंने उपलब्धता की पुष्टि की है। तेज गेंदबाज डुआने ओलिवियर के भी उपलब्ध होने की संभावना है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ब्यूरन हेंड्रिक्स, जिन्हें टीम में चुने जाने की संभावना थी, सीरीज से चूक जाएंगे, क्योंकि काउंटी सत्र की शुरुआत के लिए उनके यूके जाने की संभावना है।

क्रिकइंफो के मुताबिक मुख्य कोच मार्क बाउचर ने पिछले दिनों सभी टेस्ट खिलाड़ियों के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्हें भारत जाने से पहले टेस्ट को प्राथमिकता देने के लिए मनाने की कोशिश की गई थी। इस बात के भी संकेत हैं कि रबादा सहित कुछ खिलाड़ियों को कम से कम बंगलादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए रुकने को राजी किया जा सकता है, हालांकि इस बात की अधिक संभावना है कि खिलाड़ी आईपीएल खेलने जाएंगे।

हमें पूरे 50 ओवर बल्लेबाज़ी ना करने का ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा : झूलन

माउंट मौंगानुई। भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का मानना है कि भारत को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पूरे 50 ओवर बल्लेबाज़ी ना करने का ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा। हालांकि चार विकेटों की इस हार के बावजूद उन्होंने बचे हुए मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बल्लेबाज़ी क्रम का समर्थन किया है।

134 रनों के छोटे लक्ष्य के बचाव में भारत ने गेंद के साथ कमाल का प्रदर्शन किया। उसने पहले इंग्लैंड को चार रनों पर दो विकेट और फिर 30 ओवरों के भीतर छह विकेट के नुक़सान पर 128 के स्कोर पर ला खड़ा किया था। इंग्लैंड की पारी को 32वें ओवर तक खींचकर उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नेट रन रेट में भारी गिरावट ना आए। लेकिन एक सम्मानजनक स्कोर ना खड़ा करने का अर्थ था कि भारत केवल जीत को टालने का प्रयास कर रहा था।

महिला वनडे क्रिकेट में 250 विकेट झटकने वाली पहली महिला बनने वाली झूलन ने बुधवार को कहा, हम निश्चित तौर पर 300 गेंदें खेलना चाहते थे लेकिन हम पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाए। हमें इसका ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा क्योंकि हमारा लक्ष्य 240-250 तक पहुंचने का था जो इस मैदान पर अच्छा स्कोर होता। अगर हम ऐसा करते तो हम उन्हें (इंग्लैंड को) रोक पाते।

झूलन ने आगे कहा, क्रिकेट में किसी दिन आप अच्छे ढंग से योजना बनाते हैं लेकिन वह आपके पक्ष में नहीं जाती है। और आपको समझना पड़ता है कि आप विश्व क्रिकेट की एक सर्वश्रेष्ठ टीम का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा खेल दिखाया है। दुर्भाग्यवश हम आज सही तरीक़े से अपनी योजना का पालन नहीं कर पाए।

झूलन ने अपनी कप्तान और टीम की सबसे अनुभवी बल्लेबाज़ मिताली राज का सहयोग किया। विश्व कप से पहले मेज़बान न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ में तीन अर्धशतक जड़ने वाली मिताली का बल्ला अब तक इस प्रतियोगिता में शांत रहा है। वह कभी तीसरे तो कभी चौथे स्थान पर बल्लेबाज़ी करती नज़र आई हैं। साथ ही मध्य क्रम में दीप्ति शर्मा भी कुछ कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इस जोड़ी की फ़ॉर्म चिंता का विषय बन सकता है।

इस बात पर अपने विचार व्यक्त करते हुए झूलन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह (तीसरे और चौथे नंबर के बल्लेबाज़ों से रनों की कमी) चिंता का विषय है।

जमशेदपुर से ड्रा खेलकर केरला पहुंची फाइनल में

वास्को। केरला ब्लास्टर्स एफसी बेहतर गोल औसत के आधार पर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के फाइनल में पहुंच गई है। मंगलवार को वास्को डे गामा स्थित तिलक मैदान स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल के दूसरे चरण में केरला ने जमशेदपुर एफसी को 1-1 के ड्रा पर रोक दिया। इस कारण केरला के पक्ष में दो चरणों वाले सेमीफाइल का औसत 2-1 रहा और कोच ओवेन कोयल की लीग शील्ड विजेता टीम अपने पहले फाइनल के करीब पहुंचकर भी दूर रह गई। मुकाबले में केरला के लिए गोल दगाने वाले कप्तान एड्रियन लुना को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया। कोच इवान वुकोमैनोविच की टीम केरला के फाइनल में पहुंचने की वजह बना सहल अब्दुल समद का गोल। भले ही समद आज के मुकाबले में नहीं खेले, लेकिन उन्होंने शुक्रवार को खेले गए दो चरणों वाले सेमीफाइनल के पहले मैच में गोल करके केरला को लीग शील्ड विजेता जमशेदपुर पर 1-0 से जीत दिलाई थी। बहरहाल, आज मैच में पहला गोल 18वें मिनट में आया, जब कप्तान एड्रियन लुना ने केरला ब्लास्टर्स को 1-0 की शुरुआती बढ़त पर ला दिया।

बाएं फ्लैंक पर पास मिलने के बाद एल्वेरो वाजकेज ने गेंद को फ्लिक करके सेंटर पर लुना तक पहुंचाया और उरुग्वे के अटैकिंग मिडफील्डर ने अटैकिंग थर्ड पर गेंद के साथ कमाल का नियंत्रण दिखाते हुए पहले राइट-बैक लालदिनलिआना रेंथलेई को छकाया और फिर डी-बॉक्स के ठीक बाहर से राइट फुटर शॉट से गेंद को सेकेंड पोस्ट के किनारे पर हवा में अंदर की तरफ लहरा करके बेहतरीन गोल दाग दिया।,

रूस और यूक्रेन की बातचीत से बढ़ी उम्मीद, पर हमला जारी

दिल्ली। यूक्रेन पर रूसी हमलों के बढ़ते शोर के बीच दोनों देशों ने बातचीत आगे बढ़ने का दावा किया है. हालांकि हमलों में इस दौरान कोई कमी नहीं आई है और कीव की सरकारी इमारतों के पास रूसी बमों के धमाके गूंजने लगे हैं.यूक्रेन पर रूस का हमला कीव के अंदर घुसता हुआ सरकारी इमारतों के करीब आ पहुंचा है. इस दौरान कई बहुतमंजिली इमारतें रूसी बमों और तोप के गोलों का निशाना बनी हैं. बुधवार को कई इमारतों में जलती आग की लपटें और कीव के आसमान पर काले धुएं के बादल मंडराते नजर आए. कीव से सटे उपनगरों में भी काफी बमबारी हुई है. तेज हुए रूसी हमले की चपेट में खारकीव और मारियोपोल भी हैं. मारियोपोल पर तो कई दिनों से जारी घेराबंदी ने गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है. मध्य कीव के इलाके में एक बहुमंजिली इमारत की पूरी ऊपरी मंजिल हमले की चपेट में आ कर बुधवार को ध्वस्त हो गई. इसके बाद लगी आग से पूरी राजधानी के आसमान का रंग गहरा हो गया. आपातकालीन सेवा ने आग में दो लोगों के शिकार बनने की बात कही है हालांकि यह नहीं बताया है कि वो

घायल हुए हैं या उनकी मौत हुई. कीव के उपनगरों पर भी बमबारी लगातार जारी है इसकी वजह से हजारों लोगों के लिए घर को गर्म रखने और पीने के पानी का संकट पैदा हो गया है. रूसी सेना शहर की सप्लाई लाइन को बंद करने की कोशिश में जुटे हैं।

कीव के दक्षिण पश्चिम में मौजूद मारखालिवका पर हुए हमले में रिहायशी इमारतें ध्वस्त हो गई हैं. हालांकि पूरे नुकसान का अभी ब्यौरा नहीं मिल सका है. यह भी पढ़ें: अमेरिकी सीनेट ने पुतिन को युद्ध अपराधी माना इवानकीव पर कब्जा रूस ने अब इवानकीव शहर पर कब्जा कर लिया है जो राजधानी कीव के उत्तर में करीब 80 किलोमीटर दूर है. स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बेलारूस की सीमा से लगते आसपास के इलाके का नियंत्रण यही शहर करता है. हमले की बौछार उत्तर पूर्वी शहर खारकीव पर भी नहीं रुकी है. यह शहर रूसी सीमा के करीब है और इस पर लगातार बमबारी हो रही है. यूक्रेनी सैनिक शहर में घूसने की रूसी सैनिकों की कोशिश को लगातार नाकाम कर रहे हैं।

इस बीच खेरसॉन के आसपास भी काफी धमाके सुनाई पड़े हैं. काले सागर से लगता यह इलाका रणनीतिक लिहाज से अहम है. राष्ट्रपति के कार्यालय ने चेतावनी दी है कि यह इलाका गंभीर मानवीय संकट की चपेट में आ सकता है. क्या यूक्रेन के लोग बाहर निकल पा रहे हैं मंगलवार को स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि मारियो पोल से अलग अलग मानवीय गलियारों के जरिए 28,000 आम लोग बाहर निकलने में कामयाब हुए हैं. हजारों कारों में ये लोग बाहर गए. हालांकि इस बीच कई जगहों पर रूसी सेना के हमले चलते रहे. मारियोपोल में खाना, गर्मी और पीने के पानी की भारी कमी हो गई है. इस वजह से बहुत से लोगों के सामने जीवन का संकट है. एक स्थानीय अधिकारी ने बताया है कि रूसी सेना ने मारियोपोल के सबसे बड़े अस्पताल को अपने कब्जे में ले लिया है और सैकड़ों लोगों को इमारत में बंधक बना लिया है. मानवीय सहायता लेकर जाने वाली गाड़ियों के काफिले बार बार शहर में घुसने की कोशिश में हैं लेकिन उन्हें अकसर गोलीबारी के चलते रुकना पड़ रहा है. हालांकि कुछ सहायता वहां पहुंचाने में कामयाबी मिली है।

इसके साथ ही सुमी की तरफ मानवीय गलियारे के सहारे लोगों को यहां से निकाला भी गया है. किन बातों की पुष्टि हुई है ? भारी अव्यवस्था और तबाही में घिरे खारकीव के डॉक्टर कोविड-19 के मरीजों का इलाज करने के लिए जूझ रहे हैं. खारकीव के रीजनल क्लिनिकल इंफेक्सियस डीजिज अस्पताल के बाहर बार बार हवाई हमलों के सायरन सुनाई दे रहे हैं।

उत्तर कोरिया की मिसाइल में विस्फोट

सोल। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार उत्तर कोरिया की ओर से बुधवार को दागी गयी संदिग्ध मिसाइल प्रक्षेपण के फौरन बाद फट गयी। प्योंग्यांग के आसमान से गिरते हुए अवशेष को देखने के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया के अनुसार उत्तर कोरिया अपनी सबसे बड़ी मिसाइल का परीक्षण करने का प्रयास कर रहा है। योनहाप समाचार एजेंसी ने दक्षिण कोरिया के संयुक्त सेना प्रमुख का हवाला देते हुए कहा कि विफल प्रक्षेप्य सुबह 9.30 बजे उत्तर कोरिया की राजधानी के बाहर सुनन हवाई अड्डे से लांच किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मिसाइल 20 किमी की ऊंचाई पर ही हवा में फट गया जिसके अवशेष प्योंग्यांग क्षेत्र पर आ गिरे। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं आई है। दक्षिण कोरिया सैन्य अधिकारियों का मानना है कि इस लांच में भी वही अंतरमहाद्वीपीय प्रक्षेपक मिसाइल (आईसीबीएम) शामिल थी जिसका परीक्षण उत्तर कोरिया ने 27 फरवरी और पांच मार्च को किया था। दक्षिण कोरिया और अमेरिका को पूरा यकीन है कि दोनों बार ह्वासोंग-17 आईसीबीएम का परीक्षण किया गया है, जिसे उत्तर कोरिया ने अक्टूबर 2020 की सेना परेड में पेश किया था। मॉन्स्टर नामक यह मिसाइल 13,000 किमी से ज्यादा की रेंज तक विभिन्न युद्धाग्र ले जाने में सक्षम है।

द. कोरिया में कोरोना संक्रमण के चार लाख से अधिक नए मामले

सोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 4,00,741 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 7,629,275 हो गयी है। स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के मुताबिक पिछले 24 घंटों में चार लाख से अधिक नये मामले सामने आये जबकि इससे पिछले दिन कोरोना संक्रमण के 3,62,329 नए मामले सामने आये थे। संक्रमण के नए मामलों में से सोल से 81,395 जबकि ग्योंगगी और इंचियोन से क्रमशः 94,806 तथा 28,453 नए मामले सामने आये हैं। नये मामलों में से विदेशों से आए 117 लोग भी शामिल हैं। इसके साथ ही बाहर से आये संक्रमितों की संख्या बढ़कर 30,475 हो गयी है। गंभीर रूप से संक्रमितों की संख्या 1,244 है। इस दौरान महामारी से 164 और मरीजों की मृत्यु होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 11,052 हो गया है।

श्रीलंकाई गैस कंपनियों ने बंद किया उत्पादन

कोलंबो। श्रीलंका की लिट्रो गैस और लॉग्फ्स गैस नामक दो गैस कंपनियों ने विदेश से आपूर्ति नहीं होने के कारण बुधवार को उत्पादन और वितरण बंद करने की घोषणा की। पिछले कुछ हफ्तों से गैस की कमी के कारण श्रीलंका में गैस वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लगना आम बात हो गई है। इसके पीछे का मुख्य कारण देश में विदेशी मुद्रा की कमी है। इससे पहले लाग्फ्स गैस ने घोषणा की थी कि वे गैस आयात नहीं कर पाएंगे क्योंकि बैंक साख पत्र (लेटर्स कॉफ क्रेडिट) देने से मना कर रहे थे। कंपनी ने कहा कि वह आमतौर पर कतर और ओमान से हर माह 15,000 टन गैस आयात करती है जिसकी कीमत करीब पांच करोड़ डॉलर होती है। राज्य-संचालित लिट्रो गैस ने भी घोषणा की थी कि उनका भंडार समाप्त हो गया था।

अमेरिका स्थित रूसी दूतावास ने रूसी नागरिकों के लिए की हॉटलाइन स्थापित

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित रूस के दूतावास ने उन रूसी नागरिकों के लिए एक हॉटलाइन स्थापित की है जिनके साथ देश में भेदभाव किया जा रहा है। दूतावास ने टेलीग्राम पर कहा, अमेरिका में रहने वाले रूसी नागरिकों के ध्यानार्थ- यूक्रेन में संघर्ष के बीच राष्ट्रीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और अन्य आधारों पर रूसी भाषी नागरिकों के साथ भेदभाव के बढ़ते मामलों के संबंध में दूतावास ने एक विशेष संचार चैनल बनाया है। दूतावास के मुताबिक रूसी संघ के नागरिक जिनका अपमान किया जा रहा है, जिनके खिलाफ हिंसा की जा रही है या जो नागरिक जीवन एवं स्वास्थ्य पर खतरे सहित कई तरह के उत्पीड़नों का शिकार हो रहे हैं, उन्हें (202) 412-92-28 पर कॉल करने या usemb_hotline@inbo&.ru पर ईमेल करने की सलाह दी जाती है।

पीएमएल-क्यू की सभी राजनीतिक दलों से संयम बरतने की अपील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू) के अध्यक्ष चौधरी शुजात हुसैन ने सत्ताधारी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और विपक्षी दलों से संयम बरतने की अपील करते हुए राष्ट्रीय हित में उनसे डी-चौक पर अपने कार्यक्रमों को रद्द करने का आग्रह किया है। डॉन समाचार पत्र ने बुधवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अखबार ने बताया कि पीएमएल-क्यू अध्यक्ष, जिनकी पार्टी केंद्र और पंजाब में पीटीआई की प्रमुख सहयोगी है। उन्होंने टकराव और हिंसा की बढ़ती आशंकाओं के बीच यह अपील की है। रिपोर्ट के अनुसार दोनों पक्षों ने अपने कार्यकर्ताओं का इस्लामाबाद के ऐतिहासिक डी-चौक पर एकजुट होने का आह्वान किया था और प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले सार्वजनिक शक्ति का प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। श्री शुजात ने विशेष रूप से सत्तारूढ़ पीटीआई पर निशाना साधते हुए कहा कि जनसभाएं और रैलियां करना सरकार का काम नहीं है। वहीं, सत्तारूढ़ पीटीआई ने दावा किया है कि विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के मद्देनजर वह 27 मार्च को प्रधानमंत्री के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए डी-चौक पर 10 लाख लोगों को इकट्ठा करेगी। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) ने भी अपने कार्यकर्ताओं और जनता से 23 मार्च को इस्लामाबाद की ओर मार्च शुरू करने का आह्वान किया है।

सैन्य वाहनों से तालिबान नेताओं की तस्वीर हटाने के आदेश

काबुल। अफगानिस्तान की सरकार के मंत्रिमंडल ने सैन्य वाहनों से तालिबान नेताओं की तस्वीर को हटाने के आदेश दिए हैं। सरकार की ओर से जारी एक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के बाद यह आदेश आया है। अभी भी कुछ तालिबान सदस्य सैन्य वाहनों में अपने नेताओं की तस्वीरें लगाए हुए हैं। बयान के अनुसार, राष्ट्रीय रक्षा और आंतरिक मंत्रालय और खुफिया महानिदेशालय को अपने अधीनस्थों को सैन्य वाहनों से तालिबान नेताओं की सभी तस्वीरें हटाने का आदेश दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शाहरुख खान ला रहे अपना ओटीटी प्लेटफॉर्म एसआरके प्लस

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान अपना नया ओटीटी प्लेटफॉर्म एसआरके प्लस लेकर आ रहे हैं।

शाह रुख खान निर्माता के तौर पर पहले ही ओटीटी स्पेस में सक्रिय हैं। शाहरुख खान की कम्पनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने इमरान हाशमी स्टारर वेब सीरीज बार्ड ऑफ ब्लड के साथ 2019 में ओटीटी की दुनिया में दस्तक दे दी थी। इसके बाद बेताल, क्लास ऑफ 83 और अब लव हॉस्टल के जरिए शाह रुख लगातार ओटीटी स्पेस में अपनी मौजूदगी दर्ज करवा रहे हैं।

शाह रुख अपना ओटीटी प्लेटफॉर्म एसआरके प्लस लेकर आ रहे हैं।शाहरूख ने इसका एलान सोशल मीडिया के जरिए किया। शाहरुख के इस प्रोजेक्ट से निर्देशक अनुराग कश्यप भी जुड़े हुए हैं।

शाहरुख ने यह जानकारी शेयर करते हुए ट्वीट किया, कुछ कुछ होने वाला है, ओटीटी की दुनिया में, जिसे सलमान ने रीट्वीट करते हुए लिखा- आज की पार्टी तेरी तरफ से शाह रुख। तुम्हारे नये ओटीटी ऐप एसआरके प्लस के लिए बधाई।

अभय 3 का दमदार ट्रेलर रिलीज, कुणाल खेमू संग विजय राज और दिव्या अग्रवाल का भी दिखा जलवा

हिंदी कॉप ड्रामा की दुनिया में काफी कम वेब सीरीज ऐसी हैं, जिनके लिए दर्शक इंतजार करते हैं। इन वेब सीरीज में एक नाम जी5 की कुणाल खेमू स्टारर अभयका भी है। अभय को रिलीज के वक्त कुछ सफलता नहीं मिली थी, लेकिन माउथ पब्लिसिटी ने जल्दी ही सीरीज को हिट करवा दिया। पहले सीजन के बाद दूसरे सीजन को भी दर्शकों ने पसंद किया और अभय 3 के लिए भी फैन्स का इंतजार पूरा हो गया है। अभय 3 का ट्रेलर रिलीज हो रहा है और इस बार वेब सीरीज में आपको काफी कुछ नया देखने को मिलेगा।

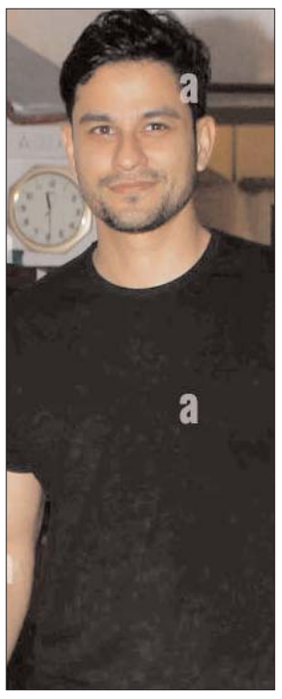

एड शूट में नजर आयेगी गोविंदा और करिश्मा की जोड़ी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और अभिनेत्री करिश्मा कपूर की सुपरहिट जोड़ी एड शूट में नजर आयेगी।

गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी 90 के दशक की सबसे पसंदीदा और सफल जोड़ियों में शुमार की जाती है। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने साजन चले ससुराल, राजा बाबू, हसीना मान जाएगी, कुली नम्बर वन, हीरो नम्बर 1 समेत कई सुपरहिट फिल्मों में साथ में काम किया है। हाल ही में दोनों की जोड़ी इंडियाज गॉट टैलेंट के मंच पर नजर आई थीं। अब एक बार फिर से दोनों एक प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ में आए हैं। गोविंदा और करिश्मा एक एड शूट के लिए साथ में आए हैं। करिश्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक बार फिर से दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री फैंस को देखने को मिल रही है।

दीपिका पादुकोण को मल्टी टैलेंटेड मानते हैं रणवीर सिंह

उन्होंने दीपिका की कुकिंग स्किल्स की जमकर तारीफ की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण को मल्टी टैलेंटेड मानते हैं। रणवीर सिंह सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहते हैं। रणवीर अक्सर अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ मस्ती भरी तस्वीरें वीडियो फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। अब उन्होंने दीपिका की कुकिंग स्किल्स की जमकर तारीफ की है।उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर सवाल जवाब सेशन का आयोजन किया था, जिसमें फैंस ने उनसे कई मजेदार सवाल किए। इस दौरान एक फैन ने सवाल करते हुए पूछा कि, क्या आपको दीपिका का बना खाना पसंद है? इसका जवाब देते हुए रणवीर सिंह ने दीपिका की कुकिंग स्किल्स की तारीफ करते हुए कहा, मैं उसको प्यार करता हूं, वो एक कुक हैं और वह मल्टी टैलेंटेड है।

सलमान ने तेलुगु फिल्म गॉडफादर की शूटिंग शुरू की

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली तेलुगु एक्शन फिल्म गॉडफादर की शूटिंग शुरू कर दी है।

सलमान के शूटिंग शुरू करने की जानकारी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार चिरंजीवी ने अपने ट्विटर पर एक तस्वीर साझा कर दी है। चिरंजीवी ,सलमान खान का बुके देकर स्वागत कर रहे हैं। इस फोटो को सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने लिखा, गॉडफादर में स्वागत है सलमान भाई। इस फिल्म में आपकी उपस्थित सभी को उत्साहित कर देगी। आपको साथ स्क्रीन साझा करना बेहद खुशी की बात है। फिल्म आपकी उपस्थित दर्शको वो सुखद अनुभव देगी, जो जयम मोहनराजा ने दिया।

गौरतलब है कि फिल्म गॉडफादर से सलमान खान तेलुगु फिल्मों में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म गॉडफादर में सलमान खान के चिरंजीवी, नयनतारा और सत्यदेव कंचरण भी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। मोहन राजा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण कोनिडेला प्रोडेक्शन और सुपर गुड फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म वर्ष 2019 में प्रदर्शित मलयालम की ब्लॉकबस्टर फिल्म लुसिफर का तेलुगु रीमेक है, जिसका निर्देशन पृथ्वीराज सुकुमारन ने किया था। इस फिल्म में मोहनलाल, विवेक ओबेरॉय ने मुख्य भूमिका निभाई है।

एक्ट्रेसेस को खूब भा रही है डोरी वाली ड्रेस, आप भी अपनी ड्रेस में इन तरीकों से कर सकती हैं डोरी का इस्तेमाल

प्रिया मिश्रा

बॉलीवुड एक्ट्रेसेस जो कुछ भी पहनती हैं, वो ट्रेंड बन जाता है। अगर नए ट्रेंड की बात करें तो इन दिनों डोरी वाली ड्रेसेज काफी फैशन में हैं। कुछ समय पहले दीपिका पादुकोण ने व्हाइट कलर का ऑफ शोल्डर टॉप पहना था। इसमें फ्रंट और साइड स्लिट पर डोरी लगी थी। यह टॉप दीपिका की टोंड बॉडी पर खूब फब रहा था। दीपिका के अलावा कृति सेनन, तारा सुतारिया, भूमि पेडनेकर और जाह्नवी कपूर भी डोरी वाली ड्रेस में नजर आ चुकी हैं। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी डोरी वाली ड्रेस काफी ट्रेंड में है। इंटरनेशनल सिंगर रिहाना भी ब्लैक कलर की डोरी वाली ड्रेस में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नज़र आई थीं। इस तरह की ड्रेस की खास बात यह है कि हैवी बॉडी वाली महिलाएं भी इसे बेझिझक पहन सकती हैं। ये ड्रेस आपके कर्व्स को बखूबी निखरती हैं और इसमें बॉडी स्लिम नज़र आती है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप अपनी अलग अलग ड्रेसेस में किस तरह डोरी का इस्तेमाल करके कैसे उन्हें फैशनेबल और स्टाइलिश बना सकती हैं -

सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी डोरी वाली ड्रेस काफी ट्रेंड में है। इस तरह की ड्रेस की खास बात यह है कि हैवी बॉडी वाली महिलाएं भी इसे बेझिझक पहन सकती हैं। ये ड्रेस आपके कर्व्स को बखूबी निखरती हैं और इसमें बॉडी स्लिम नज़र आती है।

कुर्ते में डोरी लगाएं

अगर अपने कुर्ते में डोरी लगाकर इसे एक नया लुक दे सकती हैं। इसके लिए कुर्ते के दोनों स्लिट्स पर क्रिस-क्रॉस डोरी लगाएं। आप इसे जींस, प्लाजो, स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं।

ब्लाउज के बैक पर डोरी लगाएं

आप अपने ब्लाउज के बैक पर डोरी से एक नया डिज़ाइन बना सकते हैं। इसके लिए आप ब्लॉउज के बैक पर कंट्रास्ट कलर की डोरी लगवाएं। आप चाहें तो डोरी के किनारों पर घूँघरू भी लगा सकते हैं।

कुर्ते के फ्रंट गले पर डोरी लगाएं

अगर आप अपने कुर्ते के फ्रंट गले के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो इस पर भी डोरी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए अपने कुर्ते के गले पर क्रिस-क्रॉस डोरी लगे। कंट्रास्ट कलर की डोरी से स्टाइलिश लुक मिलेगा।

पैंट पर डोरी लगाएं

अगर आप एंकल लेंथ पैंट पहन रही हैं तो इसके निचले हिस्से पर 2-3 इंच लंबी डोरी लगवा सकती हैं। इससे बेहद स्टाइलिश लुक मिलेगा।

लॉन्ग स्लीव पर डोरी लगाएं

आप अपने लॉन्ग स्लीव वाले ब्लाउज, कुर्ती या गाउन की स्लीव्स पर भी डोरी लगवा सकती हैं।

दुनियाभर में मशहूर हैं इन जगहों की होली, देखने को मिलते हैं होली के अलग रंग

प्रिया मिश्रा

रंगों का त्यौहार होली देश के प्रमुख त्योहारों में से एक है। होली को बसंत की शुरुवात के रूप में भी मनाया जाता है। इस दौरान पूरा देश रंगों में डूबा हुआ नज़र आता है। होली के दिन हर कोई गुझिया, कचौड़ी और मिठाई जैसे स्वादिष्ट पकवानों का लुत्फ उठाते और होली के गानों पर थिरकता नज़र आता है। देशभर में होली के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। कहीं लट्ठमार होली खेली जाती है तो कहीं होला-मोहल्ला का आयोजन होता है।

लट्ठमार होली, बरसाना

सदियों से चली आ रही बरसाने की लट्ठमार होली ना सिर्फ भारत, बल्कि दुनियाभर में प्रसिद्ध है। बरसाने में होली बहुत हर्षोल्लास और अलग ढंग से मनाई जाती है। इसमें रंग और गुलाल से खेलने साथ -साथ महिलाएं लाठिओं और डंडों से पुरुषों को मारती हैं और पुरुष ढाल से खुद को बचाते हैं।

फूलों की होली, मथुरा-वृन्दावन

श्रीकृष्ण के शहर में होली का अलग ही उत्साह और अनोखा रूप देखने को मिलता है। होली के कई दिनों पहले से ही मथुरा-वृंदावन में तैयारी शुरू हो जाती है। पूरा शहर होली की मस्ती में झूमता नज़र आता है। यहां की फूलों की होली दुनियाभर में प्रसिद्ध है और दूर-दूर से लोग यहां की होली में शामिल होने आते हैं। वृन्दावन के बांके बिहारी मंदिर में होली से पहले पड़ने वाली एकादशी पर यहां फूलों की होली खेली जाती है और फिर एक हफ्ते तक ये पूरे शहर में फैलती है।

होला मोहल्ला, पंजाब

पंजाब के आनंदपुर साहिब में होली मानाने का अपना ही अलग ढंग है। सन 1701 से ही आनंदपुर साहिब में हर साल होला मोहल्ला मनाया जाता है। इसमें एक मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें लोग कुश्ती, मार्शल आर्ट्स जैसे कई खेलों में शामिल होते हैं।

म्यूज़िकल होली, दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में होली का अलग ही जश्न मनाया जाता है। जगह-जगह डीजे लगाए जाते हैं और लोग एक दूसरे पर रंग-गुलाल और पानी डाल कर होली खेलते हैं और गानों नाचते-गाते हैं। इसके साथ ही कई जगहों पर होली फेस्ट का आयोजन किया जाता है जिसमें गायक होली के गानों पर सबको झूमने पर हैं।

बसंत उत्सव, पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने होली खेलने की परंपरा की शुरुवात की थी। यहां की होली को बसंत उत्सव के नाम से जाना जाता है और इसे देखने के लिए दुनियाभर से लोग यहाँ आते हैं।

रजवाड़ा होली, उदयपुर

उदयपुर में होली शाही अंदाज़ में मनाई जाती है, जिसे रजवाड़ा या शाही होली के नाम से जाना जाता है। इसमें शहर के साथ-साथ दुनियाभर से लोग शामिल होते हैं। रजवाड़ा होली में सिटी पैलेस के शाही निवास से मानेक चौक तक बड़ी धूम-धाम के साथ शाही जुलूस निकाला जाता है, जिसमें घोड़े, हाथी और रॉयल बैंड भी शामिल होता है।

डोल जात्रा, असम

देश अन्य भागों की तरह असम में भी होली का त्यौहार दो दिनों तक मनाया जाता है।

असम में होली को डोल जात्रा के नाम से मनाया जाता है, जिसमें पहले दिन लोग होली मिट्टी की झोपड़ी जलाते हैं और दूसरे दिन रंगों और पानी से होली खेली जाती है।

शिगमोत्सव, गोवा

गोवा घूमने की जगहों के साथ-साथ होली के लिए भी बहुत प्रसिद्ध है। यहां यह त्योहार करीब 14 दिनों तक मनाया जाता है जिसमें गांव के देवी-देवताओं की पूजा करने के बाद पांच दिनों में जूलूस और झांकियां निकाली जाती हैं। इस दौरान होली परेड का आयोजन किया जाता है और रंग- गुलाल से होली खेली जाती है।

30 की उम्र के बाद डाइट में जरूर शामिल करें ये चीज़ें, हमेशा रहेंगे फिट और यंग

प्रिया मिश्रा

30 की उम्र के बाद आपको स्वस्थ रहने के लिए अपनी डाइट में कुछ बदलाव जरूर करने चाहिए। बढ़ती उम्र में हमारे शरीर में कई जरुरी पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। इससे बचने के लिए हमें अपने आहार में ऐसी चीज़ों को शामिल करना चाहिए जो पोषक तत्वों की आपूर्ति कर सकें।

उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे शरीर में भी कई बदलाव आते हैं। बढ़ती उम्र में हड्डियां और मांशपेशियां कमजोर हो जाती हैं और कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में आपको खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। 30 की उम्र के बाद आपको स्वस्थ रहने के लिए अपनी डाइट में कुछ बदलाव जरूर करने चाहिए। बढ़ती उम्र में हमारे शरीर में कई जरुरी पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। इससे बचने के लिए हमें अपने आहार में ऐसी चीज़ों को शामिल करना चाहिए जो पोषक तत्वों की आपूर्ति कर सकें। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि बढ़ती उम्र में भी स्वस्थ और फिट रहने के लिए आपको अपनी डाइट में कौन सी चीज़ें शामिल करनी चाहिए -

लहसुन

लहसुन का सेवन हमारे पाचन तंत्र और हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटी वायरल गुण होते हैं, जिससे हड्डियाँ मजबूत होती हैं और पाचन क्रिया भी बेहतर बनती है। इसके अलावा लहसुन में एलिसिन नामक तत्व पाया जाता है जिससे ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम कम होता है।

हरी सब्जियां

हरी सब्जियाँ हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं यह तो आप जानते ही होंगे। हरी सब्जियों में आयरन, प्रोटीन, जिंक, विटामिन च, ल्यूटिन, फॉलेट, कैल्शियम और बीटा कैरोटीन जैसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इससे शरीर में खून बढ़ता हैं और याददाश्त भी तेज होती है। हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से आंखों की रोशनी तेज होती है और हड्डियाँ भी मजबूत होती हैं।

डार्क चॉकलेट

वैसे तो 40 की उम्र के बाद डायबिटीज का खतरा अधिक बढ़ जाता है। लेकिन अगर आप मीठे के शौक़ीन हैं तो आप डार्क चॉकलेट खा सकते हैं। इसमें फ्लैवोनॉइड्स होते हैं, जिससे दिल की बीमारियों, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम होता है।

अलसी के बीज

बढ़ती उम्र में दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अलसी के बीज का सेवन दिल और मस्तिष्क की बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। अलसी के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर मौजूद होता है जिससे हड्डियाँ भी मजबूत होती हैं।

नट्स

नट्स हमारी सेहत के साथ-साथ हमारी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसमें फैट, प्रोटीन विटामिन, मिनरल, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इससे कई गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है। नट्स खाने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और भूख भी कम लगती है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

अंडा

अंडे में प्रोटीन की उच्च मात्रा होती है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

खासतौर पर महिलाओं को अंडा जरूर खाना चाहिए क्योंकि 30 की उम्र के बाद बोन डेंसिटी कम होने लगती है। अंडे में प्रोटीन के साथ-साथ विटामिन डी होता है जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं। इसलिए रोजाना कम से कम 1-2 अंडों का सेवन जरूर करें।

प्याज

प्याज का सेवन भी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जिससे कैंसर और ट्यूमर जैसी घातक बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके अलावा प्याज के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

इसके अलावा प्याज में मौजूद पोटैशियम से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।